THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 37 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.6 2083 शुक्रवार, 8 मई-2026

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✲ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

कुपवाड़ा में नार्को-टेरर केस में लश्कर आतंकी की संपत्ति जब्त, जमीर पीओके से चला रहा गतिविधियां

श्रीनगर, 7 मई (एजेंसियां)। स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने कुपवाड़ा में नार्को-टेरर मामले में लश्कर-ए-ताइबा के आतंकी की संपत्ति जब्त की। आतंकी जमीर अहमद लोन कुपवाड़ा के मंडियान केरन का रहने वाला है। वह आतंकी पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) से कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। वह एक बड़े नार्को-टेरर मामले में शामिल है। एसआईए के प्रवक्ता ने बताया कि मामला एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने दर्ज किया था।

टेरर फंडिंग के सामने आने पर इसे एसआईए कश्मीर को सौंप दिया गया। एसआईए की जांच में पता चला कि जमीर को अदालत अपराधी घोषित कर चुकी है। वह सीमा पार से राष्ट्र-विरोधी गतिविधियां जारी रखे हुए था। प्रवक्ता ने बताया कि एसआईए ने अदालत के आदेश पर मंडियान केरन में स्थित आरोपी की एक कनाल और 14.37 मरला की संपत्ति जब्त की है। आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करने के लिए एसआईए की कार्रवाई जारी रहेगी।

पीएम मोदी जल्द आ सकते है टिहरी दौरे पर

झील किनारे कोटीकॉलोनी में बड़ी जनसभा कराने की तैयारी

टिहरी, 7 मई (एजेंसियां)। टिहरी बांध की 1000 मेगावाट क्षमता वाली पंप स्टोरेज प्लांट (पीएसपी) परियोजना के लोकार्पण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस माह के अंत या जून के पहले सप्ताह में टिहरी दौरे पर आ सकते हैं। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए जिला प्रशासन और टीएचडीसी ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

टिहरी झील किनारे कोटीकॉलोनी में प्रधानमंत्री की जनसभा प्रस्तावित है, जिसे लेकर प्रशासनिक हलचल बढ़ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टिहरी बांध की पीएसपी परियोजना राष्ट्र को समर्पित करने के साथ टिहरी मेडिकल कॉलेज की आधारशिला भी रख सकते हैं। इसके अलावा टिहरी बांध प्रभावितों की लंबित पुनर्वास की समस्याओं, रायल्टी, रिंग रोड परियोजना और क्षेत्रीय विकास से जुड़े मुद्दों पर भी विशेष फोकस रहने की संभावना है। टिहरी बांध पहले से ही 1000 मेगावाट और कोटेश्वर बांध 400 मेगावाट बिजली का उत्पादन कर रहा हैं।

अब पीएसपी के 1000 मेगावाट जुड़ने से कुल उत्पादन क्षमता 2400 मेगावाट तक पहुंच गई है। करीब 8 हजार करोड़ रुपये की पीएसपी परियोजना बनकर तैयार है। पीएसपी परियोजना देश की पहली वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज परियोजना है, जो मांग के अनुसार बिजली उत्पादन को नियंत्रित करने में सक्षम है। बताया जा रहा है कि पीएसपी का लोकार्पण पहले 14 अप्रैल को प्रस्तावित था, लेकिन कार्यक्रम स्थगित हो गया था। उसी दौरान प्रधानमंत्री ने खुद ही टिहरी आने की इच्छा जताई थी। विधायक किशोर उपाध्याय ने आज देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर प्रधानमंत्री को टिहरी आने का न्योता भी दिया है।

उनका कहना है कि प्रधानमंत्री के दौरे से बांध प्रभावितों की समस्याओं के समाधान, रायल्टी के मुद्दे और मेडिकल कॉलेज निर्माण को गति मिल सकती है। नई टिहरी। टिहरी बांध देश की महत्वपूर्ण जल विद्युत परियोजनाओं में से एक है, जो नौ राज्यों को बिजली आपूर्ति कर रही है। दिल्ली और उत्तर प्रदेश को पेयजल और सिंचाई के लिए पानी भी यहीं से उपलब्ध कराया जा रहा है।

हालांकि इस परियोजना के लिए पुरानी टिहरी शहर को पूरी तरह जलमग्न होना पड़ा था। 37 गांव पूरी तरह झील में समा गए थे और 88 गांव आंशिक रूप से प्रभावित हुए थे। बांध प्रभावित हजारों परिवारों को नई टिहरी, देहरादून, हरिद्वार और ऋषिकेश में पुनर्वासित किया गया।

उत्तराखंड हाई कोर्ट ने पूर्व विधायक के खिलाफ अवमानना नोटिस किया जारी

देहरादून, 7 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड हाई कोर्ट ने किच्छा के पूर्व विधायक राजेश शुक्ला को नगरपालिका चुनावों में देरी के संबंध में न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणियां प्रसारित करने के आरोप में अवमानना नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल ने कथित रूप से शुक्ला द्वारा प्रसारित एक वीडियो तथा पैंफलेट का संज्ञान लेते हुए उधमसिंह नगर के जिलाधिकारी के माध्यम से यह नोटिस जारी किया। न्यायाधीश ने कहा, ''यह कानून की अदालत है, फिल्म नहीं।'' कार्यवाही के दौरान शुक्ला भी पेश हुए। पीठ ने कहा कि न्यायिक गरिमा को कम करने वाली टिप्पणियां अस्वीकार्य हैं और स्पष्ट किया कि सभी पक्षों को सुनने के बाद मामले का फैसला किया जाए। यह भी कहा गया कि मामले पर सुनवाई साप्ताहिक आधार पर की जा रही है।

अदालत शुक्ला के साथ ही उधमसिंह नगर जिले के सिरोली कला के मोहम्मद यासीन और अन्य लोगों द्वारा दायर की गई एक जनहित याचिका समेत कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। याचिकाकर्ता नगर निकाय का कार्यकाल समाप्त होने के बाद शीघ्र चुनाव कराने का अनुरोध कर रहे हैं। इस सुनवाई के दौरान, राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित हुए। अधिकारी ने एक हलफनामा पेश किया, जिसमें कहा गया कि आयोग चुनाव कराने के लिए तैयार है, लेकिन उन्होंने देरी के लिए कुछ कारण भी बताए।

हालांकि, अदालत ने आयोग के स्पष्टीकरण पर असंतोष व्यक्त किया। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि इस समय नगर पालिका का प्रबंधन एक प्रशासक कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि इससे क्षेत्र में जरूरी सार्वजनिक कार्यों में बाधा पहुंच रही है। इस याचिका में कहा गया है कि सिरोली कला 2018 से किच्छा नगर पालिका का हिस्सा है। पांच करोड़ रुपये के विकास कार्यों के पूरा होने के बाद क्षेत्र को अलग करने के प्रस्तावित कदम का निवासियों ने विरोध किया है।

शोपियां बैंक धोखाधड़ी मामला

ईओडब्ल्यू ने 11 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में दाखिल की चार्जशीट

श्रीनगर, 7 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर क्राइम ब्रांच की कश्मीर आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने शोपियां के एचडीएफसी बैंक धोखाधड़ी मामले चार्जशीट दाखिल की है। ईओडब्ल्यू ने यह चार्जशीट शोपियां के न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में दाखिल की। यह मामला कश्मीर ईओडब्ल्यू थाने में भारतीय न्याय संहिता और आईटी अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत दर्ज किया गया था, जो एचडीएफसी बैंक की शोपियां शाखा में हुई बड़े पैमाने की वित्तीय धोखाधड़ी से संबंधित है। यह मामला वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली एक लिखित शिकायत के बाद सामने आया। इसके बाद, जम्मू-कश्मीर पुलिस के निर्देशों के अनुसार, मामले को गहन जांच के लिए क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया।

जांच के दौरान कई व्यक्तियों की कथित संलिप्तता के लिए पहचान की गई। आरोपियों में शोपियां के आदिल अयूब गनई और इरफान मजीद जरगर, कुलगाम के मुबाशिर हुसैन शेख, अनंतनाग के जैद मंजूर और पुलवामा के जावेद अहमद भट के रूप में हुई। इन सभी आरोपियों को 18 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था और तब से वे न्यायिक हिरासत में हैं। फिलहाल, जांच पूरी होने पर कुल 11 आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ एक चार्जशीट न्यायिक निर्णय के लिए अदालत के समक्ष पेश की गई है।

इससे पहले, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जालसाजी और अवैध नियुक्तियों में शामिल एक सरकारी कर्मचारी को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि क्राइम ब्रांच जम्मू-कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा कश्मीर ने एक कर्मचारी को एक लंबे समय से लंबित धोखाधड़ी के मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया है, जिसमें कथित तौर पर जालसाजी और अवैध नियुक्ति शामिल है। आरोपी की पहचान शाहनवाज अहमद मीर के रूप में हुई, जो स्वास्थ्य विभाग में एक सीनियर असिस्टेंट है और श्रीनगर के टंकिपोरा शहीद गंज का रहने वाला है। यह मामला स्वास्थ्य सेवाओं के उप निदेशक, कश्मीर से प्राप्त एक सूचना से जुड़ा है, जिसमें यह बताया गया था कि बशीर अहमद सोफी ने धोखाधड़ी करके स्वास्थ्य शिक्षक के रूप में अपनी नियुक्ति हासिल की थी।

मुंबई हमले के आतंकी तहव्वुर राणा का एम्स में ऑपरेशन, कोर्ट के आदेश पर डॉक्टरों ने की सर्जरी

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। मुंबई हमले के आरोपित तहव्वुर राणा का नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में हर्निया का ऑपरेशन किया गया। राणा को कोर्ट के निर्देश पर चार मई को एम्स में भर्ती कराया गया था, उसी दिन सर्जरी भी उनकी हो गई थी। एम्स सूत्रों के अनुसार ऑपरेशन के बाद उसकी हालत स्थिर है और वह डॉक्टरों की निगरानी में है। पूरी चिकित्सा प्रक्रिया कोर्ट की अनुमति के बाद की गई। बताया गया कि सर्जरी से पहले राणा की पिछले एक महीने में कई बार एम्स में स्वास्थ्य परीक्षण किया गया था। उस रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट से मिले निर्देश पर चिकित्सकों ने ऑपरेशन का निर्णय लिया। बताया गया कि सुरक्षा के मद्देनजर उसे कड़ी पुलिस निगरानी में एम्स लाया गया।

धमाकों के लिए भाजपा जिम्मेदार' के बयान पर भड़की बीजेपी, सीएम मान को भेजा मानहानि नोटिस

चंडीगढ़, 7 मई (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर और अमृतसर में हुए धमाकों पर सियासत भी गरमा गई है। सीएम भगवंत मान ने धमाकों के लिए भाजपा को जिम्मेदार बताया था। जिसके बाद भाजपा ने उन्हें अपने आरोपों को साबित करने या फिर इस्तीफा देने की मांग की थी। शुकराना यात्रा के दौरान दिए गए सीएम मान के बयान पर अब नया विवाद उठ गया है। भाजपा ने भगवंत मान को मानहानि का नोटिस भेजा है। भाजपा का कहना है कि मान ने सीएम पद की गरिमा धूमिल की है। उनके बयान से पाक में बैठे सरगना खुश हैं। सीएम ने आतंकियों को राजनीतिक संरक्षण दिया। भाजपा ने सीएम से सात दिनों में सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने को कहा है। भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान को मानहानि का नोटिस भाजपा की ओर से भेजा गया है।

पंजाब धमाकों में भाजपा पर लगाए गए विवादित बयानों का कड़ा विरोध करते हुए उन्होंने कहा कि भगवंत मान ने मुख्यमंत्री पद की गरिमा को तार-तार करते हुए, बिना किसी सबूत के भाजपा पर बम धमाकों का आरोप लगाया है। यही कारण है कि अब उनके

खिलाफ आपराधिक मानहानि, झूठी जानकारी फैलाने और सार्वजनिक अशांति भड़काने के प्रयास को लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है। मान का बयान उनके अपने डीजीपी के बयान के विपरीत है। जहां पंजाब पुलिस आईएसआई और विदेशी नेटवर्क की संलिप्तता की बात कर रही है, वहीं मुख्यमंत्री राजनीतिक एजेंडा चलाने में व्यस्त हैं।

सवाल साफ है-मुख्यमंत्री पंजाब की सुरक्षा कर रहे हैं या राष्ट्रविरोधी ताकतों को राजनीतिक कवर दे रहे हैं? एक ऐसे दिन, जब पूरा देश 'ऑपरेशन सिंदूर' की वर्षगांठ पर अपनी वीर सेना के साहस और शौर्य का जश्न मना रहा है, मुख्यमंत्री मान द्वारा भाजपा जैसे एक लोकतांत्रिक और राष्ट्रवादी दल को आतंकवादी घटनाओं से जोड़ना सिर्फ एक राजनीतिक झूठ नहीं, बल्कि करोड़ों देशवासियों के जनादेश और विश्वास का अपमान है।

बेटी ने वीडियो कॉल के दौरान कर ली आत्महत्या, पिता पर लगा चरित्र पर संदेह और प्रताड़ित करने का आरोप

मुंबई, 7 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में एक हैरान कर देने वाली घटना देखने को मिली। मुंबई के वर्ली इलाके में फैशन टेक्नोलॉजी की छात्रा स्वप्नाली घेवारी (24) ने वीडियो कॉल के दौरान फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली । मामले में युवती की मां ने उसके पिता पर मानसिक प्रताड़ना और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। वर्ली पुलिस स्टेशन में इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, पुणे जिले के आंबेगांव की रहने वाली स्वप्नाली नवी मुंबई के एक संस्थान में फैशन टेक्नोलॉजी की पढ़ाई कर रही थी। 1 मई की शाम से ही स्वप्नाली के पिता सुनील घेवारी लगातार उसे फोन कर रहे थे और उसकी मां के बारे में पूछताछ कर रहे थे। परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा था और पिता की शराब की आदत के कारण घर का माहौल तनावपूर्ण बना रहता था। बताया जा रहा है, कि रात करीब 8 बजे स्वप्नाली ने अपनी मां से बातचीत में परीक्षा का जिक्र किया था। इसके बाद किसी बात को लेकर दोनों के बीच में कहासुनी हुई।

12 मई को होगा नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह, पीएम मोदी हो सकते हैं शामिल

गुवाहाटी, 7 मई (एजेंसियां)। असम नई सरकार शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम गुवाहाटी के खानापारा में वेटनरी फील्ड में होगा। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। राज्य के मुख्य सचिव रवि कोटा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा और तैयारियों को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक भी हुई है, जिसमें पुसिस महानिदेशक (डीजीपी) समेत अधिकारियों के साथ सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, प्रोटोकॉल और समन्वय पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

लेकिन उन्हें कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में काम जारी रखने को कहा गया है। भाजपा संसदीय दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को पर्यवेक्षक और नायब सिंह सैनी को सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इस चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने 126 में से 102 सीटें जीतकर लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल की है।

आईटी कारोबारी के ठिकानों पर ईडी रेड

अधिकारियों को देखते ही 9वीं मंजिल से फेंके नोटों से भरे बैग

मोहाली, 7 मई (एजेंसियां)। मोहाली जिले के खरड़ स्थित नामी हाउसिंग सोसायटी वेस्टर्न टावर्स में वीरवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रेड की है। रेड के दौरान नौवीं मंजिल के एक फ्लैट से नकदी से भरे दो बैग नीचे फेंके गए, जिसके बाद सोसायटी परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार ईडी की टीम सुबह करीब सात बजे दिल्ली से खरड़ पहुंची और चज्जूमाजरा स्थित वेस्टर्न टावर्स सोसायटी के फ्लैट नंबर 906 में तलाशी अभियान शुरू किया। बताया जा रहा है कि यह फ्लैट आईटी कारोबारी नितिन गोयल से जुड़ा हुआ है।

ईडी अधिकारियों ने फ्लैट के अंदर कई घंटों तक दस्तावेजों और अन्य रिकार्ड की गहन जांच की। इस दौरान फ्लैट अंदर से बंद बताया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक रेड के दौरान अचानक फ्लैट की ऊपरी मंजिल से दो बैग नीचे फेंके गए। बैग गिरते ही उनमें से 500-500 रुपये के नोट सोसायटी परिसर में बिखर गए। यह दृश्य देखकर मौके पर मौजूद लोग हैरान रह गए और कुछ ही देर में बड़ी संख्या में निवासी वहां इकट्ठा हो गए। बाद में ईडी अधिकारियों ने नकदी से भरे दोनों बैग अपने कब्जे में ले लिए। सूत्रों के मुताबिक बैगों से करीब 21 लाख रुपये नकद बरामद हुए हैं। हालांकि, खबर लिखे जाने तक ईडी की ओर से बरामद रकम या कार्रवाई को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। ईडी के अधिकारी पूरे मामले में फिलहाल चुप्पी बनाए हुए हैं।

सूत्रों का दावा है कि यह कार्रवाई मनी लार्नड्रिंग से जुड़े किसी बड़े मामले की जांच का हिस्सा है। बताया जा रहा है कि जिस कारोबारी के यहां रेड हुई, उसके संबंध राज्य सरकार के एक वरिष्ठ राजनीतिक पदाधिकारी के करीबी लोगों से बताए जा रहे हैं। हालांकि इस राजनीतिक कनेक्शन की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कि गुरुवार (07 मई, 2026) ईडी को ईडी ने पंजाब में बड़ी कार्रवाई करते हुए मोहाली और चंडीगढ़ में 12 अलग-अलग ठिकानों पर छापामारी शुरू की है। यह तलाशी अभियान सनटेक सिटी परियोजना, अजय सहगल, एबीएस टाउनशिप्स प्राइवेट लिमिटेड, अल्टस बिल्डर्स, धीर कंस्ट्रक्शंस और उनके सहयोगियों के खिलाफ चलाया जा रहा है।

जागरन कार्यक्रम से लौट रहे लोगों की कार खाई में गिरी, तीन की मौत

अल्मोड़ा, 7 मई (एजेंसियां)। जिले के भतरोंजखान थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा रापड़ मोड़ से सोनी रानीखेत की ओर जाने वाले मार्ग पर हुआ। जहां एक ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर करीब 150 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। पुलिस के अनुसार बुधवार सुबह करीब चार बजे डायल 112 पर सूचना मिली कि भाटिया-भिकियासैंण मार्ग के पास वाहन संख्या यूके 04एफ6683 की नंबर प्लेट सड़क पर पड़ी हुई है। आसपास वाहन नहीं मिलने पर उसके खाई में गिरने की आशंका जताई गई। सूचना मिलते ही थाना भतरोंजखान पुलिस, 108 सेवा, आपदा कंट्रोल, एसडीआरएफ, राजस्व विभाग और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

संयुक्त रेस्क्यू अभियान के दौरान वाहन सड़क से करीब 150 मीटर नीचे खाई में गिरा मिला। रेस्क्यू के दौरान कार सवार तीनों लोगों की मौत की पुष्टि हुई। मृतकों की पहचान भुवन पुत्र दीवान राम निवासी ग्राम सनेटी तहसील रानीखेत और कैलाश चंद्र पुत्र बहादुर राम निवासी ग्राम दौड़ाखाल तहसील रानीखेत, उम्र 32 वर्ष के रूप में हुई है। तीसरे मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

सोहराबुद्दीन शेख एनकाउंटर केस

बॉम्बे हाई कोर्ट ने खारिज की 22 लोगों को बरी करने के खिलाफ याचिका

मुंबई, 7 मई (एजेंसियां)। गुजरात के बहुचर्चित 2005 के सोहराबुद्दीन अनवर हुसैन शेख एनकाउंटर मामले में आज बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फ़ैसला सामने आया है। साल 2005 के सोहराबुद्दीन एनकाउंटर केस में सीबीआई कोर्ट द्वारा 22 लोगों को बरी करने के खिलाफ दायर याचिका को बॉम्बे हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया है। आपको बता दें कि यह केस देश के सबसे कंट्रोवर्शियल एनकाउंटर्स में एक माना जाता है। आइए जानते हैं इस मामले के बारे में विस्तार से। सोहराबुद्दीन शेख का कथित फेक एनकाउंटर 2005 में हुआ था। बताया जाता है कि उसके बाद उसकी पत्नी कौसर बी की भी हत्या कर दी गई थी।

वहीं 2006 इस केस का मुख्य गवाह तुलसीराम प्रजापति भी एक दूसरे कथित फेक एनकाउंटर में मारा गया था। शुरुआती जांच के दौरान इस मामले की जांच गुजरात सीआईडी द्वारा की गई। बाद में यह केस सीबीआई को सौंपा गया था। सीबीआई द्वारा सुप्रीम कोर्ट में की गयी दरख्वास्त के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सितम्बर 2012 में यह केस मुंबई ट्रांसफर कर

दिया था। साल 2013 में सोहराबुद्दीन, उसकी पत्नी कौसर बी और साथी तुलसीराम प्रजापति के मामलों को इकठ्ठा कर मुंबई की विशेष सीबीआई अदालत में सुनवाई शुरू की गयी थी। सबूतों के अभाव के कारण 2018 में सभी आरोपियों को कोर्ट ने रिहा कर दिया था जिसके बाद इसी साल इस मामले की सुनवाई बॉम्बे हाईकोर्ट में शुरू हुई।.सोहराबुद्दीन के भाइयों ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। एनकाउंटर मामले में पुलिसकर्मियों और अन्य को बरी किए जाने के खिलाफ याचिका पर मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम ए. अंखड की पीठ ने सुनवाई के बाद आज अपना फैसला सुनाया है।

बंगाल में चुनाव बाद हिंसा जारी, पानीहाटी में बम फेंका, पांच भाजपा कार्यकर्ता घायल

कोलकाता, 7 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना जिले के पनिहाटी इलाके में भाजपा कार्यकर्ताओं पर देशी बम फेंके जाने से कम से कम पांच कार्यकर्ता घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने गुरुवार को दी। यह हमला शुभेंदु अधिकारी के लंबे समय से निजी सहायक रहे चंद्रनाथ रथ की हत्या के कुछ घंटों बाद हुआ। पुलिस ने बताया कि यह घटना आधी रात के बाद पनिहाटी नगरपालिका के वार्ड नंबर 2 में दत्ता रोड पर हुई। पता चला है कि कुछ भाजपा कार्यकर्ता आम लोगों से बात कर रहे थे, तभी कुछ उपद्रवी बाइक पर सवार होकर मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक पर सवार चार लोगों ने वहां मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं पर बम फेंके।

तीन बम लगातार फेंके गए, जिसके बाद उपद्रवी भाग गए। इस बम विस्फोट में पांच भाजपा कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना से इलाके में काफी तनाव फैल गया। घायलों को गंभीर हालत में आरजी कार मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया। खबरों के मुताबिक उनका वहां इलाज चल रहा है। वहीं, खबर मिलते ही खारदाह पुलिस स्टेशन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। केंद्रीय बल भी वहां पहुंचे। उन्होंने स्थिति को नियंत्रण में किया और इलाके में गश्त की। खारदाह पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। वहीं, बदमाशों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। मध्यग्राम घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए शुभेंदु अधिकारी ने खरदाह में हुए बम विस्फोट का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा 'राज्य में पिछले 15 वर्षों से बदले की राजनीति चल रही है।

यह 15 वर्षों के महा जंगल राज का परिणाम है। कल रात खरदाह में बम विस्फोट हुआ और बसीरहाट में भाजपा कार्यकर्ताओं पर गोलियां चलाई गईं। हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।' भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस पर पनिहाटी में बम विस्फोट करने का आरोप लगाया है, जो मध्यमग्राम से लगभग 7 किलोमीटर दूर है, जहां अधिकारी के निजी सहायक को हमलावरों ने उस समय गोली मारकर हत्या कर दी थी जब वह अपने घर जा रहा था। आरोप है कि तृणमूल से जुड़े उपद्रवियों ने बम धमाका किया। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने इस घटना पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ सुलझाएंगे संजय कपूर संपत्ति विवाद, एससी की सलाह पर परिवार राजी

मुंबई, 7 मई (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के एक्स-हस्बैंड दिवंगत बिजनेसमैन संजय कपूर संपत्ति विवाद ममले में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने संजय कपूर की मां रानी कपूर और उनकी पत्नी प्रिया कपूर के बीच पारिवारिक ट्रस्ट को लेकर जारी विवाद में पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को मध्यस्थ नियुक्त किया है। संजय कपूर के निधन के बाद से ही उनकी प्रॉपर्टी को लेकर विवाद चल रहा है। कुछ समय पहले भी कोर्ट ने इस मामले पर कहा था कि इसे मध्यस्थता से सुलझाया जाए। अब सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने डी वाई चंद्रचूड़ को मध्यस्थ नियुक्त किया है। कोर्ट ने दोनों पक्षों से खुले तौर पर मध्यस्थता से जुड़कर इस मामले को हल करने का आग्रह किया है।

कोर्ट ने दोनों पक्षों से सार्वजनिक तौर पर कुछ भी बयान और सोशल मीडिया पर कुछ भी कहने से बचने को भी कहा है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा, "ये एक पारिवारिक विवाद है। इसे केवल परिवार के सदस्यों तक ही सीमित रखें। इसे मनोरंजन का जरिए नहीं बनाया जाना चाहिए।"

बीजेपी में जाने के दावों पर खुलकर बोलीं प्रियंका चतुर्वेदी

कहा- 'काफी समय से चुप थी लेकिन लेकिन आज के समय में चुप रहना कमजोरी माना जाता है।'

मुंबई, 7 मई (एजेंसियां)। शिवसेना यूबीटी नेता प्रियंका चतुर्वेदी की राज्यसभा सदस्यता का कार्यकाल पूरा होने के बाद से ये अटकलें लगाई जा रही थीं कि वह उद्धव ठाकरे का साथ छोड़ अब दल बदलने का प्लान कर रही हैं।

सोशल मीडिया पर इस तरह के कई दावे भी किए गए कि प्रियंका चतुर्वेदी भारतीय जनता पार्टी जॉइन कर सकती हैं।

हालांकि, इस मुद्दे पर प्रियंका चतुर्वेदी की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई थी। अब आखिरकार उद्धव गुट की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने बीजेपी में जाने के दावों पर अपनी बात रखी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के एक अकाउंट के दावे पर प्रियंका चतुर्वेदी ने आखिरकार अपनी बात रखी और बीजेपी में जाने के कयासों पर विराम लगा दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से लिखा कि कुछ लोग उनकी फोटो लगाकर अपनी मनगढ़ंत थ्योरी जोड़ देते हैं ताकि उनके पोस्ट पर इंगेजमेंट आ सके।

प्रियंका चतुर्वेदी ने दावा किया कि लोग 'झूठी' खबरें फैला रहे हैं, क्योंकि उन्हें इससे पैसा मिलता है। वह ऐसे लोगों के पेट पर लात नहीं मारना चाहतीं। उद्धव गुट की नेता ने आगे लिखा कि वह अपने खिलाफ लिखी जा रहीं खबरों को लेकर भी काफी समय से चुप थीं, लेकिन आज के समय में चुप रहना कमजोरी माना जाता है।

रिश्वत के पैसे चूहों के पेट में

बिहार पुलिस के दावों पर सुप्रीम कोर्ट हैरान, आरोपी को मिली जमानत

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में बिहार में भ्रष्टाचार के आरोपी एक पूर्व सरकारी अधिकारी को जमानत दे दी। कोर्ट ने इस दावे पर हैरानी जताई थी कि इस मामले में जब्त किए गए नोट पुलिस के एविडेंस रूम में चूहों ने कुतर दिए थे। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने आरोपी अधिकारी अरुणा कुमारी नाम की एक पूर्व बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी (सीडीपीओ) की चार साल की सजा को निलंबित कर दिया। उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। कोर्ट ने यह पाया कि उनके खिलाफ मौजूद सबूत सचमुच नष्ट हो चुके थे। जमानत देते हुए बेंच ने कहा कि हमें ये जानकर हैरानी हुई कि नोट चूहों ने नष्ट कर दिए। जमानत देते हुए बेंच ने कहा कि हमें ये जानकर हैरानी हुई कि करंसी नोट चूहों ने नष्ट कर दिए।

कोर्ट ने आगे जब्त की गई करंसी के खत्म होने को बिहार राज्य के लिए एक बड़ा राजस्व नुकसान बताया। कोर्ट ने कहा कि हमें हैरानी है कि इस तरह के अपराधों में बरामद कितने ऐसे करंसी नोट नष्ट हो जाते हैं, क्योंकि उन्हें सुरक्षित जगह पर नहीं रखा जाता। ये राज्य के लिए एक बहुत बड़ा राजस्व नुकसान है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 37 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.6 2083 शुक्रवार, 8 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

सऊदी अरब का अमेरिका को एयरस्पेस देने से इनकार

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 7 मई (एजेंसियां)। अमेरिका ने 4 मई को होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही शुरू करने के लिए 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' शुरू किया था। हालांकि एक दिन बाद ही ट्रम्प ने इसे रोकने का आदेश दिया। तब ट्रम्प ने कहा था कि पाकिस्तान के कहने पर उन्होंने यह ऑपरेशन रोका है। हालांकि अब यह दावा किया जा रहा है कि सऊदी अरब की वजह से अमेरिका को यह कदम उठाना पड़ा। सऊदी अरब ने इस मिशन में शामिल अमेरिकी विमानों को अपने एयरस्पेस और एयरबेस के इस्तेमाल की इजाजत देने से इनकार कर दिया। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रम्प ने अचानक सोशल मीडिया पर इस ऑपरेशन का ऐलान कर दिया था।

'हम आतंकवाद को खत्म करने पर मजबूती से कायम'

वर्षगांठ पर बोले पीएम मोदी

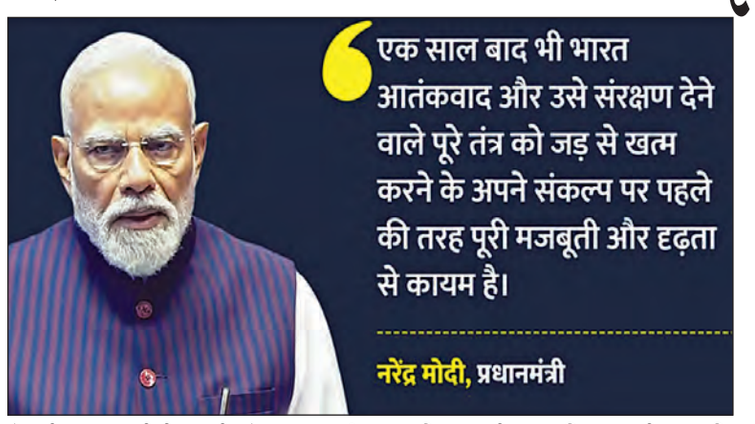

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, सटीकता और दृढ़ संकल्प को सलाम किया। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि एक साल पहले भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अद्वितीय बहादुरी का परिचय देते हुए पहलगाम में निर्दोष भारतीयों पर हमला करने वालों को करारा जवाब दिया था।

भारत की रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की आतंकवाद के खिलाफ कठोर नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के अटूट संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इस अभियान ने भारतीय सेनाओं की पेशेवर क्षमता, तैयारी और आपसी समन्वय को दुनिया के सामने मजबूती से पेश किया। साथ ही यह भी दिखाया कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत के प्रयासों ने देश की सुरक्षा को और मजबूत किया है। मोदी ने कहा कि एक साल बाद भी भारत आतंकवाद और उसे समर्थन देने वाले पूरे तंत्र को खत्म करने के अपने संकल्प पर पूरी मजबूती से कायम है।

गृह मंत्री ने आतंकियों को दी चेतावनी :

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी और कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान भारत की सैन्य शक्ति का ऐतिहासिक प्रतीक बन गया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि ऑपरेशन सिंदूर हमेशा दुश्मनों को भारतीय सेना की अचूक मारक क्षमता की याद दिलाता रहेगा। अमित शाह ने कहा कि इतिहास इस दिन को भारतीय सेनाओं की सटीक स्ट्राइक क्षमता, खुफिया एजेंसियों की सूक्ष्म जानकारी और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के संयुक्त प्रदर्शन के रूप में याद रखेगा। उन्होंने कहा कि पहलगाम में भारतीय नागरिकों पर हमला करने वाले आतंकियों और उनके ठिकानों को सीमा पार जाकर नष्ट किया गया। गृह मंत्री ने आतंकियों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे कहीं भी छिप जाएं, भारत की नजर और सेना की मारक शक्ति से बच नहीं सकते। उन्होंने कहा कि यह दिन दुश्मनों के लिए हमेशा एक कड़ा संदेश बना रहेगा। अमित शाह ने इस मौके पर भारतीय सशस्त्र बलों के अद्वितीय साहस और बलिदान को भी सलाम किया।

एयर मार्शल ने बताई 23 मिनट की कहानी

आज भारत ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ बना रहा है। इस मौके पर डिप्टी चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की उस प्रतिक्रिया के रूप में वर्णित किया, जब उसकी शांति की प्रतिबद्धता को कमजोरी और संयम को निष्क्रियता समझा जाता है। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए, एयर मार्शल भारती ने कहा कि भारत ने हमेशा 'जियो और जीने दो' के दर्शन का पालन किया है। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि जब भी इस भावना का उल्लंघन होता है, तो राष्ट्र निर्णायक और समझौताहीन कार्रवाई के साथ जवाब देता है। यह ऑपरेशन पहलगाम आतंकी हमले के बाद शुरू किया गया था, जिसमें 26 निर्दोष नागरिक मारे गए थे।

टीवीके प्रमुख विजय ने राज्यपाल से बहुमत साबित करने के लिए दो महीने का समय मांगा

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में टीवीके यानी तमिलगा वेत्री कड़गम नई सरकार बनाने के लिए कोशिश करने में जुटी हुई है। जोसेफ विजय गुरुवार सुबह लोकभवन पहुंचे और राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर मुलाकात की और उनसे बहुमत साबित करने के लिए दो महीने का समय मांगा है।

बुधवार को भी विजय लोकभवन पहुंचे थे और राज्यपाल को सरकार बनाने का प्रस्ताव दिया, पर राज्यपाल ने उन्हें बहुमत साबित करने यानी 118 विधायकों का समर्थन वाला पत्र सौंपने को कहा। जोसेफ विजय ने राज्यपाल को 112 विधायकों के साइन किए हुए समर्थन पत्र सौंपे थे। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, टीवीके प्रमुख जोसेफ विजय ने बहुमत साबित करने के लिए तमिलनाडु के राज्यपाल से 2 महीने का समय मांगा है। तमिलनाडु में नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। हालांकि विजय को कांग्रेस ने अपना समर्थन दे दिया है, जिस कारण 108 सीट जीतने वाली टीवीके के पास 112 विधायकों का समर्थन हो गया, हालांकि इसमें भी एक पेंच हैं कि टीवीके प्रमुख विजय दो सीटों से चुनाव लड़े थे, इस कारण उन्हें जल्द एक सीट से इस्तीफा देना होगा, जिसके बाद टीवीको को 7 विधायकों को समर्थन चाहिए होगा। तमिलनाडु कांग्रेस ने गुरुवार को गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर की आलोचना करते हुए कहा कि सरकारें लोक भवन के लॉन में नहीं, बल्कि सदन के पटल पर तय होती हैं। पार्टी विधायक से. राजेशकुमार ने टीवीके को समर्थन देने के कांग्रेस के फ़ैसले का बचाव करते हुए एक पत्र में लिखा, तमिलनाडु के लोगों के कल्याण और राज्य में शांति के मद्देनजर, सांप्रदायिक ताकतों को अलग-थलग करना बेहद जरूरी है।

'धार्मिक मामलों पर सवाल उठने लगे तो सैकड़ों याचिकाएं आ जाएंगी'

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि अगर लोग धार्मिक प्रथाओं या धर्म से जुड़े मामलों पर सांविधानिक अदालत में सवाल उठाने लगेंगे, तो सैकड़ों याचिकाएं अलग-अलग रीति-रिवाजों पर आने लगेंगी, जिससे धर्म और सभ्यता दोनों पर गंभीर असर पड़ सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की संविधान पीठ इस समय उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिनमें धर्मस्थलों पर महिलाओं के साथ कथित भेदभाव का मुद्दा उठाया गया है। इनमें केरल का सबरीमाला मंदिर का मामला भी शामिल है। इसके साथ ही विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और उसकी सीमाओं पर भी विचार किया जा रहा है, जिनमें दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़े मामले भी हैं। इस पीठ में मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत के साथ न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, न्यायमूर्ति ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह, न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले, न्यायमूर्ति आर महादेवन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची शामिल हैं। दाऊदी बोहरा समुदाय की केंद्रीय संस्था ने 1986 में एक जनहित याचिका दायर की थी। जिसमें 1962 के उस फैसले को हटाने की मांग की थी, जिसमें बंबई बहिष्कार निवारण अधिनियम 1949 को रद्द कर दिया गया था। इस कानून के तहत किसी भी समुदाय के सदस्य को समाज से बाहर करने को अवैध माना गया था।

भारत आ सकते हैं ईरान के उप-विदेश मंत्री

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। ईरान के विदेश मंत्री बिक्स समिट में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली आ सकते हैं। ईरान से सूत्रों ने यह जानकारी दी। अगर ईरान के उप-विदेश मंत्री बिक्स समिट के लिए भारत आते हैं तो अमेरिका संग तनाव के बीच यह उनका पहला भारत दौरा होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ युद्ध के जल्द खत्म होने की भविष्यवाणी की है। उन्होंने कहा कि तेहरान अमेरिका के एक शांति प्रस्ताव पर विचार कर रहा है।

'कानून तभी सफल होगा, जब जनता सहयोग करेगी'

> जनसंख्या नियंत्रण और समान नागरिक संहिता पर बोले भागवत

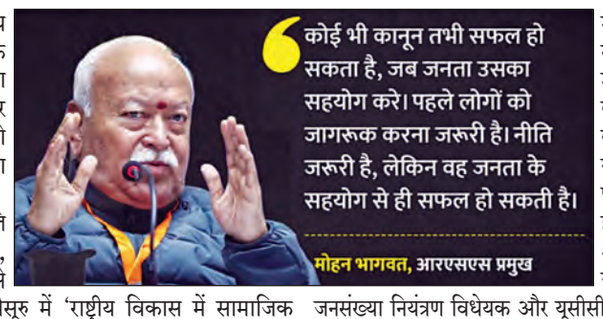

मैसूर, 7 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण की नीतियों और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने के लिए जनता का सहयोग और दीर्घकालिक विचार जरूरी है।

उन्होंने यह भी कहा कि जाति आधारित राजनीति तभी खत्म होगी, जब समाज खुद जातिगत पहचान से ऊपर उठेगा। आरएसएस प्रमुख ने मैसूरु में 'राष्ट्रीय विकास में सामाजिक समरसता की भूमिका' विषय पर व्याख्यान के बाद आयोजित संवाद कार्यक्रम में कहा कि समाज में धर्मों और समुदायों के बीच सौहार्द होना चाहिए। उन्होंने लोगों से नारेबाजी के बजाय बराबरी का व्यवहार करने की अपील की। भागवत ने कहा, समाज जाति को याद रखता है, इसलिए राजनेता उसका फायदा उठाते हैं। उनका उद्देश्य वोट हासिल करना होता है। जब काम के आधार पर वोट नहीं मिलते, तो वे जाति के आधार पर वोट लेते हैं। जनसंख्या नियंत्रण विधेयक और यूसीसी पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि आरएसएस सरकार नहीं, बल्कि एक सामाजिक संगठन है।

अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी से की मुलाकात

शॉल पहनाते हुए बोले-आप हारीं नहीं, अच्छा लड़ीं

कोलकाता, 7 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों के बाद अखिलेश यादव बंगाल पहुंचे हैं। वहां उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी से मुलाकात की।

बंगाल में 15 साल पुराने टीएमसी शासन के खात्मे और भाजपा की प्रचंड जीत के बाद यह पहली मुलाकात है। इस दौरान अखिलेश ने कहा कि भाजपा को दीदी हमेशा से खटकती रही हैं। अखिलेश का मानना है कि भले ही इस बार आंकड़े पक्ष में न रहे हों, लेकिन ममता बनर्जी ने एक योद्धा की तरह मुकाबला किया है। ममता बनर्जी खुद अखिलेश यादव को रिसीव करने के लिए गेट तक आईं, जबकि उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने अखिलेश को गले लगाकर उनका स्वागत किया। इस मुलाकात के दौरान अखिलेश यादव ने ममता बनर्जी को शॉल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया और कहा, दीदी, आप हारी नहीं हैं। अखिलेश ने ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के हौसले की तारीफ करते हुए कहा कि आप लोगों ने जिस तरह से चुनाव लड़ा, वह वाकई काबिले तारीफ है। राहुल गांधी ने चुनावी नतीजों के तुरंत बाद ममता बनर्जी से बात की थी।

इस दौरन उन्होंने कहा था कि सांप्रदायिकता के खिलाफ अब हम सभी को मिलकर लड़ना होगा। राहुल ने दीदी से अपील की कि देश की सेक्युलर ताकतों को अब एक मंच पर मजबूती के साथ आने की जरूरत है।

मैंने ममता को हराया, इसीलिए पीए की हत्या : सुवेंदु

चंद्रनाथ की मां बोलीं-हार का बदला बेटे से लिया, हत्या में इस्तेमाल बाइक मिली

कोलकाता, 7 मई (एजेंसियां)। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कहा कि उनके पर्सनल असिस्टेंट चंद्रनाथ रथ की हत्या इसलिए हुई क्योंकि उन्होंने ममता को हराया है। सुवेंदु ने कहा- इस हत्या को जिस तरह से अंजाम दिया गया, उसकी जितनी भी निंदा करें वह कम है। हत्या की वजह भवानीपुर से ममता की हार हो सकती है।

उधर चंद्रनाथ की मां ने कहा कि इस हार का बदला मेरे बेटे की हत्या कर लिया गया। कुछ नेताओं ने पहले धमकी दी थी कि 4 तारीख के बाद कोई बचा नहीं पाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि रथ को चार गोलियां लगीं थीं। इस मामले में पुलिस ने 3 लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं हत्या में इस्तेमाल की गई बाइक मिल गई है।

चंद्रनाथ की कार पर गोलियों की बौछार, हमलवार तुरंत फरार

चंद्रनाथ की हत्या बुधवार देर रात 10.30 बजे की गई थी। वे कोलकाता से मध्यमग्राम अपने घर लौट रहे थे। कोलकाता से करीब 20 किमी दूर डोलतला में एक कार रथ की स्कॉर्पियो के सामने खड़ी हो गई। इसी बीच बाइक पर आए हमलावरों ने 6 से 10 राउंड फायरिंग की। दो गोलियां चंद्रनाथ के सीने से आर-पार हो गईं। एक गोली पेट में लगी। उनके ड्राइवर बुद्धदेब बेरा को भी गोली लगी। हत्या के बाद हमलावर कार छोड़कर बाइक से फरार हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चंद्रनाथ को मृत घोषित कर दिया। उनके ड्राइवर का इलाज जारी है।

ग्लॉक 47एक्स पिस्टल से फायरिंग, बिना नंबर प्लेट बाइक

फोरेंसिक जांच के शुरूआती इनपुट के मुताबिक, हमलावरों ने ग्लॉक 47एक्स पिस्टल का इस्तेमाल किया था। इस मॉडर्न हथियार का इस्तेमाल आम अपराधी नहीं करते। ऐसे हमले को कोई प्रोफेशनल शूटर ही अंजाम दे सकता है। बाइक सवार हमलावर हेलमेट पहने हुए था और बाइक पर नंबर प्लेट नहीं थी। पुलिस ने मौके से वह कार जब्त की है, जिससे स्कॉर्पियो का रास्ता रोका गया था। हालांकि, उस पर लगी नंबर प्लेट फर्जी निकली।

चंद्रनाथ रथ पर फायरिंग के करीब 1 घंटे बाद रात करीब 12.30 बजे बशीरहाट जिले में रोहित रॉय नाम के भाजपा कार्यकर्ता पर फायरिंग हुई। उनकी हालत गंभीर है। राज्य में 4 मई को चुनावी नतीजों के बाद अब तक 5 लोगों की हत्या हो चुकी है। इनमें 3 भाजपा और 2 टीएमसी से जुड़े थे। सुवेंदु अधिकारी ने पीए की हत्या को प्लान्ड मर्डर बताया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से शांति बनाए रखने की अपील की और कहा कि भाजपा बंगाल में गुंडों की सफाई का काम शुरू करेगी।

विदेश मंत्री जयशंकर ने सूरीनाम के शीर्ष नेतृत्व से की बात

द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती पर दिया जोर

पारामारिबो, 7 मई (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर फिलहाल सूरीनाम दौरे पर हैं। सूरीनाम के दौरे पर विदेश मंत्री जयशंकर ने दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए दक्षिण अमेरिकी देश के शीर्ष नेतृत्व और दूसरे अधिकारियों के साथ कई बार बातचीत की।

पारामारिबो पहुंचने पर विदेश मंत्री जयशंकर का उनके समकक्ष मेल्विन बौवा ने गर्मजोशी से स्वागत किया। बाद में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय बातचीत की। भारतीय अधिकारियों के साथ विदेश मंत्री ने फिर सूरीनाम के डेलिगेशन से मुलाकात की और पारामारिबो में 9वीं जॉइंट कमीशन मीटिंग के तहत द्विपक्षीय संबंधों की पूरी समीक्षा की। बैठक के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, "हमने ट्रेड, डिजिटल और निवेश, रक्षा और ऊर्जा, विकास सहायता और कैपेसिटी बिल्डिंग, स्वास्थ्य और मोबिलिटी और संस्कृति और लोगों के बीच लेन-देन पर बात की। मुझे यकीन है कि आज हमारी बातचीत के नतीजे हमारे संबंधों को और गहरा और अलग-अलग तरह का बनाएंगे।" विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर ने सूरीनाम की राष्ट्रपति जेनिफर गीरलिंग्स-साइमन्स से भी मुलाकात की और दोनों देशों के बीच हमेशा रहने वाली साझेदारी को बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता पर बात की। विदेश मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, आज दोपहर सूरीनाम की राष्ट्रपति जेनिफर गीरलिंग्स-साइमन्स से मिलकर खुशी हुई। भारत की तरफ से सूरीनाम की सरकार और लोगों को दिल से शुभकामनाएं दीं। हमारे दोनों देश भारत-सूरीनाम के गहरे और लंबे समय से चले आ रहे संबंधों का पूरा पोटेंशियल हासिल करने के लिए कमिटेड हैं।

'मुस्लिम क्षेत्र में ईसाई तो हिंदू इलाके में जीता मुसलमान उम्मीदवार'

> शशि थरूर ने बताई असली केरल स्टोरी

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। केरल की राजनीति से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है जो पूरे देश के लिए भाईचारे का संदेश दे रही है। कांग्रेस के दिग्गज नेता शशि थरूर ने हाल ही में आए केरल विधानसभा चुनाव के नतीजों को सांप्रदायिक सद्भाव का सबसे बड़ा उदाहरण बताया है। उनका कहना है कि केरल के लोगों ने यह साबित कर दिया है कि वे वोट देते समय धर्म या जाति नहीं, बल्कि इंसानियत देखते हैं। थरूर ने सोशल मीडिया पर उन लोगों को जवाब दिया है जो केरल की छवि को गलत तरीके से पेश करने की कोशिश करते हैं।

शशि थरूर ने चुनाव नतीजों के जरिए एक नई 'केरल स्टोरी' पेश की है, जो फिल्म में दिखाए गए दावों से बिल्कुल अलग है। थरूर ने बताया कि केरल की जनता ने नफरत फैलाने वालों को कड़ा सबक सिखाया है। थरूर ने आगे बाताया कि थवनूर एक ऐसा इलाका है, जहां मुस्लिमों की संख्या सबसे ज्यादा है, लेकिन वहां के लोगों ने वीएस जॉय नाम के ईसाई उम्मीदवार को अपना नेता चुना। कलमसेरी क्षेत्र में हिंदू आबादी ज्यादा है, मगर वहाँ के मतदाताओं ने वीई अब्दुल गफूर को भारी वोटों से जिताया। कोच्चि जहां ईसाइयों का दबदबा है, वहाँ से मोहम्मद शियास ने जीत हासिल की। इतना ही नहीं, थरूर ने बाद में स्पष्ट किया कि त्रिकारपुर जैसी मुस्लिम बहुल सीट से संदीप वारियर जैसे हिंदू नेता ने जीत दर्ज कर सद्भाव की इस कहानी को पूरा कर दिया है।

आज के दौर में जहां देश के कई हिस्सों में धर्म और पहचान के नाम पर राजनीति हो रही है, वहीं केरल एक अलग मॉडल बनकर उभरा है। थरूर का मानना है कि भले ही राष्ट्रीय स्तर पर पहचान की राजनीति का असर दिख रहा हो, लेकिन केरल के मतदाता आज भी इंसान को पहले और उसकी जाति या धर्म को बाद में देखते हैं। थरूर ने जोर देकर कहा कि केरल की यह जीत उन लोगों के लिए एक आईना है जो समाज को बांटने की कोशिश करते हैं। उनके मुताबिक, केरल का हर नागरिक पहले एक मलयाली है और फिर कुछ और।

चारधाम यात्रा में अब तक 7.72 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

देहरादून, 7 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा पिछले 19 दिन से जारी है। बड़ी संख्या में लोग श्रद्धाभाव के साथ दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। नतीजन, चारधाम में अब तक 7 लाख 72 हजार से अधिक श्रद्धालुओं में दर्शन किए हैं। जानकारी के अनुसार, चारधाम यात्रा शुरू होने के बाद से केदारनाथ में लगभग 3 लाख 45 हजार श्रद्धालु पहुंचे हैं, जबकि बद्रीनाथ धाम में 1 लाख 85 हजार के करीब श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं।

वहीं, यमुनोत्री में तकरीबन 1 लाख 16 हजार श्रद्धालु पहुंचे हैं, जबकि गंगोत्री में 1 लाख 15 हजार से अधिक श्रद्धालु आए हैं। चारधाम यात्रा के लिए अभी भी श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, लेकिन श्रद्धालुओं के लिए यात्रा चुनौतीपूर्ण भी बनी हुई है। 19 अप्रैल से शुरू हुई चारधाम यात्रा में अब तक स्वास्थ्य कारणों से 29 श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है।

आतंकवाद पर नहीं झुकेगा भारत : विदेश मंत्रालय

निर्णायक लड़ाई जारी

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर कड़ा संदेश दिया है। विदेश मंत्रालय (विदेश मंत्रालय) ने साफ शब्दों में कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि सीमा पार आतंकवाद लंबे समय से पाकिस्तान की राज्य नीति का हिस्सा रहा है। भारत ने यह भी दोहराया कि आतंकवाद के खिलाफ अपनी सुरक्षा के लिए जवाब देना उसका अधिकार है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को कहा कि पहलगाम आतंकी हमले को पूरी दुनिया ने देखा और समझा कि इसके पीछे किस तरह सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा दिया गया। उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का करारा जवाब दिया था और भविष्य में भी आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने के लिए काम जारी रहेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत अपनी सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाने का अधिकार रखता है। बयान में कहा गया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति बिल्कुल स्पष्ट है और देश किसी भी तरह की आतंकी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं करेगा। रणधीर जायसवाल ने कहा भारत आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। दुनिया अब यह समझ चुकी है कि सीमा पार आतंकवाद किस तरह क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा बन चुका है।

पहलगाम हमले का भी किया जिक्र

विदेश मंत्रालय ने पहलगाम आतंकी हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि उस घटना ने एक बार फिर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की सच्चाई दुनिया के सामने रख दी थी। भारत ने उस समय भी सख्त कार्रवाई की थी और आतंकवाद के खिलाफ अपने रुख को स्पष्ट किया था।

सिंधु जल संधि पर भारत का स्पष्ट रुख :

सिंधु जल संधि को लेकर भी भारत ने अपना रुख दोहराया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह संधि फिलहाल पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद को समर्थन दिए जाने के कारण स्थगित स्थिति में है। भारत ने साफ किया कि जब तक पाकिस्तान आतंकवाद के समर्थन से पूरी तरह और स्थायी रूप से पीछे नहीं हटता, तब तक इस मुद्दे पर स्थिति अपरिवर्तित रहेगी।

बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ पर भारत का सख्त रुख :

बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान की हालिया टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस तरह के बयान पिछले कुछ दिनों से लगातार सामने आ रहे हैं। भारत ने स्पष्ट किया कि इन टिप्पणियों को भारत में मौजूद अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की वापसी के मुद्दे के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत की ओर से भेजे गए 2,860 से अधिक नागरिकता सत्यापन मामले अभी भी बांग्लादेश के पास लंबित हैं, जिनमें कई मामले पांच साल से अधिक पुराने हैं। उन्होंने कहा कि अवैध प्रवासियों की वापसी के लिए बांग्लादेश का सहयोग बेहद जरूरी है और भारत उम्मीद करता है।

दिनदहाड़े प्रॉपर्टी डीलर की चाकू से गोदकर हत्या

हापुड़, 7 मई (एजेंसियां)। हापुड़ में कोतवाली नगर क्षेत्र के मोहल्ला अलीनगर में आज सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब गुरुवार सुबह करीब सात बजे प्रॉपर्टी डीलर की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। दिन-दहाड़े हुई इस वारदात से इलाके में दहशत का माहौल बन गया। वहीं, गंभीर हालत में घायल प्रॉपर्टी डीलर को नगर के देवनंदनी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में अफरा-तफरी मच गई। कोतवाली नगर और थाना देहात पुलिस मौके पर पहुंची, जबकि पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल का निरीक्षण कर हत्यारोपितों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार, नगर के मोहल्ला अलीनगर राशिद दिल्ली में प्रॉपर्टी डीलिंग का कार्य करता था।

सुबह करीब सात बजे वह दूध लेकर अपने घर वापस लौट रहा था। घर के पास ही उसका मोहल्ले में कुछ लोगों से उसका विवाद हो गया। पहले दोनों पक्षों में कहासुनी हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि पांच लोगों ने राशिद को घेर लिया।

अखिलेश की चाल पर भारी पड़ेगा बीजेपी का बिग प्लान

योगी कैबिनेट में वेस्ट यूपी को मिलेगी खास तवज्जो; सझमें पूरा गणित

नोएडा, 7 मई (एजेंसियां)। विधान सभा चुनाव से पहले भाजपा संगठन और योगी आदित्यनाथ सरकार में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की की हिस्सेदारी बढ़ सकती है। बंगाल की सफलता से उत्साहित भाजपा का पूरा फोकस अब उत्तर प्रदेश हो गया है। संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी 15 मई के आसपास अपनी कार्यकारिणी के साथ छह क्षेत्रीय अध्यक्षों के नामों की घोषणा कर सकते हैं। इनमें पश्चिमी उप्र का क्षेत्रीय अध्यक्ष भी होगा। इससे पहले 10 या 11 मई को योगी सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है। इसमें पश्चिमी उप्र की हिस्सेदारी और मजबूत होने की चर्चा है।

सूत्रों की मानें तो जातीय समीकरणों को ध्यान में रखकर तीन से चार मंत्री पश्चिमी क्षेत्र से बनाए जा सकते हैं। इसमें एक गुर्जर और एक जाट बिरादरी से तय माना जा रहा है। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का मंत्रिमंडल में शामिल होने की चर्चा सबसे अधिक है। गुर्जर बिरादरी से योगी सरकार के पहले कार्यकाल में परिवहन राज्यमंत्री रहे (स्वतंत्र प्रभार) अशोक कटारिया दौड़ में सबसे आगे हैं।

संगठन में मजबूत पकड़ रखने के साथ वह जनता में भी लोकप्रिय हैं। सूत्रों का यह भी दावा है कि इस बार क्षेत्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी गुर्जर नेता को दी जा सकती है। अशोक कटारिया के नाम की चर्चा क्षेत्रीय अध्यक्ष को लेकर भी चल रही है। ऐसे में दादरी विधायक तेजपाल नागर भी मंत्री पद पर बाजी मार सकते हैं। विधान परिषद सदस्य नरेंद्र भाटी भी गुर्जरों के कद्दावर नेता है। वह तीन बार विधायक, दो बार ब्लाक प्रमुख रह चुके हैं। गौतमबुद्ध नगर-बुलंदशहर निकाय से वह निर्विरोध विधान परिषद सदस्य चुने गए थे।

पश्चिमी उप्र की राजनीति में उनकी भी मजबूत पकड़ है। भाजपा का एक ग्रुप उनके नाम की भी पैरवी कर रहा है। नोएडा विधायक पंकज सिंह भी मंत्री पद की रेस में हैं। उनका नाम पहले भी मंत्रिमंडल की दौड़ में शामिल था, लेकिन अंतिम समय पर उनकी जगह किसी दूसरे को जिम्मेदारी दे दी गई। इस बार भी वह दौड़ में शामिल है। दरअसल, सपा मुखिया पश्चिमी उप्र में अपनी पैठ मजबूत करने में जुटे है। पीडीए पर उनका फोकस है।

भाजपा ने सपा की काट के लिए पश्चिमी उप्र से मंत्रिमंडल और संगठन में हिस्सेसारी बढ़ाने का निर्णय किया है। सूत्रों की मानें तो पश्चिमी उप्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष पद पर जाट और गुर्जरों में द्वंद्व चल रहा है। पश्चिमी उप्र में जाट और गुर्जर लगभग बराबर है और कई सीटों पर निर्णायक स्थिति में हैं। भाजपा दोनों को ही साधे रखना चाहती है। सपा भी इन पर डोरे डाल रही है, इसलिए योगी सरकार के साथ संगठन में भी दोनों बिरादरी के नेताओं को इस बार खास तवज्जों मिल सकती है।

सड़क हादसे में डॉक्टर की मौत

सोनभद्र, 7 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में मेडिकल कॉलेज में तैनात डॉक्टर की जान चली गई। ये हादसा बुधवार शाम रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र में हुआ, जब डॉक्टर अनुभव मिश्र मोटरसाइकिल से लौट रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। ये टक्कर इतनी जोरदार थी कि वो उछलकर दूर जा गिरे। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

खबर के मुताबिक रॉबर्ट्सगंज क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज में तैनात डॉ। अनुभव मिश्र बुधवार की शाम करीब 6 बजकर 45 मिनट पर जिला अस्पताल लोढ़ी से रॉबर्ट्सगंज की ओर जा रहे थे। इसी दौरान लाइफ केयर हॉस्पिटल लोढ़ी के सामने किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

आप सांसद संजय सिंह पर दर्ज केस की फाइनल रिपोर्ट को कमरौली एसओ ने दी चुनौती

22 मई को होगी सुनवाई

सुलतानपुर, 7 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह व नगरपालिका अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रहे डॉ। संदीप शुक्ल के खिलाफ दर्ज आचार संहिता उल्लंघन केस में पुलिस की फाइनल रिपोर्ट को वादी मुकदमा अमेठी के कमरौली एसओ मुकेश पटेल ने कोर्ट में चुनौती दी है।

एसओ ने प्रोटेस्ट अर्जी दाखिल पर पुलिस की फाइनल रिपोर्ट को रद्द करने की मांग की है। एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने मामले में अगली सुनवाई के लिए 22 मई की तिथि तय की है। सात मई 2023 को कोतवाली नगर के दारोगा मुकेश कुमार ने आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह व नगर पालिका अध्यक्ष पद के प्रत्याशी डॉ। संदीप शुक्ल के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि नगर पालिका चुनाव के दौरान रोड शो व नुक्कड़ सभा में 20-25 नाबालिग बच्चों को लेकर चुनाव प्रचार किया गया था। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ था।

मामले की विवेचना करने वाले दारोगा दीपेंद्र विक्रम सिंह को सांसद संजय सिंह व डॉ। संदीप शुक्ल के खिलाफ साक्ष्य नहीं मिल पाए थे। विवेचक ने उन्हें क्लीनचिट देते हुए दो जुलाई 2023 को फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी। बिजली कटौती के विरोध में दो सितंबर 2008 को शहर के ख्वाजा कांप्लेक्स के सामने सड़क जामकर प्रदर्शन करने के मामले में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह व पूर्व सपा विधायक अनूप संडा समेत अन्य सपाइयों के खिलाफ दर्ज।

1 करोड़ की चोरी, गहने और कैश लेकर फरार हुए चोर

लखनऊ, 7 मई (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ के पॉश इलाके गोमतीनगर में हुई करोड़ों की चोरी ने सुरक्षा व्यवस्था और लोगों की सतर्कता दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विभूतिखंड क्षेत्र के विराज खंड-1 में बंद पड़े एक मकान को निशाना बनाते हुए चोर करीब एक करोड़ रुपये के सोने-चांदी के गहने, नकदी और दुर्लभ पुराने नोटों-सिक्कों का कलेक्शन लेकर फरार हो गए। वारदात की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि चोर सीधे उन्हीं कमरों तक पहुंचे, जहां कीमती सामान रखा गया था।

इससे पुलिस को शक है कि घटना में किसी करीबी या घर की पूरी जानकारी रखने वाले व्यक्ति का हाथ हो सकता है। मामले की जांच में स्थानीय पुलिस के साथ एसटीएफ, क्राइम ब्रांच और फॉरेंसिक टीम भी जुट गई है। विराज खंड-1 निवासी ओमप्रकाश मिश्रा अभियोजन विभाग से रिटायर्ड एडिशनल डायरेक्टर हैं। उनके दोनों बेटे उत्तराखंड में रहते हैं। परिवार सुबह मकान में ताला लगाकर उत्तराखंड गया था। तड़के करीब 3:30 बजे जब ओमप्रकाश मिश्रा अपनी पत्नी मिथलेश, बेटे मृत्युंजय और बहू के साथ घर लौटे तो मुख्य गेट बाहर से बंद मिला।

पवन सिंह की पत्नी ने तलाक के बदले मांगे 10 करोड़

बोलीं- ना शादी करूंगी ना करने दूंगी

भोजपुरी, 7 मई (एजेंसियां)। सिनेमा के पॉपुलर एक्टर पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह के बीच चल रहा विवाद अब तलाक तक पहुंच गया है। ज्योति सिंह ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने पवन सिंह से 10 करोड़ रुपये एलिमनी मांगी है। ज्योति ने सूर्या भाई नाम के यूट्यूब चैनल पर इस बातचीत में अपने दिल की बात शेयर की। ज्योति सिंह ने इंटरव्यू में कहा कि उन्होंने शुरू में पवन सिंह से 3 करोड़ रुपये की मांग की थी। लेकिन पवन इस रकम पर राजी नहीं हुए और उन्होंने सिर्फ 50 लाख रुपये देने की बात कही।

ज्योति ने पूछा कि 50 लाख रुपये में आजकल दो कमरों का घर भी नहीं मिलता। उन्होंने यह भी कहा कि पवन सिंह को 3 करोड़ देने में ही 8 साल लग गए, इसलिए कोर्ट में उन्होंने 10 करोड़ की मांग रखी। ज्योति सिंह ने कहा, "लोग देख रहे हैं कि मैंने 10 करोड़ मांगे हैं, लेकिन मेरी सोच यह है कि अगर 3 करोड़ देने में 8 साल लग गए तो 10 करोड़ का केस 15 साल तक तो चलेगा। न मैं दोबारा शादी करना चाहती हूं और न ही उन्हें करने दूंगी।" ज्योति ने आगे बताया कि शादी के नाम से अब उन्हें डर लगने लगा है। उन्होंने कहा, "जो ट्रॉमा मैंने झेला है, उसकी वजह से मेरे अंदर शादी का डर बैठ गया है। अगर मुझे नई जिंदगी शुरू करनी होती तो मैं बहुत पहले कह देती कि आप अपना रास्ता, मैं अपना रास्ता।"

उन्होंने पवन सिंह पर आरोप लगाते हुए कहा कि जब उन्हें साथ नहीं रहना था तो शुरू में ही अलग हो जाते। उन्होंने उनके 8 साल बर्बाद कर दिए। ज्योति ने यह भी बताया कि तलाक के कागजात पर साइन करने को पवन तैयार हैं, लेकिन उन्होंने खुद ही इसे रोका हुआ है। पवन सिंह की पहली पत्नी प्रिया कुमारी सिंह थीं। उनकी शादी 2014 में हुई थी, लेकिन 2015 में प्रिया का निधन हो गया। इसके तीन साल बाद पवन सिंह ने ज्योति सिंह से दूसरी शादी की। दोनों की शादी ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकी और अब दोनों के बीच तलाक की प्रोसेस चल रही है।

सवाल उठाकर हार छिपा रही है सपा, पंकज चौधरी बोले- अखिलेश के आरोप बेबुनियाद

लखनऊ, 7 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा लगाए गए आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होंने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार, भ्रामक और राजनीतिक हताशा का परिणाम बताया। पंकज चौधरी ने कहा कि बार-बार चुनावी पराजय के बाद समाजवादी पार्टी अब लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर ही सवाल खड़े करके अपनी विफलताओं को छिपाने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र दुनिया का सबसे मजबूत और पारदर्शी लोकतंत्र है, जिस पर देश और विदेश दोनों भरोसा करते हैं। चुनाव आयोग, केंद्रीय बलों और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश है। प्रदेश अध्यक्ष ने 2022 के विधानसभा चुनावों को लेकर अखिलेश यादव के आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद करार दिया। उन्होंने कहा कि अगर सपा प्रमुख के पास कोई ठोस सबूत होते तो वे कोर्ट या चुनाव आयोग के समक्ष रखते। बार-बार एक ही झूठ को दोहराना उनकी पुरानी आदत बन चुकी है।

नहर में गिरी यात्रियों से भरी बस, मची चीख-पुकार

कानपुर, 7 मई (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर में अनियंत्रित बस रेलिंग तोड़ नहर में गिर गई है। बस में 19 लोग सवार थे, जिन्हें रेस्क्यू कर सीएचसी भेजा गया है। बस में सवार रहे सभी घायल लोग खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। दरअसल, डंपर की टक्कर से अनियंत्रित होकर बस, नहर में जा गिरी। डंपर की टक्कर के बाद बस चालक कूदकर भाग निकला और बस नहर में गिर गई। बाद में स्थानीय लोगों की मदद से यात्रियों को रेस्क्यू किया गया। बता दें कि ये बस, ट्राइडेंट कंपनी के कर्मचारियों को लेकर कुढ़नी से रनियां जा रही थी। बस में सवार क्लीनर समेत सभी 19 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है।

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और गोताखोर मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों की मदद से शीशे तोड़कर यात्रियों को बाहर निकाला गया। इस घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ लग गई। गनीमत रही कि अभी तक किसी की जान जाने की खबर नहीं आई है। गौरतलब है कि ये हादसा इतना भयानक था कि बस ने पहले डंपर से टक्कर के बाद सड़क किनारे लगी रेलिंग को तोड़ा और फिर सीधे नहर में समा गई।

'चाचा जी को निर्जीव ही बना दिया'

सम्राट कैबिनेट के विस्तार पर रोहिणी आचार्य ने शेयर किया कार्टून

पटना, 7 मई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने पूर्व सीएम नीतीश कुमार पर तंज कसा है। अपने एक्स हैंडल पर एक कार्टून के जरिए रोहिणी आचार्य ने शपथ ग्रहण को नीतीश कुमार का राजनीतिक अवसान का अंतिम अनुष्ठान बताया। साथ ही परिवारवाद पर करार जबाब देते हुए खुद के पुत्र को लॉंच करने पर आलोचना की। एक कार्टून पोस्ट के साथ रोहिणी आचार्य ने लिखा- आज गाँधी मैदान में होने जा रहा चाचा जी के राजनीतिक अवसान का अंतिम अनुष्ठान।

"आज पटना के गांधी मैदान में हमारे चाचा नीतीश कुमार जी के राजनीतिक अवसान के उपरांत होने वाले कर्मकांड - क्रिया - कर्म का अंतिम अनुष्ठान नए मंत्रिमंडल के विस्तार के लिए किए जा रहे शपथ ग्रहण समारोह के रूप में संपन्न होने जा रहा है, बड़े जलसे की तैयारी है , इसमें दिल्ली से तमाम 'वैसे लोग' भी शिरकत करने आ रहे हैं, जिन्होंने चाचा जी को जबरन राजनीतिक तौर पर निर्जीव ही बना दिया।

दुःख की बात है कि अपने ही राजनीतिक अवसान की पूर्णाहूति में शामिल होना बेचारे चाचा जी की मजबूरी है और इससे भी ज्यादा दुखद बात जो सुनने में आ रही है वो ये है कि परिवारवाद पर दिए गए अपने ही अनर्गल प्रवचनों को भूल कर चाचा जी अपने लाडले को भी अपनी राजनीतिक पूर्णाहूति के इस अनुष्ठान के माध्यम से 'यजमान' के रूप में शपथ दिलाने जा रहे हैं।

पुलिस एनकाउंटर में ढेर हुए दो बदमाश

मथुरा, 7 मई (एजेंसियां)। मथुरा के सुरीर थाना क्षेत्र के टैंटीगांव में बीती 23 अप्रैल की रात एक बड़े डकैती कांड को अंजाम देने वाले दो शातिर बदमाश पुलिस मुठभेड़ में मारे गए हैं। यह मुठभेड़ बृहस्पतिवार सुबह हुई, जिसमें दोनों आरोपी पुलिस की गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मारे गए बदमाशों की पहचान राजस्थान के भरतपुर निवासी धर्मवीर उर्फ लंबू और अलवर निवासी राजेंद्र उर्फ पप्पू के रूप में हुई है। दोनों कुख्यात बावरिया गिरोह के सदस्य बताए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ये नकाबपोश बदमाश 23 अप्रैल की रात टैंटीगांव में व्यवसायी अजय अग्रवाल के घर में घुस गए थे। उन्होंने घर में मौजूद लोगों को धमकाकर करीब 30 लाख रुपये की नकदी और जेवरात लूट लिए थे। इस घटना के बाद से ही पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी थी। मुखबिरों से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने बृहस्पतिवार सुबह इन दोनों वांछित अपराधियों को घेर लिया। पुलिस के अनुसार, बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की।

'बीजेपी करवा रही प्रताड़ना, बेहद अफसोस की बात', पूड़ी खिलाने वाली अंजलि के मामले पर बोले अखिलेश यादव

लखनऊ, 7 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आंबेडकर जयंती (14 अप्रैल) के दिन अंजलि मैसी द्वारा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को पूड़ी खिलाना अब राजनीतिक तूल पकड़ चुका है। उसके पिता को सुपरवाइजर से वापस डिमोशन करने पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि कहा कि बहुत अफसोस की बात है कि किसी कार्यक्रम में कोई जाता है, मेरा इनसे कोई वैसा परिचय नहीं था, ये सब बीजेपी के लोग करवा रहे हैं। अखिलेश यादव ने उस दिन के घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि हम उस दिन गुरुद्वारे में गए थे मत्था टेकने, वहां ये मिलीं और हमसे भंडारा खाने को कहा। उन्होंने अंजलि को आश्वस्त करते हुए कहा कि मैं अधिकारियों से बात कर लूंगा। अखिलेश यादव ने यह बयान लखनऊ में पत्रकारों के सवालों के जबाब में दिया। यहां बता दें कि 14 अप्रैल को आंबेडकर जयंती के दिन सपा प्रमुख अंजलि के भंडारे में शामिल हुए थे और खाना खाया था। यह वीडियो काफी वायरल हुआ था। अब उनके पिता के साथ हुई घटना पर उन्होंने अफ़सोस जताया। बोले, इनके साथ अपमान की बात कर रहे हैं लोग। यही नहीं उन्होंने इस संबंध में नगर आयुक्त से बात कर पूरी मदद करने का आश्वासन दिया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है और एक पोस्ट भी किया है।

उन्होंने लिखा, पीडीए समाज की एक महिला के पिता को, पुरुषवादी भाजपा सरकार सिर्फ़ इसलिए प्रताड़ित कर रही है क्योंकि हमने 'बाबासाहेब जी की जयंती' पर अपनी उस छोटी बहन के यहाँ पूड़ी खा ली थी। इतनी निकृष्ट राजनीति तो उन अंग्रेजों ने भी नहीं की थी, जिनके लिए भाजपा के वज़ीफ़ाजीवी वैचारिक पूर्वज संगी-साथी मुख़बिरी करते थे। इससे पहले भी हमारे चाय पीने की वजह से एक आत्मनिर्भर पीडीए चायवाले युवा को भाजपा सरकार ने प्रताड़ित किया था। भाजपा पीडीए विरोधी है, और हमेशा रहेगी। घोर निंदनीय!

छात्रा के बुर्का पहनने पर हुई थी एफआईआर

कोर्ट से मिली जमानत, जज बोले- कोई ठोस सबूत नहीं

मुरादाबाद, 7 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद के बिलारी थाना इलाके में नाबालिग छात्रा के धर्म परिवर्तन और 'ब्रेनवॉश' के चर्चित मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आरोपी युवती को बड़ी राहत दी है। न्यायमूर्ति ने आरोपी छात्रा फातिमा की अग्रिम जमानत अर्जी को स्वीकार करते हुए उसे गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान की है। गौरतलब है कि आरोपी फातिमा पर उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3 और 5(1) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि पीड़िता के बयानों के अतिरिक्त रिकॉर्ड पर ऐसा कोई ठोस साक्ष्य मौजूद नहीं है, जिससे प्रथम दृष्टया आरोपी की इस अपराध में संलिप्तता पूरी तरह स्थापित हो सके। न्यायालय ने इस तथ्य को भी संज्ञान में लिया कि आरोपी के फरार होने की संभावना बेहद कम है और उसने जांच व ट्रायल में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। बिलारी का मामला तब तूल पकड़ गया था, जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक नाबालिग छात्रा को बुर्का पहनते हुए देखा गया था।

इसके बाद हिंदू संगठनों और स्थानीय लोगों के विरोध के बीच पीड़िता के भाई की तहरीर पर पुलिस ने धर्मांतरण की धाराओं में केस दर्ज किया था।

अब उच्च न्यायालय द्वारा साक्ष्यों के अभाव और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को ध्यान में रखते हुए आरोपी को राहत दी गई है। मुरादाबाद जनपद के बिलारी इलाके में यह मामला एक कोचिंग इंस्टीट्यूट के बाहर से शुरू हुआ था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में कुछ छात्राएं आपस में बातचीत करती नजर आ रही थीं। आरोप था कि फातिमा ने पीड़िता को बुर्का (हिजाब) पहनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा था कि "तुम इसमें अच्छी लगोगी।" वीडियो में छात्रा को बुर्का पहनते हुए भी देखा गया, जिसके बाद स्थानीय स्तर पर काफी विवाद हुआ था।

परिजनों और कुछ स्थानीय संगठनों ने इसे योजनाबद्ध तरीके से किया गया धर्मांतरण का प्रयास बताया था। इसके बाद पीड़िता के भाई ने पुलिस को शिकायत दी थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि उसकी नाबालिग बहन का ब्रेनवॉश कर उसे इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

आसमान में विनाशक की गर्जना, 800 किमी की रफ्तार से दुश्मनों के छूटेंगे छक्के

प्रयागराज, 7 मई (एजेंसियां)। संगम नगरी में आयोजित नॉथ टेक सिंपोजियम में तकनीक और स्वदेशी ताकत का ऐसा संगम देखने को मिल रहा है, जिसने रक्षा विशेषज्ञों को भी हैरत में डाल दिया है। प्रदर्शनी में सबसे ज्यादा चर्चा उस विनाशक की हो रही है, जिसकी रफ्तार और सटीक मारक क्षमता भविष्य के युद्धों की परिभाषा बदलने का दम रखती है। नवी मुंबई की आरआरपी एस4ई इनोवेशन लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया यह ड्रोन महज एक घंटे में 800 किलोमीटर की दूरी तय कर सकता है। अपनी इसी असाधारण गति और आधुनिक सर्विलांस प्रणाली के कारण यह विनाशक ड्रोन पूरी प्रदर्शनी में आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्रदर्शनी में मौजूद कंपनी के विनय सिंह ने इस तकनीक की बारीकियों को साझा करते हुए बताया कि विनाशक को गहन शोध और भारतीय सेना की भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है।

यह ड्रोन न केवल लंबी दूरी तय करने में सक्षम है, बल्कि दुर्गम इलाकों में छिपे दुश्मनों की टोह लेने और उनकी गतिविधियों पर पैनी नजर रखने में भी बेजोड़ है। उन्होंने संकेत दिए कि वह दिन अब दूर नहीं है जब यह स्वदेशी ड्रोन भारतीय सेना के बेड़े का औपचारिक हिस्सा बनेगा।

पीएम और आरएसएस के खिलाफ पोस्ट पर दर्ज केस रद करने से एचसी का इनकार

कहा- सोशल मीडिया पर बोलने की आजादी के साथ ही आती है जिम्मेदारी

प्रयागराज, 7 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ फेसबुक पर 'राष्ट्र-विरोधी' और अपमानजनक पोस्ट शेयर करने के आरोपित जुबैर अंसारी व इजहार आलम के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद करने से इन्कार कर दिया है। न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की एकलपीठ ने यह आदेश दिया है। अर्जी भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 528 के तहत दाखिल की गई थी। आरोपितों ने पूरी आपराधिक कार्यवाही, चार्जशीट और पिछले साल नवंबर में सोनभद्र की सिविल जज (जूनियर डिवीजन) कोर्ट नंबर तीन के आदेश को रद करने की मांग की थी। प्रकरण अनपरा थाने में दर्ज है। एफआइआर के मुताबिक आरोपितों ने कथित तौर पर पाकिस्तानी यूट्यूबर के फेसबुक अकाउंट से आपत्तिजनक और राष्ट्र-विरोधी पोस्ट शेयर किए थे। कई पोस्ट प्रधानमंत्री तथा आरएसएस के खिलाफ हैं। प्राथमिकी अशांति फैलाने, सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और आपराधिक धमकी देने से संबंधित बीएनएस की धाराओं में दर्ज की गई है। आवेदकों के वकील ने दलील दी कि आरोप अस्पष्ट हैं और सिर्फ फेसबुक पोस्ट पर आधारित हैं। मजिस्ट्रेट ने बिना सोचे-समझे यांत्रिक तरीके से संज्ञान लिया।

अभियोजन ने कहा कि विवादित सवाल पर ट्रायल के दौरान साक्ष्य देखकर ही फैसला हो सकता है। पीठ ने कहा कि इंटरनेट मीडिया पर बोलने की आजादी के साथ जिम्मेदारी भी आती है। यह ऐसे कंटेंट तक नहीं बढ़ सकती जो समुदायों के बीच नफरत या अशांति भड़काने के लिए हो। बीएनएस की धारा 196(1)(ए) का दायरा समझाते हुए कोर्ट ने कहा कि यह प्रविधान तब लागू होता है जब कोई पोस्ट जानबूझकर धर्म, जाति, भाषा, नस्ल या समुदाय के आधार पर समूहों के बीच दुश्मनी, नफरत या दुर्भावना को बढ़ावा दे। इस प्रविधान के लिए अशांति पैदा करने का साफ और जानबूझकर इरादा जरूरी है।

नाव हादसे पर सीएम योगी ने दिए सख्त जांच के आदेश, बोले- लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी

लखनऊ, 7 मई (एजेंसियां)। हमीरपुर जिले के कुरारा क्षेत्र में नाव पलटने की घटना को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने स्पष्ट कहा है कि हादसे में लापता लोगों की जल्द से जल्द तलाश की जाए और इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही जिला प्रशासन को हादसे के कारणों की गहन जांच करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने के निर्देश भी दिए हैं। करीब साढ़े आठ बजे कुरारा थाने के कुतुपुर पटिया गांव में मासूम बच्चों और ग्रामीणों से भरी नाव यमुना नदी में पलट गई थी।

नाव में कुल नौ लोग सवार थे। जिसमे तीन लोग सुरक्षित निकाल लिए गए थे वहीं पांच मासूम बच्चों समेत छह लोग अभी भी लापता हैं। देर रात बांदा से आए डीआईजी राजेश एस भी घटना स्थल पहुंचे और वहां का निरीक्षण कर सबंधित टीम और अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए है। घटना के करीब दस घंटे बीतने को हैं लेकिन अभी तक लापता लोगों की तलाश नहीं हुई है। यमुना में एसडीआरएफ की टीम लगी हुई है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 8 मई, 2026 5

विचार

किसी भी व्यक्ति के पास श्रेष्ठ सोच का होना अति आवश्यक है। जो कुछ समय पश्चात एक विशाल वृक्ष का रूप लेने वाला है।

समयबद्ध कार्य करें अधिकारी : उत्तम कुमार

सिंचाई मंत्री ने डिंडी लिफ्ट सिंचाई योजना को जल्द पूरा करने के निर्देश

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने डिंडी लिफ्ट सिंचाई योजना के कार्यों को तेजी से पूरा करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

उन्होंने योजना के ऑफटेक प्वाइंट के स्तर निर्धारण की प्रक्रिया तुरंत पूरी करने को कहा, ताकि परियोजना के कार्यों में तेजी लाई जा सके। गुरुवार को विधान परिषद अध्यक्ष गुथा सुखेंदर रेड्डी के साथ परियोजना की प्रगति पर विस्तृत चर्चा के बाद मंत्री ने सिंचाई सचिव ई. श्रीधर और ईएनसी (जनरल) रमेश बाबू को निर्देश दिए कि पालमूरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना के येदुला जलाशय से डिंडी योजना की एप्रोच चैनल तक पानी लाने के लिए आवश्यक स्तर तत्काल तय किया जाए।

मंत्री ने पोथिरेड्डीपल्ली गांव में प्रस्तावित बैराज के कार्यों को भी शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 15 मई तक वित्तीय स्वीकृति प्राप्त कर कार्य आरंभ किया जाए। उत्तम कुमार रेड्डी ने एएमआरपी एसएलबीसी मुख्य नहर की जल वहन क्षमता 2,400 क्यूसेक से बढ़ाकर 4,000 क्यूसेक करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सीमेंट कंक्रीट लाइनिंग कार्य शुरू करने से पहले नहर का विस्तार प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। परियोजना पूर्ण होने के बाद इसकी क्षमता 6,000 क्यूसेक तक बढ़ाने की आवश्यकता पड़ सकती है।

उन्होंने बताया कि सरकार ने एसएलबीसी हाई लेवल कैनाल की सीमेंट कंक्रीट लाइनिंग के लिए 443 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। मंत्री ने कहा कि डिंडी लिफ्ट सिंचाई योजना से सात विधानसभा क्षेत्रों के 228 फ्लोराइड प्रभावित गांवों को लाभ मिलेगा तथा 3.61 लाख एकड़ भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। योजना के तहत चार ऑनलाइन और पांच ऑफलाइन जलाशय बनाए जाएंगे, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 25.31 टीएमसी होगी। परियोजना के हेडवर्क्स को चार पैकेजों में विभाजित किया गया है, जिसमें पोथिरेड्डीपल्ली बैराज और 16 किलोमीटर लंबी सुरंग शामिल है।

उन्होंने बताया कि डिंडी बैलेंसिंग जलाशय का लगभग 95 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। हालांकि, कुछ हिस्सों में डूब क्षेत्र, पुनर्वास और वन भूमि संबंधी समस्याओं के कारण कार्य लंबित है। यह समस्या नलगोंडा और नागरकर्नूल जिलों के तीन गांवों से जुड़ी हुई है।

मंत्री ने कहा कि वन विभाग से प्रथम चरण की मंजूरी एक महीने के भीतर मिलने की संभावना है। उन्होंने अधिकारियों को डिंडी बैलेंसिंग जलाशय के गेट लगाने के लिए तुरंत टेंडर जारी करने के निर्देश दिए। उत्तम कुमार रेड्डी ने पेंडलिपाका बैलेंसिंग जलाशय के संशोधित अनुमान की प्रगति की भी समीक्षा की और इसे उच्च स्तरीय समिति तथा अगली कैबिनेट बैठक में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

गडकरी ने की तेलंगाना की परिवहन सुधार और सड़क सुरक्षा पहल की सराहना

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने तेलंगाना सरकार द्वारा परिवहन सुधार, सड़क सुरक्षा और जनकल्याण के क्षेत्र में उठाए गए कदमों की सराहना की है। गडकरी ने तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर को लिखे पत्र में राज्य सरकार की कई महत्वपूर्ण पहलों की प्रशंसा की। इनमें परिवहन चेक पोस्ट समाप्त करना, वाहन और सारथी प्लेटफॉर्म का एकीकरण, स्वचालित ड्राइविंग परीक्षण ट्रैक की स्थापना तथा सड़क सुरक्षा ऑडिट लागू करना शामिल है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तेलंगाना सरकार द्वारा किए गए सुधार केंद्र सरकार की डिजिटल शासन, सुगम परिवहन व्यवस्था और बेहतर सड़क सुरक्षा की सोच के अनुरूप हैं। उन्होंने सड़क सुरक्षा माह के दौरान जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने और टिकाऊ परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों की भी सराहना की।

हर गरीब परिवार को मिलेगा अपना घर : पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी

राजस्व सुधारों के साथ तेलंगाना में नए युग की शुरुआत

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रत्येक गरीब परिवार को अपना घर उपलब्ध कराना तथा भूमि मालिकों को उनकी जमीन पर स्पष्ट अधिकार सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार गरीबों के जीवन में स्थायी बदलाव लाने के उद्देश्य से कार्य कर रही है। गुरुवार को हाउसिंग कॉरपोरेशन मुख्यालय में संयुक्त नलगोंडा और महबूबनगर जिलों के जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ आवास और राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में मंत्री ने कहा कि घर और जमीन हर परिवार के आत्मसम्मान का प्रतीक हैं तथा गरीबों को सुरक्षित भविष्य देना सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि इंदिरम्मा इल्ल योजना के तहत गरीब परिवारों को उनके स्वयं के भूखंडों पर मकान निर्माण के लिए प्रति घर पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। अब तक लगभग चार लाख घर स्वीकृत किए जा चुके हैं और राज्यभर में गृह क्रांति की शुरूआत हो चुकी है। बैठक में गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, अड्लूरी लक्ष्मण कुमार, उत्तम कुमार रेड्डी, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, जूपल्ली कृष्णा राव सहित कई जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें ताकि समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि इंदिरम्मा इल्ल योजना के क्रियान्वयन में जिला कलेक्टरों को व्यापक अधिकार दिए गए हैं और लाभार्थियों को समय पर सभी किश्तों का भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने चेतावनी दी कि योजना में किसी भी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा केवल पात्र लोगों को ही लाभ मिलना चाहिए। मंत्री ने यह भी कहा कि पूर्व में इंदिरम्मा आवास योजना के लिए अधिग्रहित लेकिन उपयोग में न लाई गई भूमि पर पात्र लोगों को मकान पट्टे देने की कार्रवाई की जाएगी। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि जिन लाभार्थियों को पहले आवास स्वीकृत हुआ था लेकिन विभिन्न कारणों से निर्माण पूरा नहीं हो सका, उन्हें भी राहत देने पर सरकार विचार कर रही है। उन्होंने आवास विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने और लाभार्थियों तथा उच्च अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त तहसीलदारों की होगी नियुक्ति मंत्री ने कहा कि राज्यभर में राजस्व और पंजीकरण कार्यालयों के लिए नए भवन बनाए जाएंगे तथा इन्हें आम जनता के लिए सुलभ स्थानों पर स्थापित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक लाख से अधिक आबादी वाले मंडलों में आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त तहसीलदार नियुक्त किए जाएंगे और इसके लिए जिला कलेक्टरों से प्रस्ताव मांगे गए हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्व और वन विभागों के बीच लंबित भूमि विवादों के स्थायी समाधान के लिए संयुक्त सर्वेक्षण कराया जाएगा। राज्य सरकार भूमि प्रशासन को मजबूत करने के लिए सर्वे, सेटलमेंट और भूमि अभिलेख विभाग के माध्यम से व्यापक सुधार लागू कर रही है। मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य भूमि अभिलेखों में पारदर्शिता और सटीकता लाना तथा भूमि विवादों का स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है, ताकि गरीबों को न्याय मिल सके।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक कार्यालय में की तोड़फोड़

करीमनगर, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय के खिलाफ बीआरएस विधायक पाडी कौशिक रेड्डी की कथित अपमानजनक टिप्पणियों के विरोध में गुरुवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने करीमनगर विधायक गंगुला कमलाकर के कार्यालय पर हमला कर दिया। इस घटना के बाद शहर में तनाव का माहौल बन गया। पत्थर और लाठियों से लैस भाजपा कार्यकर्ताओं ने विधायक कार्यालय में घुसकर तोड़फोड़ की और परिसर में खड़ी पाडी कौशिक रेड्डी की कार को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के समय कौशिक रेड्डी कार्यालय के अंदर मौजूद थे।

इससे पहले कैंप कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कौशिक रेड्डी ने बंडी संजय के बालों के रंग और उनकी संपत्ति को लेकर टिप्पणी की थी, जिसे भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपमानजनक बताया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री के उस बयान पर भी सवाल उठाया, जिसमें संजय ने चुनाव खर्च के लिए पत्नी के गहने बेचने की बात कही थी। साथ ही उन्होंने पूछा कि इतनी संपत्ति कैसे जुटाई गई। कौशिक रेड्डी ने कहा कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के खिलाफ किसी भी तरह की टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पीवीएनआर एक्सप्रेसवे पर कार पलटी, दो लोग घायल

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पीवीएनआर एक्सप्रेसवे पर गुरुवार दोपहर एक कार के पलट जाने से दो लोग घायल हो गए। हादसे के बाद कुछ समय तक एक्सप्रेसवे पर यातायात प्रभावित रहा।

जानकारी के अनुसार, पांच लोगों को लेकर जा रही कार आरजीआई एयरपोर्ट से मेहदीपटनम की ओर जा रही थी। पिलर नंबर 161 के पास पहुंचते ही चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई और सड़क की दूसरी ओर जा गिरी। घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला और घायलों की मदद की। हादसे में दो लोगों को चोटें आई हैं। दुर्घटना के कारण पीवीएनआर एक्सप्रेसवे पर कुछ समय के लिए भारी यातायात जाम लग गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने राजेंद्रनगर की ओर से आने वाले वाहनों को डायवर्ट किया। बाद में यातायात सामान्य कर दिया गया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, JC 773877W, Sub, Ashok Chalawadi, R/o, Dist: Vijayapura, Karnataka, changed my Mother's name from Sangawwa Chalwadi to Sangavva Chalawadi, vide Affidavit No. 466621 dt. 06.05.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 772802M, Sub, Rajkumar N, R/o, Dist : Virudhunagar, Tamil Nadu, changed my Mother's name from Rakkammal to Rakkammal N vide Affidavit No. 466623 dt. 06.05.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 772802M, Sub, Rajkumar N, R/o, Dist: Virudhunagar, Tamil Nadu, changed my Father's name from MP Narayanan to Narayanan P , vide Affidavit No. 466625 dt. 06.05.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

भद्राचलम में रिश्वत लेते दो वन अधिकारी एसीबी के हत्थे चढ़े

कोत्तागुडेम, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को भद्राचलम वन प्रभाग में कार्रवाई करते हुए दो वन अधिकारियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। एसीबी के खम्मम रेंज के डीएसपी वाई. रमेश ने बताया कि भद्राचलम वन मंडल अधिकारी (एफडीओ) शांतापुरी सुजाता और तेगाड़ा उप-रेंज अधिकारी (डीआरओ) भुक्या कृष्णा ने एक ठेकेदार से 10 लाख रुपये रिश्वत की मांग की थी। अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज न करने के बदले रिश्वत मांगी। ठेकेदार पर वर्ष 2024-25 में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के विकास कार्यों के तहत पुसुगुप्पा से छत्तीसगढ़ सीमा तक सड़क निर्माण के दौरान जंगल में पेड़ काटने का आरोप था।

डीएसपी के अनुसार, ठेकेदार द्वारा 10 लाख रुपये देने से इनकार करने के बाद अधिकारियों ने 35 लाख रुपये रिश्वत ली। शिकायत मिलने पर एसीबी टीम ने एफडीओ कार्यालय में छापा मारकर दोनों अधिकारियों को शिकायतकर्ता से रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। एसीबी ने आरोपियों के पास से अवैध नकदी बरामद कर ली है। दोनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर वारंगल में विशेष पुलिस प्रतिष्ठान (एसपीई) और एसीबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा।

भाजपा और कांग्रेस पर साजिश का आरोप

कौशिक रेड्डी ने हमले की निंदा की

करीमनगर, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर विधायक के शिविर कार्यालय पर हुए हमले की निंदा करते हुए हुजूराबाद विधायक पाडी कौशिक रेड्डी ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने मिलकर उन पर हमला करवाने की साजिश रची। हमले के बाद पत्रकारों से बातचीत में कौशिक रेड्डी ने कहा कि यह हमला सुनियोजित था। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने पहले ही पुलिस अधिकारियों को अपनी हत्या की साजिश और उनकी गतिविधियों की रेकी किए जाने की जानकारी दी थी।

विधायक ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं ने लाठियों, चाकुओं और पेट्रोल बमों के साथ उनके शिविर कार्यालय पर हमला किया। उन्होंने कहा कि यह विरोध करीमनगर में कानून व्यवस्था की खराब स्थिति और अपराधियों की गिरफ्तारी न होने को लेकर किया जा रहा था। कौशिक रेड्डी ने कहा कि उन्होंने केवल इतना कहा था कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या ऐसा कहना गलत है। उन्होंने कहा कि यदि यह साबित हो जाता है कि उनके बयान भड़काऊ थे तो वह माफी मांगने के लिए तैयार हैं। विधायक ने कहा कि जब एक जनप्रतिनिधि सुरक्षित नहीं है तो आम जनता की सुरक्षा की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस घटना से रेवंत रेड्डी और बंडी संजय कुमार के बीच राजनीतिक गठजोड़ उजागर हो गया है।

टीजी ईएपीसीईटी परीक्षा के तुरंत बाद मिलेंगे प्रारंभिक अंक

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार से शुरू होने वाली टीजी ईएपीसीईटी-2026 इंजीनियरिंग स्ट्रीम परीक्षा में शामिल होने वाले 2.10 लाख से अधिक छात्रों को इस बार परीक्षा समाप्त होते ही उनके प्रारंभिक अंक उपलब्ध कराए जाएंगे। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य छात्रों की चिंता कम करना और परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाना है। हालांकि, परीक्षा के तुरंत बाद मिलने वाले अंक प्रारंभिक उत्तर कुंजी पर आधारित होंगे। यदि विश्वविद्यालय किसी प्रश्न पर आपत्ति स्वीकार करता है, तो अंतिम परिणाम में अंक बदल सकते हैं। अंतिम रैंक अंतिम उत्तर कुंजी के आधार पर सामान्यीकृत अंकों से तय की जाएगी।

जेएनटीयू-हैदराबाद, जो टीजी ईएपीसीईटी-2026 का आयोजन कर रहा है, ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर वर्ष 2024 और 2025 के अंकों और रैंक का विश्लेषण भी उपलब्ध कराया है। इससे छात्र अपने संभावित रैंक का अनुमान लगा सकेंगे। राज्यभर में 9, 10 और 11 मई को आयोजित होने वाली इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 2,10,766 छात्रों ने पंजीकरण कराया है। परीक्षा दो सत्रों में आयोजित होगी।

IN THE COURT OF THE HON'BLE 20th JUNIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT HYDERABAD.
O.S.No. 841 of 2026

BETWEEN:
Jitender Vijaywargi and others ...Plaintiffs
And
Tahsildar/ M.R.O, Khairtabad Mandal, Hyderabad ...Defendants

To,
(2) All concern

Take notice that the above plaintiffs filed legal heir suit to declare the plaintiffs as legal heir of Late Preeti Vijaywargi and if any person or having any objections, you are hereby directed to appear before the Hon'ble Court on **9-6-2026 at 10:30 A.M.** either by person or through Pleader otherwise matter will be decided in your absence. Hence this notice.

By order of Court
Sd/-Sri Shrikanth Mandhani
Advocate,
#2-2-1105/27/B/1,
TILAK NAGAR,Hyderabad.
Ph: 9959746331

शिक्षा विभाग के टेंडरों में केंद्रीकृत भ्रष्टाचार के आरोप

बीआरएस ने उठाए सवाल

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण कुमार ने गुरुवार को तेलंगाना शिक्षा विभाग की केंद्रीकृत खरीद प्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए इसे भ्रष्टाचार आधारित मॉडल बताया। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय एमएसएमई, हथकरघा श्रमिकों और छोटे व्यापारियों को भारी नुकसान हो रहा है। हैदराबाद में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान विकेंद्रीकृत खरीद प्रणाली लागू थी, जिसमें आवासीय कल्याण संस्थाएं जिला कलेक्टरों की निगरानी में अलग-अलग टेंडर जारी करती थीं। इससे स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं, पद्मशाली बुनकर परिवारों, दर्जियों और छोटे उद्योगों को अवसर मिलता था। श्रवण कुमार ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के सत्ता में आने के बाद बिना किसी परामर्श के केंद्रीकृत खरीद प्रणाली लागू कर दी गई। उन्होंने इसे केंद्रीकृत भ्रष्टाचार मॉडल बताते हुए दावा किया कि हजारों करोड़ रुपये के ठेके प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट (पीएमयू) के माध्यम से चुनिंदा कंपनियों को कमीशन के आधार पर दिए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि टेंडर की शर्तें इस तरह बनाई गई हैं कि छोटे व्यापारियों की भागीदारी ही खत्म हो जाए। उदाहरण के तौर पर यूनिफॉर्म आपूर्तिकर्ताओं के लिए 250 करोड़ रुपये वार्षिक कारोबार, नोटबुक आपूर्तिकर्ताओं के लिए 150 करोड़ रुपये कारोबार और 2 से 4 करोड़ रुपये तक की सॉल्वेंसी प्रमाणपत्र की शर्त रखी गई है। बीआरएस नेता ने आरोप लगाया कि ट्रॉली बैग, पीटी ड्रेस और कंबल जैसी वस्तुओं के विनिर्देश निविदा प्रक्रिया से पहले सार्वजनिक नहीं किए गए। उन्होंने टेंडरों में आधार मूल्य निर्धारित न किए जाने पर भी सवाल उठाए और कहा कि इससे कीमतों में हेराफेरी और भ्रष्टाचार की संभावना बढ़ गई है। श्रवण कुमार ने सरकार पर वर्ष 2024 के जीओ एमएस नंबर-1 के उल्लंघन का आरोप लगाया। इस आदेश के तहत कपड़े से संबंधित उत्पादों की खरीद तेलंगाना राज्य हथकरघा बुनकर सहकारी संस्था (टेस्को/टीजीएससीओ) के माध्यम से की जानी चाहिए, ताकि लगभग 40 हजार हथकरघा परिवारों को संरक्षण मिल सके।

उन्होंने हाईकोर्ट में चल रहे आदि वीरांजनेया हैंडलूम वीवर्स कोऑपरेटिव सोसाइटी मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि अदालत ने सहकारी समितियों को संवैधानिक संरक्षण प्राप्त होने की बात कही थी और टेस्को के माध्यम से खरीद सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद सरकार केंद्रीकृत खरीद प्रक्रिया जारी रखे हुए है और यह दावा कर रही है कि टेस्को के पास पर्याप्त आपूर्ति क्षमता नहीं है।

बीआरएस एमएलसी ने सवाल उठाया कि जिन कंपनियों को ब्लैकलिस्ट किया जाना चाहिए था, उन्हें करीब 1,200 करोड़ रुपये के ठेके कैसे दिए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया बीसी, एससी, एसटी और अल्पसंख्यक छात्रों तथा हथकरघा श्रमिकों के हितों के खिलाफ लूट आधारित शासन का उदाहरण है। उन्होंने सभी टेंडरों को तत्काल रद्द करने और खरीद प्रक्रिया की व्यापक जांच कराने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि सरकार ने कार्रवाई नहीं की तो बीआरएस सतर्कता एजेंसियों और अदालत का रुख करेगी।

मलेशिया में 6 जून को तेलंगाना गठन दिवस समारोह में शामिल होंगे केटीआर

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव 6 जून 2026 को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में आयोजित होने वाले तेलंगाना गठन दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

यह कार्यक्रम बीआरएस मलेशिया इकाई की ओर से मेट्रेड एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें तेलंगाना और तेलुगु समुदाय के बड़ी संख्या में प्रवासी लोगों के शामिल होने की संभावना है। बीआरएस एनआरआई ग्लोबल कोऑर्डिनेटर महेश बिगाला के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने केटीआर से मुलाकात कर उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया। प्रतिनिधिमंडल में बीआरएस मलेशिया के प्रतिनिधि मारुति कुर्मा, चिट्टी बाबू, श्रीधर और प्रिया भी शामिल थे।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 8 मई - 2026

दोस्ती से ऊपर राष्ट्रीय हित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर हुए हमले की खुलकर निंदा करना केवल एक कूटनीतिक बयान नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच भारत की परिपक्व विदेश नीति का संकेत है। ईरान द्वारा यूएई के फुजैराह बंदरगाह पर बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से हमला ऐसे समय में हुआ है, जब पूरा पश्चिम एशिया पहले से तनाव और अस्थिरता से गुजर रहा है। भारत की प्रतिक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण बन जाती है, क्योंकि नई दिल्ली लंबे समय से ईरान के साथ मित्रतापूर्ण संबंध बनाए रखने के बावजूद आतंक, हिंसा और क्षेत्रीय अस्थिरता के खिलाफ स्पष्ट रुख अपनाती रही है। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह युद्ध का समर्थक नहीं है, लेकिन शांति और स्थिरता के खिलाफ किसी भी कार्रवाई का समर्थन भी नहीं करेगा। यही कारण है कि भारत ने यूएई पर हमले की निंदा करने में कोई हिचक नहीं दिखाई। यह निर्णय इसलिए भी अहम है, क्योंकि यूएई आज भारत का केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि रणनीतिक सहयोगी भी बन चुका है। लाखों भारतीय वहां रहते और काम करते हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था, व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा में यूएई की भूमिका लगातार बढ़ी है। ऐसे में यूएई की सुरक्षा और स्थिरता भारत के लिए सीधे राष्ट्रीय हित का विषय बन जाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने केवल यूएई के प्रति एकजुटता नहीं दिखाई, बल्कि होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता बनाए रखने की भी अपील की। यह मुद्दा भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से पूरा करता है। यदि इस समुद्री मार्ग में तनाव बढ़ता है, तो तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिसका सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था और आम जनता पर पड़ेगा। इसलिए भारत का यह रुख केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि पूरी तरह व्यावहारिक और रणनीतिक है। यह भी समझना होगा कि ईरान आज जिस राह पर चल रहा है, वह उसके अपने हितों के लिए भी नुकसानदायक साबित हो सकती है। अमेरिका और इजरायल से टकराव के बीच ईरान अब अपने आसपास के देशों को निशाना बनाकर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन पड़ोसी देशों के साथ इस प्रकार का आक्रामक व्यवहार पश्चिम एशिया को और अस्थिर करेगा। यूएई पर हमला इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। फुजैराह बंदरगाह केवल यूएई ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति का महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे स्थान पर हमला वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए भी खतरे की घंटी है। भारत के लिए यह समय बेहद सावधानी और संतुलन का है। एक ओर ईरान के साथ पुराने संबंध हैं, तो दूसरी ओर यूएई, सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों के साथ तेजी से मजबूत होते रिश्ते हैं। भारत ने इस बार यह संकेत दिया है कि मित्रता का अर्थ आंख मूंदकर समर्थन करना नहीं होता। सच्चा मित्र वही होता है, जो गलत कदम पर सच कहने का साहस रखे। भारत को आगे भी इसी संतुलित नीति पर कायम रहना होगा। पश्चिम एशिया में शांति भारत के आर्थिक और रणनीतिक हितों के लिए अनिवार्य है। साथ ही भारत को ईरान को मुख्यधारा में बनाए रखने और संवाद के रास्ते पर लौटाने के प्रयास भी जारी रखने चाहिए। लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि भारत अपने मित्र देशों की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के प्रश्न पर स्पष्ट और मजबूत रुख बनाए रखे। यही आज की वैश्विक राजनीति में एक जिम्मेदार और प्रभावशाली राष्ट्र की पहचान है।

बहु-स्थानिक पीएमओ: संघीय संतुलन को मजबूत कर सकता है

पंकज जायसवाल

भारत एक संघीय देश जिसे राज्यों का संघ भी कहते हैं. इस संरचना का मूल उद्देश्य विविधताओं से भरे देश को एकता के सूत्र में बांधते हुए क्षेत्रीय संतुलन और समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है लेकिन समय-समय पर यह प्रश्न उठता रहा है कि क्या हमारी संस्थागत संरचनाएँ वास्तव में इस संतुलन को प्रतिबिंबित करती हैं या नहीं। अबकी बार जब सीटों के बढ़ाने और परिसीमन का बिल संसद में आया तो एक तेलगु पत्रकार का एक वीडियो बहुत वायरल हो रहा था जिसमें वह इस बिल के पास होने के बाद कैसे दक्षिण के सांसदों की संख्या और इससे जुड़ा दबदबा ख़त्म हो जायेगा, इसके बारे में बात कर रहे थे. अगर लोकतंत्र में कोई सामूहिक चिंता पटल पर आ रही है तो उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है. ऐसी चिंताओं का बहुआयामी चिंतन कर त्वरित समाधान आवश्यक है. ऐसे जन चिंताओं पर तुरंत संज्ञान लेते हुए राजनैतिक पार्टियों और सरकार को ध्यान देना चाहिए।

यह चिंता केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि संघीय मनोविज्ञान से जुड़ी है। जब किसी क्षेत्र को यह महसूस होने लगे कि उसकी आवाज़ कमजोर हो रही है तो वह असंतोष लोकतांत्रिक संरचना के लिए चुनौती बन सकता है। इसे जनभावना के तौर पर लेते हुए इसका समाधान ढूँढना चाहिए। मैंने इस विषय पर काफी मंथन किया और मेरे कुछ विचार हैं जो शायद इस विषय में समाधान हो सकते हैं. शायद शब्द इसलिए कि यह बहुत व्यापक प्रभाव वाला विमर्श है. इसलिए इस एक कच्चे विचार को पक्के विचार में बदलने के लिए विमर्श के कई पड़ाव पार करने होंगे जो बुद्धिजीवियों के विमर्श, जन विमर्श से होते हुए संसद के विमर्श तक पहुंचना चाहिए।

क्षेत्रीय संतुलन के कई भारतीय उदाहरण भारत में पहले से ही मौजूद हैं. भारत में पहले से ही कुछ ऐसे मॉडल मौजूद हैं, जो क्षेत्रीय संतुलन और प्रशासनिक विकेंद्रीकरण के सफल उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। जैसे महाराष्ट्र में दो राजधानियाँ हैं मुंबई प्रशासनिक तो नागपुर शीतकालीन । यह व्यवस्था नागपुर पैक्ट के तहत हुई, जिसका उद्देश्य विदर्भ क्षेत्र को प्रशासनिक और राजनीतिक प्रतिनिधित्व देना था। हर वर्ष विधानमंडल का शीतकालीन सत्र नागपुर में आयोजित होता है, जिससे प्रशासन केवल मुंबई तक सीमित नहीं रहता। इसी प्रकार, पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य में "दरबार मूव" की परंपरा थी, जिसके तहत सरकार गर्मियों में श्रीनगर और सर्दियों में जम्मू स्थानांतरित होती थी। यह व्यवस्था 19वीं शताब्दी से थी. हिमाचल प्रदेश में भी शिमला ग्रीष्मकालीन और धर्मशाला शीतकालीन के रूप में द्वितीयक राजधानी की व्यवस्था देखने को मिलती है। अंग्रेजों के समय भारत में भी दो राजधानी की कभी व्यवस्था थी. कलकत्ता अब कोलकाता 1911 तक प्राइमरी कैपिटल था, जबकि शिमला 1864 से 1939 तक ऑफिशियल समर कैपिटल था, जहाँ सरकार गर्मी से बचने के लिए हर साल दूसरी जगह जाती थी।

यह अवधारणा केवल भारत तक सीमित नहीं है। दुनिया के कई देशों ने बहु-राजधानी मॉडल अपनाया और कई देशों में आज भी दो या उससे ज़्यादा राजधानियाँ हैं, जो अक्सर एक ऑफिशियल संवैधानिक राजधानी और एक एडमिनिस्ट्रेटिव लेजिस्लेटिव सीट के बीच काम बाँट देती हैं। सबसे सटीक उदाहरण स्वरुप साउथ अफ्रीका की 3 राजधानी प्रिटोरिया कार्यपालिका, केप टाउन विधायिका, ब्लोमफोंटेन न्यायपालिका का है। बोलीविया की 2 राजधानी पहला सुक्रे संवैधानिक और न्यायपालिका तो ला पाज़ प्रशासनिक और कार्यपालिका के लिए है। मलेशिया 2 राजधानी कुआलालंपुर और पुत्रजया । श्रीलंका की भी 2 राजधानी श्री जयवर्धनेपुरा कोट्टे और कोलंबो । नीदरलैंड की भी 2 राजधानी एम्स्टर्डम और द हेग । ऐसे और भी उदाहरण हैं।

पांच राज्यों के चुनाव परिणाम के निहितार्थ

राधा रमण

पिछले महीने पांच राज्यों के हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम आ गए हैं। चुनाव हमारे लोकतंत्र की परीक्षा होते हैं। इससे लोकतंत्र मजबूत होता है। लोकतंत्र में मतदाताओं की ताकत सिर चढ़कर बोलता है। मतदाता जिसे चाहें अर्श से फर्स पर उतार देते हैं और जिसे चाहें फर्स से अर्श पर पहुंचा देते हैं। हर चुनाव में यही होते रहा है, आगे भी यही होता रहेगा। इस बार के चुनाव परिणाम भी इसी धारणा को मजबूती देते हैं।

तमिलनाडु में मतदाताओं ने 64 वर्ष बाद किसी नई पार्टी को सरकार बनाने का जनादेश दिया है। वहां पिछले 64 वर्षों में कभी अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईडीएमके) तो कभी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) को सरकार बनाने का मौका मिलता रहता था। इसमें दो राय नहीं कि वहां की जनता दोनों की सरकारें और उनकी अदला-बदली से तंग आ चुकी थी। इसीलिए उसने इस बार पहली बार चुनाव मैदान में उतरे तमिल फिल्मों के सुपर हीरो जोसेफ विजय की नई नवेली पार्टी तमिलागा वेत्रि कड़गम (टीवीके) की झोली में 234 सदस्यीय विधानसभा में 107 सीटें डाल दी। वहां डीएमके गठबंधन को 74 और एआईडीएमके गठबंधन को 53 सीटें मिली हैं। अब विजय दोनों ही गठबंधनों से कुछ विधायकों को तोड़कर आसानी से सरकार बना सकते हैं। इसमें दिक्कत भी नहीं आनी चाहिए क्योंकि दोनों ही दलों ने अपने गठबंधन में शामिल दलों को सरकार में भागीदारी नहीं दी थी।

पश्चिम बंगाल में पहली बार 206 सीटें जीतकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनाने के लिए तैयारी में है। वहां पिछली बार 215 सीटों पर जीत के साथ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने सरकार बनाई थी।

इस बार के चुनाव में तृणमूल कांगेस महज 81 सीटों पर सिमट गई है और ममता बनर्जी स्वयं चुनाव हार चुकी हैं। उन्होंने मतगणना केंद्र में सीसीटीवी बंद कर अपने साथ मारपीट का आरोप लगाया है। पिछले चुनाव में भाजपा को 77 सीटें मिली थीं। इस बार उसे 129 सीटों का फायदा हुआ है। भाजपा के वोटों में यह उछाल अचानक नहीं आया है। इसके लिए भाजपा के देशभर के कार्यकर्ता लगातार पांच वर्षों तक राज्य में डेरा डाले रहे। उन्होंने घर-घर जाकर मतदाताओं का मन टटोला। उन्हें अपने साथ आने को प्रेरित किया। साम-दाम-दंड-भेद के घोड़े छोड़ डाले। एक हुमायूं कबीर से डील की बातें तो सार्वजनिक भी हो गईं। हालांकि बाद में भाजपा और हुमायूं कबीर दोनों ने इसका खंडन किया। लेकिन अगर दोनों सही थे तो असदुद्दीन ओवैसी आखिर क्यों बिदक गए, यह सवाल अनुत्तरित ही रहा। वैसे भी, पश्चिम बंगाल में टीएमसी की करारी हार के पीछे सत्ता विरोधी लहर तो रही ही है, शासन में भ्रष्टाचार को भी माना जा सकता है। शिक्षकों की बहाली में इतनी ज्यादा कदाचार के मामले सामने आए कि सुप्रीम कोर्ट को कई हजार शिक्षकों की बहाली ही रद्द कर देनी पड़ी। तत्कालीन शिक्षा मंत्री और विभागीय सचिव को महीनों तक सलाखों के पीछे रहना पड़ा। घरों से नोटों के बंडल भी मिले। इससे ममता बनर्जी की भी खूब किरकिरी हुई। महिला सुरक्षा भी एक बड़ा कारण माना जा सकता है, लेकिन क्या महिलाएं सिर्फ पश्चिम बंगाल में ही असुरक्षित हैं ? हां, मीडिया की भूमिका भी बड़ा फैक्टर माना जा सकता है। मीडिया ने पश्चिम बंगाल की घटनाओं को जरूर बढ़ा-चढ़ाकर प्रकाशित- प्रसारित किया। प्रशासन और पुलिस की बजाय सरकार के मुखिया को ही निशाने पर लिया। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि सुशासन के बिहार में जंगलराज से ज्यादा आपराधिक वारदातें हो रही हैं, लेकिन लोकतंत्र का चौथा खंभा खामोश है। तकरीबन यही हाल कुछ और प्रदेशों का भी है।

पश्चिम बंगाल में टीएमसी की पराजय के पीछे विपक्ष में बिखराव और मुस्लिम मतों का विभाजन भी एक बड़ा कारण है। सबने देखा कि देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी कैसे टीएमसी सरकार पर हमलावर थे। क्या-क्या नहीं कहा। अब हार के बाद मातमपुर्सी के लिए ममता को फोन कर रहे हैं। वह भी इसलिए कि आनेवाले लोकसभा के चुनाव में ममता कहीं अलग राह नहीं पकड़ लें। झारखंड में हेमंत सोरेन पहले से ही कांग्रेस से खफा हैं। कब पाला बदल लें, कोई नहीं कह सकता। महाराष्ट्र में विपक्षी खेमे में पहले से ही एक अनार सौ बीमार की हालत है। हिमाचल में कांग्रेस आपसी कलह से कराह रही है। बिहार में विपक्ष की राज्यसभा की एक सदस्यता की हैसियत नहीं है। उत्तर प्रदेश में जहां अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं, कांगेस और अखिलेश यादव अभी से हांफते दिखाई देते हैं। विपक्ष में बिखराव और मुस्लिम मतों के विभाजन से टीएमसी का वोट बैंक करीब 8 फीसदी गिरा। नतीजतन टीएमसी की सदस्य संख्या 215 से घटकर 81 पर पहुंच गई।

पश्चिम बंगाल में टीएमसी की हार का निर्णायक कारण मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और केन्द्रीय सुरक्षा बलों की अभूतपूर्व तैनाती भी रहा है। राज्य में तकरीबन 91 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए। हो सकता है कि इसमें मृत लोगों और दो जगहों पर मतदाता सूची में शामिल लोग भी रहे हों। लेकिन किसका नाम किस कारण से काटा गया, चुनाव आयोग ने मतदान की तारीख तक कोई आंकड़ा नहीं बताया। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित न्यायाधिकरण में भी सारे अपील पर सुनवाई नहीं हो सकी। अब जो लोग अपील में सही साबित हो जाएंगे, कम से कम इस चुनाव में उनकी भूमिका तो नहीं रही। अजीब हाल है। चुनाव आयोग विज्ञापन तो खूब देता है कि कोई मतदाता छूटे नहीं, लेकिन कौन मतदाता वोट डालेगा, वही तय करता है। हैरत तो यह कि चुनाव आयोग के गलत फैसले के खिलाफ अब कोई सुनवाई भी नहीं हो सकती है। सरकार ने उसे विशेषाधिकार दिया हुआ है। पश्चिम बंगाल में इस बार के चुनाव में करीब 2 लाख 40 हजार केन्द्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की गई थी। यह अभूतपूर्व है। संभवतः इससे पहले किसी राज्य के चुनाव में केन्द्रीय सुरक्षा बलों की इतनी ज्यादा संख्या में तैनाती नहीं हुई थी।

असम और पुड्डुचेरी में भाजपा गठबंधन की जीत कांग्रेस की कमजोर रणनीति की वजह से हुई है। हालांकि चुनाव विश्लेषक योगेन्द्र यादव असम में विधानसभा सीटों के नये तरह से परिसीमन को भाजपा गठबंधन की एकतरफा जीत का कारण मानते हैं। केरल में एलडीएफ और यूडीएफ दोनों गठबंधनों के बीच सत्ता की अदला-बदली होते रही है। यह अलग बात है कि पिछले दो कार्यकाल से वाम दलों का एलडीएफ ही शासन में था। वहां भ्रष्टाचार और बेरोजगारी इस बार बड़ा मुद्दा था। अब एलडीएफ की सत्ता समाप्त होने के बाद देश में वाम दलों के शासन का अंत हो गया है। यह अलग बात है कि चुनाव के दौरान वाम दलों और कांग्रेस के नेता एक-दूसरे को भ्रष्ट बताते रहे। भले ही लोकसभा के चुनाव के दौरान एक-दूसरे से गठबंधन कर लें।

संकट की घड़ी में दुनिया की संजीवनी है रेडक्रॉस

योगेश कुमार गोयल

रेडक्रॉस की स्थापना महान मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इ सी लि ए उ न के जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई। डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया।

1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया।

नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है।

शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है। मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में 'रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने 'भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की।

भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को 'अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है।

रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है।

देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है।

क्यों टैगोर जयंती बनी 'नए बंगाल' की सांस्कृतिक पुनर्जागरण की तारीख?

आरके जैन

पश्चिम बंगाल की राजनीति में घटित होते क्षण अब केवल घटनाओं का क्रम नहीं, बल्कि एक सुनियोजित प्रतीकात्मक ढांचे का हिस्सा बन चुके हैं, जहाँ समय और सांस्कृतिक संदर्भ राजनीतिक संदेश बनते जा रहे हैं। रवींद्रनाथ टैगोर 165वीं जयंती के साथ संभावित शपथ ग्रहण की चर्चा ने इस परिदृश्य को गहराई दी है। 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के भारी बहुमत के साथ टीएमसी की 15 वर्षीय सरकार का अंत होने के बाद यह चर्चा और भी प्रासंगिक हो गई है। यह केवल सत्ता परिवर्तन की तैयारी नहीं, बल्कि ऐसी रणनीति है जिसमें हर सार्वजनिक क्षण और आयोजन सोच-समझकर चुना गया है, ताकि राजनीति और संस्कृति का संगम स्थापित हो सके। इसी ने 'नए बंगाल' की अवधारणा को नारे से आगे बढ़ाकर एक प्रतीकात्मक अभियान का रूप दे दिया है।

इस रणनीति की असली धार यही है कि समय अब केवल पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि सक्रिय राजनीतिक साधन बन चुका है। शपथ ग्रहण जैसे संवैधानिक क्षण को रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती से जोड़ने का संकेत यह स्पष्ट करता है कि यहाँ सत्ता के साथ-साथ प्रतीकों और अर्थों की पूरी संरचना नए सिरे से रची जा रही है।

हर तिथि एक संदेश बन गई है और हर आयोजन एक सुविचारित विमर्श का रूप ले चुका है। यह दृष्टिकोण राजनीति को प्रशासनिक प्रक्रिया से आगे ले जाकर उसे सांस्कृतिक स्मृति और जनभावनाओं के गहरे तंतुओं से जोड़ देता है, जिससे उसका प्रभाव और अधिक सघन व बहुआयामी हो जाता है।

नरेंद्र मोदी और अमित शाह को रणनीतिक शिल्पकार व संगठनात्मक वास्तुकार के रूप में देखा जाता है। मोदी जी राजनीति को केवल शासन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय आत्मविश्वास के विस्तार के रूप में परिभाषित करते हैं, जबकि अमित शाह ने इस दृष्टि को बूथ स्तर तक सूक्ष्म संगठन में उतारा है। दोनों की संयुक्त रणनीति सुनिश्चित करती है कि कोई भी क्षण, तिथि या घटना अर्थहीन न रहे। प्रत्येक कदम ऐसा गढ़ा गया है कि वह तात्कालिक प्रभाव के साथ दीर्घकालिक राजनीतिक और सांस्कृतिक संदेश भी स्थापित करे।

बूथ स्तर पर निर्मित रणनीति इस पूरी संरचना की सबसे सुदृढ़ नींव के रूप में उभरी है, जहाँ प्रत्येक मतदान केंद्र को केवल चुनावी इकाई नहीं, बल्कि जनसंपर्क और विचार-विस्तार के केंद्र में बदला गया। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक समान संगठनात्मक अनुशासन दिखाई दिया, जिसमें स्थानीय समस्याओं को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से जोड़ा गया। बेरोजगारी, विकास में असमानता, सुरक्षा की चुनौतियाँ और सांस्कृतिक पहचान जैसे मुद्दों को सुनियोजित ढंग से उठाया गया। यह केवल प्रचार नहीं था, बल्कि एक निरंतर संवाद था, जिसने जनता और संगठन के बीच नई समझ को आकार दिया।

इस रणनीति की एक और प्रमुख विशेषता यह है कि प्रत्येक राजनीतिक घटना को व्यापक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में स्थापित किया गया है। रवींद्रनाथ टैगोर की 'सोनार बांग्ला' की कल्पना को 'नए बंगाल' की आधुनिक दृष्टि से जोड़ने का प्रयास केवल भावनात्मक अपील नहीं, बल्कि वैचारिक पुनर्संरचना का संकेत है। यहाँ संस्कृति प्रतीक भर नहीं रही, बल्कि नीति और शासन का अभिन्न हिस्सा बन गई है। इसी कारण हर सार्वजनिक घोषणा, रैली और राजनीतिक संदेश को एक बड़े सांस्कृतिक आख्यान के भीतर समाहित किया जा रहा है, जिससे उसका प्रभाव केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर तक विस्तृत हो जाता है।

चुनावी चरणों के दौरान यह रणनीति और अधिक स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आई, जहाँ मतदान की प्रत्येक प्रक्रिया को अत्यंत सूक्ष्म योजना के साथ संचालित किया गया। मतदान केंद्रों पर प्रबंधन, मतदाता संपर्क और संदेश प्रसार की व्यवस्था ने एक संगठित ढांचे को आकार दिया। हर चरण को इस तरह जोड़ा गया कि वह पिछले चरण से मिलकर एक सतत राजनीतिक कथा निर्मित करे। यह कथा केवल जीत-हार तक सीमित नहीं थी, बल्कि परिवर्तन, विकास और सांस्कृतिक पुनर्स्थापना की अवधारणा पर आधारित थी। इसने चुनाव को साधारण प्रक्रिया से आगे बढ़ाकर एक व्यापक सामाजिक घटना का रूप दे दिया।

इस पूरे घटनाक्रम में समय का चयन एक निर्णायक रणनीतिक तत्व के रूप में सामने आया है। 9 मई की संभावित शपथ तिथि केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि एक गहरे प्रतीकात्मक संदेश का हिस्सा प्रतीत होती है। रवींद्रनाथ टैगोर जैसी सांस्कृतिक विभूति की जयंती के साथ ऐसे आयोजन की योजना यह संकेत देती है कि राजनीति अब केवल वर्तमान तक सीमित नहीं, बल्कि स्मृति और प्रतीकात्मकता पर भी आधारित होती जा रही है। प्रत्येक क्षण को इस प्रकार चुना जा रहा है कि वह इतिहास, संस्कृति और राजनीति को एक साझा धागे में पिरो सके। नए बंगाल' अब महज राजनीतिक परियोजना नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक पुनर्गठन की प्रक्रिया बनता जा रहा है। टैगोर की 'सोनार बांग्ला' की कल्पना को आधुनिक दृष्टि से जोड़ते हुए शिक्षा, रोजगार, सांस्कृतिक गौरव और मानवीय मूल्यों को विकास के केंद्र में रखने का प्रयास किया जा रहा है। यह सोच केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं, बल्कि पहचान और आत्मसम्मान को पुनः स्थापित करने पर भी केंद्रित है।

माँ की गोद में बंद आखिरी लोरी

डॉ. सुरेश कुमार

नर्मदा की लहरें उस शाम शांत नहीं थीं, वे तो पश्चाताप में डूबी किसी विधवा की सिसकियों जैसी थीं। ग्वारीघाट की सीढ़ियों पर जब उस माँ को निकाला गया, तो काल भी ठिठक गया। उसने अपने छह साल के कलेजे के टुकड़े को सीने के उस पार, फेफड़ों की आखिरी गहराई तक सटा रखा था।

गोताखोरों ने बहुत जोर लगाया, पर माँ की बाहें किसी वज्र की तरह बच्चे के गिर्द लिपटी थीं। मानो वह कह रही हो-लहरों! तुम मेरी साँसें तो छीन सकती हो, पर मेरी ओट नहीं। बच्चा माँ के सीने में मुँह छिपाए ऐसे सो रहा था जैसे उसे यकीन हो कि दुनिया चाहे इधर की उधर हो जाए, माँ की छाती से सुरक्षित कोई किला नहीं है।

अरे, ई को अलग करो, जे माँ तो पत्थर हो गई, एक पंडा जी ने कांपते हाथों से जल छिड़का।

कैसे अलग करें महाराज? जे तो रजिस्ट्री है जनम-जनम की, एक मल्लाह ने अपनी फटी कमीज से आँखें पोंछीं।

काए जी, पंचनामा भरनो है, ज़रा हाथ ढीले करो, एक सिपाही ने झिझकते हुए कहा।

साहब, जे हाथ अब इंसान के बस के नहीं रहे। जे तो कुदरत का ताला लग गओ है।

माँ का चेहरा सफेद था, पर उसकी बंद पलकों के पीछे एक ऐसी शांति थी जो शायद ही किसी मंदिर की मूर्ति में मिले। वह हारकर भी जीत गई थी, क्योंकि उसने अंत तक अपने अंश को अकेला नहीं छोड़ा था। भीड़ तमाशबीन बनी थी। कुछ लोग उस मार्मिक दृश्य को अपने फोन में कैद कर रहे थे, मानो ममता का नीलामी घर लगा हो। देखो जी, जे होती है माँ! मर के भी बच्चा नहीं छोड़ा, एक सज्जन ने स्टेटस अपडेट किया।

अरे छोड़ो भाई, अब का फोटो खींच रहे? जे तो सिस्टम की नाकामी की आखिरी तस्वीर है,पीछे से एक जबलपुरिया ताना आया। कैसी नाकामी? क्रूज़ तो नया था, बस 'लोड' ज्यादा हो गया, एक बाबू ने फाइल संभाली। लोड क्रूज़ पर नहीं साहेब, हमारी नीयतों पर ज्यादा था। तभी तो नर्मदा मैया ने उसे झेलने से मना कर दिया। हवा में एक ऐसी रूहानी चुभन थी जो आँखों से पानी बनकर नहीं, कलेजे से खून बनकर बह रही थी।

तभी एक सरकारी गाड़ी घाट पर आकर रुकी। क्रूज़ कंपनी और बैंक के कुछ बड़े अधिकारी उतरे। उनके हाथों में कुछ कागज़ात थे और चेहरों पर वह बनावटी दुख, जो अक्सर मुआवज़े के चेक के साथ आता है।

हटो-हटो! हमें पहचान करने दो। सरकार ने तुरंत सहायता राशि घोषित की है, एक अधिकारी ने रुमाल नाक पर रखा।

का सहायता साहेब? जे बच्चा अपनी माँ की धड़कन ढूंढते-ढूंढते सो गओ, अब तुम उसे नोटों की गड़गड़ाहट सुनाओगे? एक बूढ़े ने कड़वाहट से पूछा।

नियम समझिए। माँ और बच्चे का ज्वाइंट क्लेम है। बस एक बार माँ की मुट्ठी खुल जाए, तो हम कागज़ी खानापूर्ति कर सकें। अधिकारी ने माँ की बर्फीली उंगलियों को हिलाने की कोशिश की, पर वे तो जैसे विधाता के हस्ताक्षर थे, जो मिटाए नहीं मिट रहे थे।

अंत में, हार मानकर बैंक वालों ने वह चेक और नोटों की गड्डी माँ की उसी वज्र जैसी मुट्ठी के ऊपर रख दी। मंजर इतना दर्दांत था कि पत्थर भी पसीज जाए; माँ की पकड़ वैसी ही बनी रही, उसने धन को छुआ तक नहीं, बस अपने बच्चे को और कसकर भींच लिया। उसने दुनिया को बता दिया कि उसकी ममता का सौदा किसी कागज़ के टुकड़े से नहीं हो सकता। वह अपनी संपत्ति को सीने से लगाए हुए ही चिता की अग्नि की ओर बढ़ गई। बैंक वाले पैसे दे चुके थे, पर वे पैसे उस माँ की बंद मुट्ठी और उसके अमर आलिंगन के सामने कूड़े के ढेर की तरह तुच्छ लग रहे थे। घाट पर खड़ा हर शख्स दहाड़ मारकर रो पड़ा, क्योंकि आज इंसानियत ने देखा कि कुछ चीजें इस दुनिया में अनमोल ही रह जाती हैं।

भगवान काल भैरव की पूजा करने से साधक को विशेष फल मिलता है

कालाष्टमी 2026: तिथि और शुभ मुहूर्त
पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का विवरण इस प्रकार है:
अष्टमी तिथि का प्रारंभ: 9 मई 2026 को दोपहर 02:02 बजे से
अष्टमी तिथि का समापन: 10 मई 2026 को दोपहर 03:06 बजे तक

भगवान काल भैरव को समर्पित कालाष्टमी का व्रत हर महीने बेहद खास माना जाता है. मई 2026 की कालाष्टमी को लेकर इस बार लोगों के बीच सबसे ज्यादा कन्फ्यूजन 9 और 10 मई की तारीख को लेकर बना हुआ है. कोई इसे 9 मई बता रहा है तो कोई 10 मई. ऐसे में अगर आप भी काल भैरव की पूजा और व्रत की सही तिथि जानना चाहते हैं, तो आपके लिए सही जानकारी जानना जरूरी है. मान्यता है कि इस दिन विधिपूर्वक पूजा करने से भय, नकारात्मक ऊर्जा और जीवन की परेशानियों से राहत मिलती है. खास बात ये है कि कालाष्टमी पर निशिता काल में पूजा का विशेष महत्व माना जाता है।

मई 2026 में कालाष्टमी कब है

हिंदू पंचांग के अनुसार, मई 2026 की कालाष्टमी 9 मई, शनिवार को मनाई जाएगी. अष्टमी तिथि की शुरुआत 9 मई को दोपहर 2:02 बजे से होगी और ये 10 मई को दोपहर 3:06 बजे तक रहेगी. धार्मिक मान्यता के अनुसार, कालाष्टमी व्रत उसी दिन रखा जाता है जिस दिन अष्टमी तिथि मध्यरात्रि यानी निशिता काल में पड़ती है. इसी वजह से इस बार 9 मई को व्रत रखना शुभ माना गया है।

कालाष्टमी पर निशिता काल का महत्व

कालाष्टमी पर सबसे शुभ समय निशिता काल को माना जाता है. कहा जाता है कि इस दौरान भगवान काल भैरव की पूजा करने से साधक को विशेष फल मिलता है. रात के शांत माहौल में की गई आराधना मन को एकाग्र करती है और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करती है. मान्यता ये भी है कि इस समय भैरव चालीसा और मंत्र जाप करने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

कैसे करें काल भैरव की पूजा

कालाष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और व्रत का संकल्प लें. इसके बाद घर के मंदिर या भैरव मंदिर में भगवान काल भैरव की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें. पूजा में धूप, दीप, फूल, अक्षत और काले तिल अर्पित करें. सरसों का तेल, नारियल और मीठा प्रसाद चढ़ाना भी शुभ माना जाता है. रात में निशिता काल के दौरान दोबारा पूजा और मंत्र जाप करना लाभकारी माना जाता है।

कालाष्टमी पर कुत्तों को भोजन क्यों कराया जाता है

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कुत्ता भगवान काल भैरव का वाहन माना जाता है. यही वजह है कि कालाष्टमी के दिन कुत्तों को रोटी, दूध या मीठा खिलाना शुभ माना जाता है. इसे दया, सेवा और सकारात्मक कर्म का प्रतीक भी माना जाता है।

कालाष्टमी पर क्या सावधानियां रखें

इस दिन व्रत रखने वाले लोगों को झूठ, क्रोध और नकारात्मक सोच से दूर रहना चाहिए. पूजा के दौरान मन को शांत रखना और पूरे दिन संयमित व्यवहार करना शुभ माना जाता है. श्रद्धा और नियम के साथ किया गया व्रत ही शुभ फल देता है।

परेशान युवक को संत की सीख

जीवन में समस्याएं आती रहेंगी, उनसे बचने की बजाय उनका समाधान खोजने की आदत डालें

एक लोक कथा है। पुराने समय में एक गांव में एक युवक बचपन से ही समस्याओं का सामना करते हुए बड़ा हुआ। पिता का साया बहुत पहले उठ चुका था और घर की सारी जिम्मेदारी उसके कमजोर कंधों पर आ गई थी। उसने अपनी पढ़ाई के साथ-साथ काम करना शुरू किया ताकि वह अपनी मां और छोटे भाई-बहनों का पालन-पोषण कर सके। समय बीतता गया, संघर्ष भी बढ़ता गया।

जब वह युवावस्था में पहुंचा, तो उसका विवाह हुआ, लेकिन इससे उसकी जिम्मेदारियां कम होने के बजाय और बढ़ गईं। जीवन में एक समस्या खत्म होती तो दूसरी सामने खड़ी हो जाती। धीरे-धीरे वह मानसिक रूप से थकने लगा। उसे लगने लगा कि शायद उसके जीवन में सुख लिखा ही नहीं है।एक दिन वह अपनी परेशानियों से तंग आकर एक संत के पास पहुंचा। उसने संत से विनती की, "गुरुदेव, मुझे अपना शिष्य बना लीजिए। मैं जीवन की समस्याओं से हार चुका हूं।" संत ने उसे शांत स्वर में उसकी परेशानी पूछी।युवक बोला, "मेरे जीवन में एक समस्या खत्म नहीं होती कि दूसरी आ जाती है। मैं बहुत दुखी हूं और किसी काम में सफलता नहीं मिल रही।" संत मुस्कुराए और बोले, "चलो, मैं तुम्हें समाधान दिखाता हूं।" वे उसे लेकर नदी के किनारे पहुंचे। वहां जाकर संत रुक गए और बोले, "हमें इस नदी को पार करना है।" लेकिन वे वहीं खड़े रहे।

कुछ समय बीतने के बाद युवक ने पूछा, "गुरुदेव, हम नदी पार क्यों नहीं कर रहे?" संत ने उत्तर दिया, "हम नदी के सूखने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि आसानी से पार कर सकें।" युवक चौंक गया और बोला, "गुरुदेव, ऐसा कैसे संभव है? नदी कब सूखेगी, यह कौन जानता है? हमें तो अभी पार करना चाहिए।"संत ने गंभीरता से कहा, "यही तुम्हारे जीवन का उत्तर है। समस्याएं कभी खत्म नहीं होंगी। अगर तुम उनके खत्म होने का इंतजार करते रहोगे, तो कभी आगे नहीं बढ़ पाओगे। तुम्हें हर परिस्थिति में आगे बढ़ना होगा, तभी रास्ता बनेगा।" यह सुनकर युवक की सोच बदल गई। उसने समझ लिया कि रुकना समाधान नहीं है, बल्कि आगे बढ़ते रहना ही जीवन की सच्ची जीत है।

प्रसंग की सीख

जीवन में आने वाली बाधाएं हमें रोकने के लिए नहीं, बल्कि हमें मजबूत बनाने के लिए होती हैं। अगर हम सही सोच और निरंतर प्रयास बनाए रखें, तो हर कठिनाई को पार किया जा सकता है।

समस्याओं से भागें नहीं, उनका सामना करें

जीवन में कठिनाइयां आना स्वाभाविक है। उनसे बचने की कोशिश करने के बजाय उनका समाधान खोजने की आदत डालें, तभी जीवन में शांति मिल सकती है।

निरंतरता बनाए रखें

रुक जाना सबसे बड़ी हार है। चाहे गति धीमी हो, लेकिन लगातार आगे बढ़ते रहना जरूरी है। यही सफलता की कुंजी है। मुश्किलों से डरे नहीं, आगे बढ़ते रहें।

सकारात्मक सोच विकसित करें

हर समस्या में एक अवसर छिपा होता है। सकारात्मक नजरिया अपनाने से कठिन परिस्थितियों में भी रास्ता ढूंढना आसान हो जाता है।

छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं

बड़ी समस्याओं को छोटे हिस्सों में बांटें और एक-एक करके हल करें। इससे काम आसान लगेगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

धैर्य और संयम रखें

हर समस्या का समाधान तुरंत नहीं मिलता। धैर्य रखना जरूरी है, क्योंकि समय के साथ परिस्थितियां बदलती हैं।

सीखने की मानसिकता रखें

हर असफलता हमें कुछ सिखाती है। उसे अनुभव के रूप में स्वीकार करें और आगे बढ़ने के लिए उसका उपयोग करें।

खुद पर विश्वास रखें

आत्मविश्वास सबसे बड़ी ताकत है। अगर आपको खुद पर भरोसा है, तो कोई भी बाधा आपको रोक नहीं सकती।

मदद लेने में संकोच न करें

जरूरत पड़ने पर किसी अनुभवी व्यक्ति या गुरु से सलाह लें। सही मार्गदर्शन आपको सही दिशा में आगे बढ़ा सकता है।

समय का सही प्रबंधन करें

समय सबसे मूल्यवान संसाधन है। इसे सही ढंग से उपयोग करने से समस्याएं कम और समाधान अधिक मिलते हैं।

स्वास्थ्य का ध्यान रखें

स्वस्थ शरीर और शांत मन से ही हम सही निर्णय ले सकते हैं और चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। जीवन एक निरंतर यात्रा है। इसमें रुकना नहीं, बल्कि हर परिस्थिति में आगे बढ़ते रहना ही सफलता और संतुलन का मूल मंत्र है।

तमिलनाडु में स्थित तंजावुर का बृहदेश्वर मंदिर

1000 साल पहले 80 टन का अकेला पत्थर 20 मंजिल ऊंचाई पर कैसे पहुंचा ?

भारत में ऐसे कई मंदिर हैं, जो अपने अंदर अचंभित कर देने वाले स्थापत्य कला और आध्यात्म के रहस्यों को समेटे हुए हैं। उनको देखना अपने आप में एक आश्चर्य से कम नहीं है। उनकी बनावट को देखकर यह सवाल उठता है कि क्या उस समय की इंजीनियरिंग आज के आधुनिक इंजीनियरिंग से कही उन्नत थी? अब दक्षिण भारत के तमिलनाडु में स्थित तंजावुर के बृहदेश्वर मंदिर को ही ले लीजिए। 1000 साल पहले बना यह मंदिर आज के इंजीनियरों और वैज्ञानिकों के लिए एक अबूझ पहेली से कम नहीं है। इस मंदिर के शिखर पर 80 टन से अधिक वजन का एक पत्थर लगा है, जो 20 मंजिल के बराबर की ऊंचाई पर स्थापित है। अब उसे देखकर यह समझ ही नहीं आता कि इतना भारी भरकम पत्थर मंदिर के शिखर पर कैसे पहुंचाया गया होगा?

80 टन का कुंभम आज भी बना है रहस्य

तंजावुर के बृहदेश्वर मंदिर को राजराजेश्वरम भी कहते हैं। इस मंदिर के शिखर पर 80 टन से अधिक वजन के पत्थर से बना एक कुंभम लगा है, जो आज भी लोगों के लिए एक रहस्य से कम नहीं है। बताया जाता है कि इस कुंभम को एक ही पत्थर को तराशकर बनाया गया है। सबसे अजूबे कि बात यह है कि इतनी ऊंचाई पर इसे लगाया कैसे गया?

216 फीट ऊंचाई पर कैसे लगा कुंभम?

मंदिर के शिखर पर जहां कुंभम स्थापित है, उसकी जमीन से ऊंचाई लगभग 216 फीट है यानि एक 20 मंजिला इमारत के बराबर। 80 टन से अधिक वजन वाले कुंभम को इतनी ऊंचाई पर कैसे चढ़ाया गया होगा? आज के समय में इतनी ऊंचाई पर बिना किसी क्रेन की मदद से इतना वजनी सामान चढ़ाना संभव नहीं लगता है।

6 किलोमीटर लंबे रैंप का अनुमान

इसके बारे में इतिहासकारों का कहना है कि उस समय में क्रेन जैसी आधुनिक सुविधाएं नहीं थीं। ऐसे में तब के इंजीनियरों ने इस कुंभम को मंदिर के शिखर पर लगाने के लिए कम से कम 6 किलोमीटर लंबा रैंप बनाया होगा, जो 80 टन से अधिक के वजन वाले कुंभम, अनके हाथियों और मजदूरों का भार रोकने में सक्षम रहा होगा। उस कुंभम को हाथियों और मजदूरों की मदद से रैंप के सहारे मंदिर के शिखर पर पहुंचाया होगा।

ग्रेनाइट पत्थरों से बना है शिव मंदिर

चोल राजा राजराज चोल प्रथम ने 11 वीं सदी में इस विशाल शिव मंदिर को बनवाया था। यह मंदिर ग्रेनाइट पत्थरों से बना है, जबकि उस मंदिर से 100 किलोमीटर के आसपास तक ग्रेनाइट पत्थरों का स्रोत नहीं है। पूरा मंदिर ग्रेनाइट पत्थरों से बना है। इसमें करीब 1. 3 लाख टन ग्रेनाइट पत्थर लगे हैं। कहा जाता है कि यह दुनिया का पहला मंदिर है, जो ग्रेनाइट पत्थरों से बना है। यह मंदिर द्रविड़ वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण है।

मंदिर का शिवलिंग और नंदी भी अद्भुत

इस विशाल मंदिर के गर्भ गृह में 12 फीट ऊंचा विशाल शिवलिंग स्थापित है, वहीं मंदिर के मुख्य द्वार पर शिव के प्रिय गण नंदी विराजमान हैं, जिनका वजन करीब 20,000 किलोग्राम है। इस नंदी को एक ही पत्थर से तराशकर बनाया गया है।

धरती पर नहीं पड़ती मंदिर की परछाई

इस मंदिर का एक और रहस्य है। कहा जाता है कि दोपहर के वक्त इस मंदिर के शिखर की परछाई धरती पर नहीं पड़ती है। इस मंदिर का निर्माण भी अद्भुत तरीके से किया गया है। इसमें चूने, गारे या सीमेंट का उपयोग नहीं हुआ है। इस मंदिर को इंटरलॉकिंग तकनीक यानि पत्थरों को आपस में फंसाकर बनाया गया है।

सुख-शांति चाहिए? भूलकर भी मुख्य द्वार, किचन और पूजा स्थान न रखें खाली

सुबह उठते ही जब घर में सन्नाटा महसूस हो, या बिना वजह मन बेचैन रहने लगे, तो अक्सर लोग इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन ज्योतिष शास्त्र मानता है कि घर का वातावरण केवल भौतिक नहीं, बल्कि ग्रहों और ऊर्जा का भी खेल होता है। कई बार हमारे घर की कुछ खाली जगहें ऐसी होती हैं, जो अनजाने में नकारात्मक ग्रहों को सक्रिय कर देती हैं। यह असर धीरे-धीरे जीवन में तनाव, आर्थिक रुकावट और मानसिक अस्थिरता के रूप में दिखने लगता है। ऐसे में जरूरी है कि हम इन संकेतों को समझें और समय रहते सुधार करें।

मुख्य द्वार: राहु-केतु का प्रवेश द्वार बन सकता है

ज्योतिष और वास्तु दोनों में मुख्य द्वार को बेहद संवेदनशील माना गया है। यह केवल आने-जाने का रास्ता नहीं, बल्कि ऊर्जा और ग्रहों के प्रभाव का प्रवेश बिंदु भी है। अगर यह स्थान खाली, गंदा या बेजान रहता है, तो माना जाता है कि राहु और केतु जैसे छाया ग्रह यहां सक्रिय हो सकते हैं।

सजावट से बदल सकता है ग्रहों का प्रभाव

घर के मुख्य द्वार पर हल्की सजावट, जैसे हरे पौधे, शुभ चिन्ह या नाम पट्टिका लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है। कई लोग अनुभव करते हैं कि जैसे ही उन्होंने मुख्य द्वार को सजाया, घर में माहौल हल्का और खुशहाल लगने लगा। यह बदलाव केवल मनोवैज्ञानिक नहीं, बल्कि ऊर्जा संतुलन का संकेत भी हो सकता है।

किचन: शुक्र और चंद्रमा का संबंध

घर का किचन केवल खाना बनाने की जगह नहीं, बल्कि यह सीधे तौर पर शुक्र और चंद्रमा से जुड़ा माना जाता है। ये दोनों ग्रह सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य के प्रतीक हैं। अगर किचन लंबे समय तक खाली या निष्क्रिय रहता है, तो इसका असर परिवार की आर्थिक स्थिति और सेहत पर पड़ सकता है।

खाली डिब्बे दे सकते हैं अशुभ संकेत

ज्योतिष के अनुसार किचन में खाली बर्तन या डिब्बे रखना शुक्र को कमजोर करता है। यही कारण है कि पुराने समय में लोग अपने किचन को हमेशा भरा-पूरा रखते थे। आज भी कई घरों में यह परंपरा देखने को मिलती है, जहां अनाज का स्टॉक बनाए रखना शुभ माना जाता है। यह आदत न केवल सुरक्षा का भाव देती है, बल्कि मानसिक संतुलन भी बनाए रखती है।

पूजा स्थान: गुरु और सूर्य की ऊर्जा का केंद्र

घर का पूजा स्थान आध्यात्मिक ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत माना जाता है। ज्योतिष में इसे गुरु और सूर्य से जोड़ा जाता है, जो ज्ञान, शांति और आत्मबल के प्रतीक हैं। अगर यह स्थान खाली या उपेक्षित रहता है, तो व्यक्ति के जीवन में निर्णय लेने की क्षमता कमजोर हो सकती है।

रोज़ की छोटी पूजा, बड़ा असर

हर दिन कुछ मिनट दीपक या अगरबत्ती जलाना, मंत्र सुनना या शांत बैठना ये छोटी आदतें बड़े बदलाव ला सकती हैं। कई लोग बताते हैं कि नियमित पूजा से उनका तनाव कम हुआ और घर का माहौल भी बेहतर हुआ। यह केवल आस्था नहीं, बल्कि मानसिक स्थिरता का भी एक साधन है।

बदलती दिनचर्या में छिपा ज्योतिषीय संतुलन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में घर की इन छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना मुश्किल लगता है। लेकिन जब इन्हें नजरअंदाज किया जाता है, तो धीरे-धीरे इसका असर हमारे व्यवहार और रिश्तों पर दिखने लगता है। ज्योतिष इसे ग्रहों के असंतुलन के रूप में देखता है, जबकि आधुनिक नजरिया इसे मानसिक और भावनात्मक अस्थिरता से जोड़ता है।

इन दोनों के बीच संतुलन बनाना ही समझदारी है। घर को जीवंत और सक्रिय रखना न केवल सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है, बल्कि जीवन में स्थिरता और संतुलन भी लाता है।

क्यों बदल जाते हैं अपने लोग? रिश्ते टूटने से पहले मिलते हैं ये संकेत

कभी आपने महसूस किया है कि जो लोग एक समय हर छोटी-बड़ी बात में आपके साथ खड़े रहते थे, वही अचानक बदलने लगते हैं? कॉल कम हो जाते हैं, बातचीत छोटी होने लगती है और धीरे-धीरे रिश्ता बस औपचारिकता बनकर रह जाता है। ऐसे बदलाव अक्सर बिना किसी बड़े झगड़े के भी आ जाते हैं और सबसे ज्यादा तकलीफ तब होती है जब हमें वजह ही समझ नहीं आती। आचार्य चाणक्य ने अपनी नीतियों में रिश्तों की इसी सच्चाई को बेहद सरल तरीके से समझाया है।

उनके अनुसार रिश्ते सिर्फ प्यार और अपनापन से नहीं चलते, बल्कि भरोसा, व्यवहार, समय और संतुलन भी उतने ही जरूरी होते हैं। कई बार हम अनजाने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जो सामने वाले को धीरे-धीरे दूर कर देती हैं। अगर आपके जीवन में भी कभी कोई रिश्ता अचानक बदल गया है, तो चाणक्य की ये बातें आपको रिश्तों को नए नजरिए से समझने में मदद कर सकती हैं।

रिश्तों में स्वार्थ बढ़ने लगे तो दूरी तय हो जाती है

आचार्य चाणक्य मानते थे कि हर रिश्ता दिल से नहीं जुड़ा होता। कुछ रिश्ते जरूरत और फायदे पर भी टिके रहते हैं। जब तक किसी व्यक्ति को आपसे मदद, सहारा या फायदा मिलता रहता है, तब तक वह आपके करीब बना रहता है। लेकिन जैसे ही उसकी जरूरतें पूरी हो जाती हैं, उसका व्यवहार बदलने लगता है।

आज के समय में यह बात सोशल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ तक साफ दिखाई देती है। कई लोग सिर्फ काम निकलने तक ही संपर्क में रहते हैं। ऐसे में जब रिश्ता सिर्फ एकतरफा प्रयास पर टिक जाए, तो उसके टूटने की संभावना बढ़ जाती है। चाणक्य की सीख यही है कि रिश्तों में सामने वाले की नीयत और व्यवहार को समय रहते समझना जरूरी है।

भरोसा टूटे तो रिश्ता धीरे-धीरे खत्म होने लगता है

छोटी गलतफहमी भी बन सकती है बड़ी वजह

चाणक्य नीति के अनुसार किसी भी रिश्ते की असली नींव भरोसा होता है। अगर एक बार विश्वास कमजोर पड़ जाए, तो रिश्ते में दूरी आना तय माना जाता है। कई बार लोग सोचते हैं कि छोटी बातों का असर नहीं होगा, लेकिन अधूरी बातें, झूठ या बार-बार वादे तोड़ना धीरे-धीरे रिश्ते को कमजोर कर देता है।

असल जिंदगी में भी देखा जाता है कि लोग बहस से ज्यादा टूटे हुए भरोसे से दूर होते हैं। एक दोस्त का राज उजागर करना, पार्टनर से सच छिपाना या जरूरत के समय साथ न देना, ये छोटी लगने वाली बातें लंबे समय तक असर छोड़ देती हैं। चाणक्य कहते हैं कि भरोसा बनाने में सालों लग जाते हैं, लेकिन टूटने में सिर्फ कुछ पल।

समय बदलता है तो रिश्तों की प्राथमिकताएं भी बदल जाती हैं

हर इंसान की जिंदगी समय के साथ बदलती रहती है। नौकरी, परिवार, जिम्मेदारियां और नए लक्ष्य इंसान की दिनचर्या को पूरी तरह बदल देते हैं। कई बार लोग दूर होना नहीं चाहते, लेकिन परिस्थितियां उन्हें ऐसा करने पर मजबूर कर देती हैं।

हर दूरी का मतलब नाराजगी नहीं होता

कई रिश्तों में बातचीत कम होने का मतलब यह नहीं होता कि प्यार खत्म हो गया। हो सकता है सामने वाला व्यक्ति अपनी जिंदगी की चुनौतियों में उलझा हो। चाणक्य नीति हमें यह समझाती है कि हर बदलाव को गलत नजरिए से नहीं देखना चाहिए। रिश्तों को थोड़ा समय और समझ देने से कई गलतफहमियां अपने आप खत्म हो जाती हैं।

'विजय को मिले बहुमत साबित करने का मौका'
प्रकाश राज ने किया थलापति का समर्थन

थलापति विजय इन दिनों तमिलनाडु चुनावों में अपनी पार्टी 'टीवीके' की जीत को लेकर उत्साहित हैं। प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बनने के बावजूद टीवीके सरकार बनाने के आंकड़े से दूर है। ऐसे में विजय दो बार गवर्नर के पास सरकार बनाने का प्रस्ताव लेकर जा चुके हैं, लेकिन सरकार ने उन्हें बहुमत के साथ आने की बात कहकर लौटा दिया है। हालांकि, नियम के मुताबिक, मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद भी सदन में अपना विश्वासमत हासिल कर सकते हैं। अब राज्यपाल द्वारा विजय को बार-बार लौटाने पर अभिनेता प्रकाश राज ने नाराजगी जताई है। उन्होंने विजय का समर्थन करते हुए गवर्नर पर निशाना साधा है।

जनादेश को स्वीकार करना होगा

एक रिपोर्ट के अनुसार प्रकाश राज ने कहा कि तमिलनाडु में जनादेश प्राप्त करने के बाद विजय को सरकार बनाने और सदन में अपना बहुमत साबित करने की अनुमति दी जानी चाहिए। हालांकि, प्रकाश राज ने प्रशासनिक पृष्ठभूमि के बिना नेता के नेतृत्व में शासन को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि विजय की जीत सत्ता-विरोधी लहर, उनके समर्थकों की लोकप्रियता या सोशल मीडिया की वजह से हुई, इस पर बाद में चर्चा की जा सकती है। सबसे पहले हमें जनादेश स्वीकार करना होगा।

चुनाव के दौरान उनकी चिंताएं एक नागरिक की थीं, न कि किसी पार्टी कार्यकर्ता की। लोगों को भी गलत होने का अधिकार है, नेताओं को नहीं। शासन किसी एक व्यक्ति पर निर्भर नहीं हो सकता और उनकी चिंता इस बात को लेकर है कि राज्य का संचालन कैसे होगा।

तमिलनाडु के राज्यपाल की कड़ी आलोचना करते हुए प्रकाश राज ने कहा कि अगर विजय के पास बहुमत है, तो उन्हें दावा पेश करने के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए। विजय के 108 सीटों के समर्थन और कांग्रेस की पांच सीटों के दावे का जिक्र करते हुए अभिनेता ने कहा कि राज्यपाल का घर सच्चाई नहीं है।

इसके अलावा यह सदन का पटल है। राज्यपाल को इस मामले का फैसला सदन में करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्हें दावा करने दीजिए, उन्हें सदन में साबित करने दीजिए। जनादेश के साथ उन्हें लोकतांत्रिक अधिकार भी क्यों नहीं दिया जा रहा है? यह लोकतंत्र नहीं है, यह वाकई अन्यायपूर्ण है।

विजय के विरोधी भी उन्हें नेता के रूप में स्वीकार करें

अभिनेता ने कहा कि जो लोग विजय को नेता के रूप में स्वीकार नहीं करते, उन्हें भी इंतजार करना चाहिए और देखना चाहिए। विजय के पास अब अपने आलोचकों को गलत साबित करने का मौका है। हालांकि, शासन केवल मुख्यमंत्री पर ही नहीं, बल्कि मंत्रिमंडल और पूरे प्रशासन पर भी निर्भर करेगा।

उन्होंने विजय की पार्टी के वित्त, कृषि, शिक्षा और नौकरशाही के मैनेजमेंट को लेकर रणनीति पर भी सवाल किया। सभी पार्टियां चुनावी वादे करती हैं और उनका मूल्यांकन इस आधार पर किया जाना चाहिए कि क्या वे उन वादों के प्रति जवाबदेह हैं।

विजय के साथ राजनीति पर नहीं हुई कभी कोई चर्चा

विजय के व्यक्तित्व के बारे में बात करते हुए प्रकाश राज ने कहा कि मैं उनके करियर के पहले दो से ढाई दशकों से उन्हें जानता हूं। कई फिल्मों में उनके साथ काम कर चुका हूं, लेकिन कभी राजनीति पर चर्चा नहीं हुई। यही कारण है कि विजय के राजनीतिक और प्रशासनिक क्षमताओं पर संदेह है। लोकप्रियता ही शासन का आदर्श नहीं हो सकती।चुनाव के दौरान मैंने लोगों से वोट देने से पहले सोचने और यह विचार करने की अपील की थी कि उनके क्षेत्र में कैंडिडेट कौन है। जब पलानीवेल थियागा राजन और स्टालिन जैसे लोग हारते हैं तो चिंता होती है।

कब रिलीज होगा नोरा फतेही का नया गाना?
पोस्टर शेयर करते हुए डांसर ने फैंस से पूछा सवाल

अभिनेत्री और डांसर नोरा फतेही इन दिनों एक विवाद को लेकर चर्चा में हैं। इस विवाद के चलते वह राष्ट्रीय महिला आयोग के सामने पेश हुईं। इस बीच उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने जानकारी दी है कि उनका नया गाना कब रिलीज होने वाला है। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर भी इसी तरह का एक फोटो शेयर किया है।

नोरा फतेही की पोस्ट में क्या है?

नोरा फतेही ने जो पोस्ट शेयर की है, उसमें देखा जा सकता है कि उन्होंने मरून ड्रेस में पोज दिया है। ऐसा लगता है कि वह जंगल में हैं। इस पर लिखा है 'बॉडी रोल', नौ मई को रिलीज हो रहा है। इसके साथ नोरा फतेही ने लिखा है 'क्या इस गाने का टीजर आज रिलीज करूं?' इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए कई यूजर्स ने मांग की है कि जितनी जल्दी हो सके गाने का टीजर रिलीज कीजिए।

नोरा को महिला आयोग ने किया तलब

आपको बता दें कि नोरा फतेही मार्च 2026 में उस वक्त चर्चा में आ गई थीं, जब फिल्म 'केडी' का गाना 'सरके चुनर' रिलीज हुआ था। इस गाने पर उन्होंने डांस किया था। इस गाने की दर्शकों ने काफी आलोचना की थी। इसके हिंदी गाने के बोल और विजुअल्स दोनों ही अश्लील और आपत्तिजनक लगे थे। इस मामले पर महिला आयोग ने कड़ा रुख अपनाया और नोरा को तलब किया था।

क्या बोली नोरा?

आज नोरा फतेही राष्ट्रीय महिला आयोग के कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने बाहर आकर मीडिया से कहा 'यह बस एक ऐसी स्थिति थी जिसमें मुझे डाल दिया गया और मेरा किसी को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। एक कलाकार होने के नाते मुझे अपनी जिम्मेदारी निभानी ही होगी। मैंने माफी मांग ली है और सब कुछ लिखित में दे दिया है। वो लोग बहुत ही दयालु और मददगार हैं।'

इन गानों में नजर आईं नोरा

ख्याल रहे कि नोरा फतेही फिल्म 'केडी' में नजर आ चुकी हैं। वह 'थामा' के गाने 'दिलबर की आंखों का' में नजर आ चुकी हैं। वह 'एन एक्शन हीरो' के गाने 'जेडा नशा' और 'सत्यमेव जयते 2' के गाने 'कुसु कुसु' में नजर आ चुकी हैं। वह कई विदेशी कलाकारों के साथ गानों में डांस करते हुए नजर आ चुकी हैं।

राम चरण की 'पेद्दी' के निर्माताओं ने प्रीमियर को लेकर कही यह बात

राम चरण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'पेद्दी' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म की रिलीज डेट कई बार टाली जा चुकी है। इसी बीच आज निर्माताओं ने फिल्म को लेकर एक अहम जानकारी शेयर की है।

फिल्म को लेकर निर्माताओं ने दिया अपडेट

फिल्म 'पेद्दी' के निर्माताओं ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर घोषणा करते हुए लिखा, 'PEDDI की एडिटिंग फाइनल हो गई है। 3 जून 2026 को इसका भव्य प्रीमियर होगा और 4 जून 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी।

रत्नवेलु ने की राम चरण की तारीफ

इससे एक हफ्ते पहले फिल्म के कैमरामैन आर. रत्नवेलु ने बताया था कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। उन्होंने राम चरण की तारीफ करते हुए लिखा कि उनके साथ काम करना बहुत खास और यादगार रहा। उन्होंने राम चरण को न सिर्फ अच्छा अभिनेता, बल्कि अच्छा इंसान और दोस्त भी बताया।

फिल्म 'पेद्दी' के बारे में

'पेद्दी' एक ग्रामीण एक्शन ड्रामा फिल्म है। 'पेद्दी' का निर्देशन बुची बाबू सना ने किया है। इस फिल्म में राम चरण के साथ जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

यह फिल्म 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में शिव राजकुमार, जगपति बाबू, दिव्येंदु और बोमन ईरानी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

'वो एनर्जेटिक हैं', उर्वशी रौतेला ने बताया सेट पर कैसा था नंदमुरी बालकृष्ण का व्यवहार?

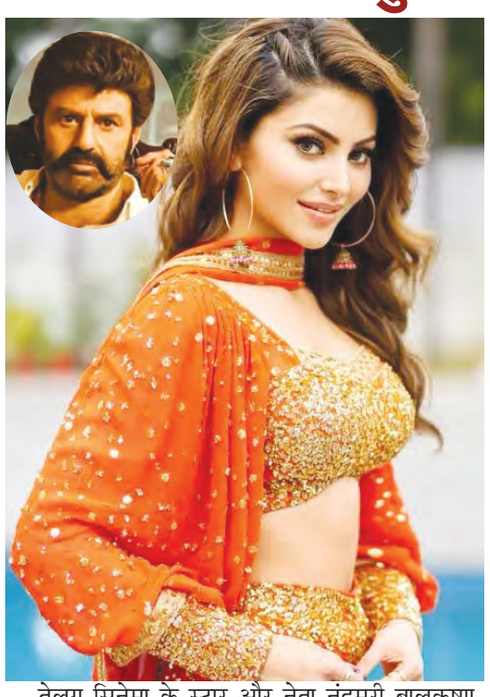

तेलुगु सिनेमा के स्टार और नेता नंदमुरी बालकृष्ण फिल्मों के अलावा अपने बयानों और बेबाक स्वभाव को लेकर भी अक्सर चर्चाओं में रहते हैं। कई बार उनके बयान या व्यवहार विवादों को भी जन्म देते हैं। अब उर्वशी रौतेला ने नंदमुरी बालकृष्ण के साथ अपने कोलैबोरेशन और फिल्म से जुड़े विवादों पर अपनी राय रखी। उन्होंने सेट पर नंदमुरी के व्यवहार और फैंस के साथ उनकी चर्चित बातचीत पर अपना अलग नजरिया रखा।

उनके साथ काम करना मेरा सौभाग्य

उर्वशी रौतेला ने नंदमुरी बालकृष्ण के साथ 'डाकू महाराज' के अपने वायरल गाने और उससे जुड़े विवादों पर बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे नहीं पता कि कैसे विवाद शुरू हुआ। कभी-कभी ऐसा होता है कि एक बात दूसरी बात को जन्म देती है, फिर तीसरी, चौथी को, ऐसा ही हुआ था। नंदमुरी बालकृष्ण के साथ काम करना वाकई बहुत ही शानदार था। अगर आप फिल्म देखें, तो हमारे एक्शन सीक्वेंस भी जरूर देखें, वे वाकई कमाल के हैं। उनके साथ काम करने को मेरा सौभाग्य है।

फैंस को पसंद है उनका व्यवहार

नंदमुरी बालकृष्ण अक्सर फैंस के साथ अपने व्यवहार और बातचीत को लेकर चर्चाओं में रहते हैं। इस दौरान कई बार वो आक्रामक प्रतिक्रिया देते या फोन फेंकते हुए भी नजर आए। इन वीडियोज को लेकर उर्वशी ने कहा कि मैंने कई बार देखा है और यह हमेशा ऐसा ही होता था। यह सब देखना पहले बहुत मजेदार होता था। फैंस हमेशा नाराज़ नहीं होते। वे भी इसे पसंद करते हैं, वे भी खुश होते हैं।

हंसमुख और सरल स्वभाव के हैं नंदमुरी

नंदमुरी से जुड़ा एक किस्सा साझा करते हुए उर्वशी ने बताया कि पिछले साल वैलेंटाइन डे पर बालकृष्ण गारू पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने मुझे विश किया था। एक्ट्रेस ने उन्हें मिलनसार और एनर्जेटिक बताया। बालकृष्ण की कथित गुस्से वाली इमेज को लेकर उर्वशी ने कहा कि ऐसा नहीं है कि वो हमेशा गुस्से में ऐसे ही होते हैं। वो बहुत ही सरल स्वभाव के हैं और लोगों से खासकर बच्चों से बात करना उन्हें बहुत पसंद है। वो बहुत ही बचकाने और हंसमुख स्वभाव के हैं और जाहिर है कि वो एक बहुत बड़े सुपरस्टार हैं।

'डाकू महाराज' में नंदमुरी के साथ नजर आई थीं उर्वशी

उर्वशी रौतेला साल 2025 में आई फिल्म 'डाकू महाराज' में नंदमुरी बालकृष्ण के साथ नजर आई थीं। यह एक एक्शन-पैक्ड फिल्म थी। फिल्म का गाना 'दबिड़ि दबिड़ि' अपने विवादित डांस स्टेप्स को लेकर काफी विवादों में भी रहा था।

तृषा कृष्णन ने शेयर किए थलापति विजय के कई सीक्रेट्स, आप भी रह जाएंगे हैरान

राजनीति में विजय भले ही तूफान ला रहे हों, इसी बीच तृषा कृष्णन का एक पुराना इंटरव्यू फिर से चर्चा में है। इसमें तृषा ने विजय के बारे में ऐसी बातें बताई हैं, जिन्हें सुनकर कोई भी हैरान रह जाएगा।

विजय और तृषा दोनों तमिल सिनेमा की बहुत हिट जोड़ी रहे हैं। उनकी फिल्में जैसे 'घिल्ली', 'थिरुपाची', 'आथी' और 'कुरुवी' काफी सफल रही हैं। एक चैट शो 'कॉफी विद अनू' में तृषा ने बताया कि शूटिंग के बीच आमतौर पर सभी कलाकार और क्रू मेंबर साथ बैठकर बातें करते और समय बिताते हैं। लेकिन विजय ऐसा नहीं करते थे।

एक पुराने इंटरव्यू में तृषा ने बताया कि विजय सेट पर किसी कोने में चुपचाप बैठ जाते थे। दीवार की तरफ मुंह करके घंटों वहीं रहते थे। वे हमेशा शांत रहते थे और ज्यादा बात नहीं करते थे। दरअसल, विजय ऐसा बिना वजह नहीं करते थे, बल्कि अगले सीन के बारे में सोचते रहते थे।

इस इंटरव्यू में तृषा ने विजय को बहुत अच्छा इंसान बताया। उन्होंने कहा, ''घिल्ली' के समय शुरू में मेरी उनसे ज्यादा बात नहीं होती थी, क्योंकि विजय बहुत शांत और रिजर्व स्वभाव के हैं। लेकिन धीरे-धीरे हम अच्छे दोस्त बन गए।' तृषा ने आगे कहा, 'मैंने उन्हें कभी गुस्सा करते या अपना आपा खोते नहीं देखा। वे सेट पर बहुत प्रोफेशनल हैं और अपना काम पूरी ईमानदारी से करते हैं। विजय मेरे लिए हमेशा खास रहेंगे।'

तृषा कृष्णन और थलापति विजय - फोटो : सोशल मीडिया

2023 में दोनों ने 15 साल बाद 'लियो' फिल्म में फिर साथ काम किया। 'लियो' की सफलता इवेंट में तृषा ने कहा, 'विजय के साथ फिर काम करना ठीक वैसा ही लगा जैसे स्कूल के पुराने दोस्त से मिलना। वही अपनापन और प्यार महसूस हुआ। मेरे 20 साल के करियर में सबसे लंबा सफर विजय के साथ रहा है।'

हर फिल्म से जुड़ी याद को इस तरह संभालते हैं प्रभास
निजी तौर पर देखते हैं अपना फिल्मी सफर

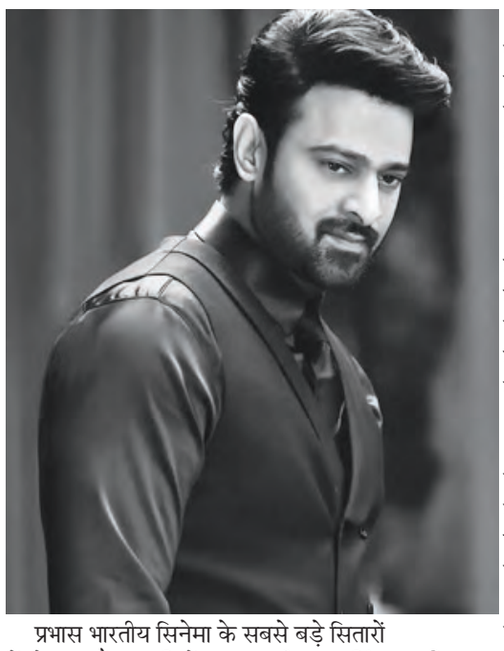

प्रभास भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं। इन दिनों वह अपनी अपकमिंग फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उनके बारे में एक नई बात सामने आई है। इससे उनके निजी पहलू के बारे में पता चलता है।

क्या है प्रभास की पुरानी आदत?

प्रभास की एक पुरानी आदत है। वह यह कि वह जिस भी फिल्म में काम करते हैं, उससे जुड़ी कोई एक खास चीज अपने घर ले आते हैं। इसे वह सिर्फ दिखाने के लिए नहीं, बल्कि अपनी जिंदगी और करियर के उस दौर की याद के तौर पर रखते हैं।

प्रभास ने अपने पास रखी ये चीजें

सूत्र ने बताया कि यह परंपरा प्रभास के करियर की शुरुआत से ही उनके सफर का हिस्सा रही है। उन्होंने 'रिबेल' से एक कोट, 'बाहुबली' की मशहूर तलवार, 'साहो' से एक बाइक और कार, 'सालार' से उनकी खास बंदूक और 'कल्कि 2898 AD' में इस्तेमाल हुई भविष्य की गाड़ी 'बुज्जी' का एक हिस्सा अपने घर ले गए। उनके लिए ये सिर्फ चीजें नहीं हैं, बल्कि ये ऐसी यादें हैं जो उन्हें उनके पूरे सफर की याद दिलाती रहेंगी।

अपनी यादों से जुड़े हैं प्रभास

इन वर्षों में, प्रभास ने ऐसी कई फिल्मों में काम किया है, जिनका लोगों पर गहरा असर पड़ा है। जो चीजें उन्होंने अपने पास रखी हैं, वे उनके इसी सफर को दिखाती हैं।

प्रभास को 'बाहुबली' से जबरदस्त शोहरत मिली है। यह फिल्म दुनियाभर में काफी मशहूर हुई है। इसके बावजूद प्रभास को एक ऐसे इंसान के तौर पर देखा जाता है जो अपने काम और उससे जुड़ी यादों से गहराई से जुड़ा रहता है।

फिल्मी सफर को यादगार बनाना चाहते हैं प्रभास

अभिनेताओं का अपनी फिल्मों के कॉस्ट्यूम या चीजें अपने पास रखना कोई नई बात नहीं है। मगर प्रभास जिस तरह हर प्रोजेक्ट में लगातार ऐसा करते हैं, उससे यह साफ पता चलता है कि वह अपने फिल्मी सफर को कितना यादगार बनाना चाहते हैं और उसे कितने निजी तौर पर देखते हैं।

'द वार्ड' से रियलिटी शो की होस्टिंग में डेब्यू करेंगी रुबीना दिलैक, मातृत्व पर आधारित है शो

मूविंग इमेज स्टूडियोज ने अपने नए नॉन-फिक्शन शो 'द वार्ड' की घोषणा कर दी है, जिसे रुबीना दिलैक होस्ट करेंगी। यह एक रियलिटी शो है, जो मां बनने की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक सच्चाइयों को बहुत सही तरीके से दिखाएगा।

शो में क्या होगा खास?

इस शो में 10 गर्भवती महिलाएं 10 दिनों तक एक छत के नीचे रहेंगी। इस शो को मेटरनिटी वार्ड जैसी सेटिंग में फिल्माया गया है। यह शो, मां बनने की राह पर उनकी असली भावनाओं, विचारों और रिश्तों को ईमानदारी से दिखाएगा। ये महिलाएं अलग-अलग क्षेत्रों से आई हैं। वे धीरे-धीरे अपने निजी अनुभव साझा करेंगी, एक-दूसरे से जुड़ेंगी और बातें करेंगी। इन बातों में शामिल होंगे- समाज की उम्मीदें, लड़कियों के प्रति भेदभाव, करियर की चाहत, परिवार में बदलते रिश्ते और मां बनने की चुनौतियां। रुबीना दिलैक सिर्फ होस्ट नहीं हैं, बल्कि वे सहानुभूति और समझ के साथ इन महिलाओं से जुड़ेंगी। खुद नई मां होने के नाते वे अपने अनुभव भी साझा करेंगी और सभी को सहारा देंगी। यह शो 15 मई को यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगा।

प्रतिभागियों के पति और परिवार वाले भी इस सफर का हिस्सा बनेंगे। वे साथ रहकर सीखेंगे, समझेंगे और रिश्तों को मजबूत करेंगे। शो में 24 घंटे कैमरा, डॉक्टरों की देखभाल और गहरी कहानी सुनाई जाएगी। इससे मातृत्व के सच्चे, कच्चे और दिल को छूने वाले पलों को दिखाया जाएगा।

शो को लेकर रुबीना दिलैक की राय

रुबीना ने अपने सोशल मीडिया पर शो का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'मां बनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा और भावनात्मक सफर रहा है। यह बहुत खूबसूरत है, लेकिन इतना मुश्किल भी कि कोई आपको पहले से तैयार नहीं कर सकता। 'द वार्ड' उन अनकही भावनाओं को दिखाता है, जिन्हें हम अंदर ही दबा लेते हैं। यह मेरा पहला रियलिटी शो है और मैं कह सकती हूं कि यह हर किसी के लिए भावनाओं का रोलरकोस्टर होगा।'

'देश की संप्रभुता को चुनौती देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा'

वर्षगांठ पर बोलीं राष्ट्रपति मुर्मू

> पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले का भारतीय सेना ने सटीक और कड़ा जवाब दिया। हमें धमकाने की कोशिश करने वालों को पता होना चाहिए कि देश सतर्क, एकजुट और मजबूती से जवाब देने के लिए तैयार है।
>
> द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

कोलकाता, 7 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद और देश की संप्रभुता को चुनौती देने वाली ताकतों के खिलाफ भारत के अटूट संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस मिशन की बड़ी सफलता भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, संकल्प और पेशेवर क्षमता को दर्शाती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले का भारतीय सेना ने सटीक और कड़ा जवाब दिया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि भारत को धमकाने की कोशिश करने वालों को पता होना चाहिए कि देश सतर्क, एकजुट और मजबूती से जवाब देने के लिए तैयार है। राष्ट्रपति ने देश की ओर से सैनिकों की वीरता, बलिदान और समर्पण को सलाम किया।

राजनाथ सिंह ने समर्पण को किया नमन

इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, बलिदान और समर्पण को नमन किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान सेना के जवानों ने जिस अद्वितीय सटीकता, बेहतरीन तालमेल और तीनों सेनाओं के बीच मजबूत समन्वय का प्रदर्शन किया, वह आधुनिक सैन्य अभियानों के लिए एक नया मानक बन गया है।

हर चुनौती से निपटने को तैयार हैं हमारे जवान

रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर राष्ट्रीय संकल्प, तैयारी और सैन्य क्षमता का शक्तिशाली प्रतीक है। यह अभियान दिखाता है कि भारतीय सशस्त्र बल हर चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में निर्णायक कार्रवाई के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

ऑपरेशन सिंदूर बना सैन्य ताकत और आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक

उन्होंने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत के आत्मनिर्भरता अभियान की दिशा में लगातार बढ़ते कदमों का प्रमाण है। रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी क्षमता और तकनीक के बढ़ते उपयोग ने देश की सैन्य ताकत और लचीलापन दोनों को मजबूत किया है। रक्षा मंत्री ने इससे संबंधित 59 सेकंड का वीडियो भी शेयर किया है। इस वीडियो में उन्होंने चेतावनी दी है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जब भी कोई कार्रवाई करेगा तो आतंकवादियों और उनके आकाओं की सरहद पार की जमीन भी सुरक्षित नहीं रहेगी।

ऑपरेशन सिंदूर के हुए आज एक साल

भारत की तरफ से पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह करने के लिए चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को शुरू हुए आज एक साल हो गए हैं। 22 अप्रैल 2025 को जब पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी तो पाकिस्तान की इस नापाक साजिश और उसकी हरकतों को भारत ने यूं ही नजरअंदाज नहीं किया, बल्कि एक बार फिर पाकिस्तान में घुसकर कई आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। 7 मई की तड़के सुबह भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया। भारतीय बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मौजूद नौ आतंकी प्रशिक्षण शिविरों पर सटीक एयरस्ट्राइक की। इसमें कई आतंकी मारे गए और आतंकी ढांचों को तबाह कर दिया गया। भारत के इन हमलों में 100 से ज्यादा आतंकी भी मारे गए थे।

शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या पर भड़कीं प्रियंका चतुर्वेदी

चुनाव के नतीजों का जिक्र कर कह दी बड़ी बात

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने जबरदस्त जीत हासिल की है, इसके साथ राज्य में कई जगहों पर हिंसा की घटना सामने आई।

बीजेपी नेता व विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की हत्या के बाद से राजनीतिक माहौल गरमा गया है। अब इस मामले पर शिवसेना (यूबीटी) की पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने चंद्रनाथ रथ की हत्या पर दुख जताते हुए कहा, चुनाव के नतीजे किसी भी हालत में ऐसी हिंसा को जन्म नहीं दे सकते, जिससे राज्य की कानून-व्यवस्था बिगड़ जाए।

स्तब्ध और दुखी हूं...: प्रियंका चतुर्वेदी

प्रियंका चतुर्वेदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'सुबह उठकर शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की लक्षित हत्या की खबर सुनकर मैं स्तब्ध और दुखी हूं। चुनाव के नतीजे ऐसी हिंसा को जन्म नहीं दे सकते और न ही देना चाहिए, जो राज्य में कानून-व्यवस्था को पटरी से उतार दे।' उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि पश्चिम बंगाल पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि इस जघन्य अपराध के पीछे जो भी आरोपी हैं, उन्हें कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा मिले। चंद्रनाथ रथ के परिवारवालों, उनके दोस्तों, सहकर्मियों और अधिकारी के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।' उन्होंने ॐ शांति लिखते हुए दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी।

'आतंकी जानते हैं कहीं छिप नहीं सकते'

पाकिस्तान को इजरायल का सख्त संदेश ऑपरेशन सिंदूर पर सुना दिया

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। इजरायल बृहस्पतिवार को ऑपरेशन सिंदूर के साल भर पूरे होने के अवसर पर एक बार फिर भारत के प्रति अपना समर्थन जताया है। भारत में इजरायल के राजदूत रुवेन अजार ने पाकिस्तान को साफ और सख्त मैसेज देते हुए कहा है कि आतंकी जानते हैं कि उनके लिए छिपने की कोई जगह नहीं है। बीते साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके (पीओके) में 7 मई, 2025 को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसमें कई आतंकी ठिकाने तबाह कर दिए गए थे।

ऑपरेशन सिंदूरः इजरायल ने पाकिस्तान को सख्त संदेश

सोशल मीडिया एक्स पर किए गए एक पोस्ट में भारत में इजरायल के राजदूत रुवेन अजार ने कहा- ऑपरेशन सिंदूर के एक साल। निर्दोष के खिलाफ अपने गंभीर अपराध करने वाले आतंकी अब जानते हैं कि उनके लिए छिपने की कोई जगह नहीं है। अजार ने बीते साल की अपनी पोस्ट भी शेयर की, जिसमें इजरायल ने भारत के 7 मई, 2025 को आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन को सही ठहराया था। उस वक्त भी अजार ने कहा था कि भारत को अपनी आत्मरक्षा का अधिकार है। आतंकी जानते हैं कि उनके लिए अब छिपने की कोई जगह नहीं है।

पाकिस्तान को भरोसेमंद नहीं मानता है इजरायल

हाल ही में अमेरिका-ईरान युद्ध को रोकने के लिए मध्यस्थता की कोशिशों में लगे नापाक पाकिस्तान की नीयत पर भी इजरायल ने संदेह जताया था। रुवेन अजार ने तब भी कहा था-हम पाकिस्तान को भरोसेमंद खिलाड़ी नहीं मानते हैं। मेरा मानना है कि अमेरिका ने अपनी वजहों से पाकिस्तान की सुविधा का इस्तेमाल किया है।

'सीएम मान और केंद्रीय मंत्री बिट्टू को उड़ा देंगे'

जालंधर-फरीदकोट में स्कूलों को भी उड़ाने की धमकी

जालंधर, 7 मई (एजेंसियां)। पंजाब के सीएम भगवंत मान शुकराना यात्रा के दौरान आज जालंधर और फरीदकोट में हैं। दोनों जिलों के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी भरे ईमेल में सीएम मान और केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू को कार बम से उड़ाने की भी बात लिखी गई है। जालंधर में बीएसएफ चौक के पास एक्टिवा ब्लास्ट के बाद अब निजी स्कूलों को मिली धमकियों ने प्रशासन की चिंता और बढ़ा दी है।

जानकारी के अनुसार, बीएमसी चौक स्थित एपीजे स्कूल को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद स्कूल प्रबंधन ने तुरंत एहतियातन सभी छात्रों की छुट्टी कर उन्हें घर भेज दिया। धमकी की सूचना मिलते ही स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और पुलिस व प्रशासनिक टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। पूरे इलाके की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और स्कूल परिसर की गहन जांच की जा रही है।

अपराधों में छह फीसदी की आई कमी

एससी-एसटी मामलों में भी गिरावट महिलाओं के खिलाफ अपराध भी घटे

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। देश में आपराधिक मामलों में कमी आई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2024 के दौरान 58.85 लाख अपराध दर्ज किए गए, जो 2023 के 62.41 लाख मामलों की तुलना में लगभग 6 प्रतिशत कम हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अपराध दर (प्रति लाख आबादी पर दर्ज मामलों की संख्या) भी घटकर 2023 के 448.3 से 2024 में 418.9 हो गई है। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं के तहत दर्ज हर्ट (चोट) से जुड़े मामलों में 30.58 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी आई है। साल 2023 में जहां 6.36 लाख से अधिक मामले दर्ज किए गए थे, वहीं 2024 में यह घटकर 4.41 लाख रह गए। रिपोर्ट में बताया गया कि यह कमी भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद कानूनी बदलावों के कारण भी हो सकती है।

अपराध में विवाद सबसे बड़ा कारण

वर्ष 2024 में हत्या के 27,049 मामले दर्ज हुए, जो 2023 की तुलना में 2.4 प्रतिशत कम हैं। इन मामलों में विवाद सबसे बड़ा कारण रहा। महिलाओं के खिलाफ अपराधों में भी 1.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। 2024 में 4.41 लाख मामले सामने आए, जबकि 2023 में यह संख्या 4.48 लाख थी। पति या रिश्तेदारों की क्रूरता ऐसे मामलों का प्रमुख कारण रहा।

एससी/एसटी के खिलाफ अपराध घटे

अनुसूचित जातियों (एससी) के खिलाफ अपराध 3.6 प्रतिशत घटकर 55,698 रह गए, जबकि अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के खिलाफ मामलों में 23.1 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई और ये 9,966 रह गए। साल 2024 में अपराध के विभिन्न वर्गों में गिरावट दर्ज की गई।

3.59 लाख किलो विस्फोटक जब्त

रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में देशभर में 3.59 लाख किलो से अधिक विस्फोटक जब्त किए गए। इसमें से 3,56,781.007 किलोग्राम यानी 99 प्रतिशत से भी अधिक अन्य लोगों, जैसे अपराधियों और तस्करों से जब्त किया गया। जबकि केवल 2,304 किलोग्राम उग्रवादियों और आतंकियों से जब्त हुए। अन्य विस्फोटक (जैसे आरडीएक्स व गनपाउडर) की सबसे बड़ी हिस्सेदारी रही, जो 3,48,108 किलो थी। इसमें 3,45,833 किलोग्राम गैर-आतंकी तत्वों से और 2,274 किलोग्राम उग्रवादियों से जब्त हुए।

ऑपरेशन सिंदूर : पीएम मोदी समेत कई मंत्रियों ने बदली अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल

सेना के पराक्रम को सराहा

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत केंद्र सरकार के कई वरिष्ठ मंत्रियों ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रोफाइल तस्वीर बदलकर भारतीय सेना को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी विशेष तस्वीर लगाकर इस सैन्य अभियान में शामिल जवानों के साहस और बलिदान को सम्मान दिया। प्रधानमंत्री के इस कदम के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्माला सीतारमण और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल समेत कई नेताओं ने भी अपनी प्रोफाइल तस्वीर बदलकर ऑपरेशन सिंदूर को श्रद्धांजलि दी। भारत आज यानी 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मना रहा है। पिछले साल भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी ठिकानों पर सटीक कार्रवाई करते हुए इस सैन्य अभियान को अंजाम दिया था। यह कार्रवाई 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने 26 निर्दोष लोगों की हत्या कर दी थी। इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली थी। भारतीय सेना ने वर्षगांठ पर सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत की प्रतिक्रिया सटीक, संतुलित और निर्णायक थी। देश की संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। न्याय किया गया। जय हिंद। वहीं,

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ मुख्यालय ने ऑपरेशन सिंदूर को राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक बताया।

भारतीय सेना ने जारी किया विशेष वीडियो

सेना ने इस मौके पर एक विशेष वीडियो भी जारी किया, जिसमें ऑपरेशन की तैयारी, रणनीति और आतंकी ठिकानों पर किए गए सटीक हमलों को दिखाया गया। वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी का वह सख्त संदेश भी शामिल था, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत हर आतंकी और उसके समर्थकों की पहचान करेगा, उन्हें खोजेगा और सजा देगा। वीडियो में प्रधानमंत्री का एक और संदेश भी दिखाया गया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंक और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। आतंक और व्यापार एक साथ नहीं हो सकते। पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। इसे पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत के कड़े रुख के तौर पर देखा गया।

ऑपरेशन सिंदूर के आज पूरे हुए एक साल

22 अप्रैल 2025 को हुए पहलगाम आतंकी हमले में आतंकियों ने धर्म पूछकर लोगों को निशाना बनाया था। हमलावरों ने गैर-मुस्लिमों की पहचान करने के लिए उन्हें कलमा पढ़ने को मजबूर किया था। इस हमले में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय पोनी ऑपरेटर की मौत हुई थी, जिसने पर्यटकों को बचाने की कोशिश की थी। कई नवविवाहित जोड़े भी हमले का शिकार बने थे। हमले के जवाब में भारतीय सेना ने 6-7 मई 2025 की रात 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया। अधिकारियों के मुताबिक यह कार्रवाई सीमित, संतुलित और गैर-उत्तेजक सैन्य अभियान था, जिसका लक्ष्य पाकिस्तान और पीओके में मौजूद बड़े आतंकी ठिकानों को नष्ट करना था।

खाई में गिरी कार, तीन युवकों की मौत

अल्मोड़ा, 7 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के अल्मोडा में एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। यह हादसा भतरौजखान क्षेत्र में हुआ, जिसने पूरे इलाके को झकझोर दिया। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद पुलिस ने तीनों शवों को अपने कब्जे में लिया और पोस्ट मार्टम के लिए अस्पताल भेजा। इसके बाद पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू की। जानकारी के अनुसार, डायल 112 को सूचना मिली कि एक गाड़ी (नंबर यूके04 एफ 6683) की नंबर प्लेट सड़क पर पड़ी है और एक व्यक्ति घायल अवस्था में दिखाई दे रहा है, जबकि वाहन मौके पर नहीं था। आशंका जताई गई कि वाहन खाई में गिर गया है। सूचना मिलते ही थाना भतरौजखान पुलिस, एसडीआरएफ, 108 सेवा, राजस्व और स्वास्थ्य विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। रेस्क्यू अभियान के दौरान खाई में गिरी कार बरामद हुई। वाहन में सवार तीन लोगों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। बताया गया कि हादसे के समय कार में तीन युवक सवार थे। यह घटना इतनी भयंकर थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। पता चला कि तीनों युवक जागर का कार्य करते थे और रात में ग्राम चमोली पुसैला में जागर कार्यक्रम से लौट रहे थे।

सम्राट चौधरी मंत्रिमंडल में विजय सिन्हा दिलीप जायसवाल, निशांत हुए शामिल

राज्यपाल ने दिलाई पद व गोपनीयता की शपथ

पटना, 7 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मंत्रिमंडल का गुरुवार को विस्तार किया जा रहा है। पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने विजय सिन्हा, दिलीप जायसवाल, श्रवण कुमार, निशांत कुमार और लेसी सिंह को मंत्री पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में नीतीश मिश्रा समेत पांच मंत्रियों ने भी एक साथ शपथ ली। रामकृपाल यादव, नीतीश मिश्रा, दामोदर रावत, संजय सिंह टाइगर, अशोक चौधरी ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इसके अलावा मदन सहनी, भगवान सिंह कुशवाहा, अरुण शंकर प्रसाद, संतोष कुमार सुमन, रमा निषाद भी सम्राट चौधरी मंत्रिमंडल में शामिल हुए हैं। रत्नेश सदा, कुमार शैलेंद्र, शीला कुमार, केदार प्रसाद गुप्ता, लखेंद्र कुमार रौशन ने मंत्री पद और गोपनीयता की शपथ ली है। गांधी मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव, राज्यसभा सांसद और बिहार के प्रभारी विनोद तावड़े, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित एनडीए के कई प्रमुख नेता शामिल हुए।

बता दें कि पिछले महीने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद भाजपा के नेतृत्व में बिहार में पहली बार सरकार बनी और सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ जदयू के बिजेन्द्र प्रसाद यादव और विजय कुमार चौधरी उप मुख्यमंत्री बने। बिहार एनडीए में भाजपा और जदयू के अलावा लोजपा (रामविलास), हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक मोर्चा शामिल हैं।

नेता समेत तीन लोगों ने किशोरी से किया सामूहिक दुष्कर्म, निर्वस्त्र हाथ-पैर बांधकर छोड़ा

चम्पावत, 7 मई (एजेंसियां)। चंपावत के सल्ली क्षेत्र में हथियारों के बल पर 16 वर्षीय छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। तल्लादेश के भाजपा के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत समेत तीन लोगों पर नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगा है। पीड़िता के पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने पॉक्सो समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

घटनास्थल पर जाकर फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य संकलन किए। बुधवार को चंपावत कोतवाली में एक व्यक्ति ने तहरीर देकर तीन लोगों पर उसकी नाबालिग बेटी से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया। तहरीर में पिता ने बताया है वह एक बीमार रहते हैं। उनका इलाज कराने के लिए उनकी बेटी उन्हें गांव से चंपावत लाई थी। उन्होंने बताया कि बीती पांच मई को उनकी नाबालिग बेटी शाम को घर नहीं लौटी।

इसरो की चेतावनी : सूर्य की तीव्रता धरती पर गिरा रही पुराने उपग्रह, बढ़ती गर्मी से अंतरिक्ष में रुकावट

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। सूर्य के बढ़ते तेवर धरती पर समय से पहले ही पुराने उपग्रह गिरा रहे हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष में बढ़ते कचरे पर चेताते हुए यह जानकारी साझा की है। इसरो के नेतृत्व में किए गए एक नए अध्ययन में पुष्टि हुई है कि सूर्य की बढ़ती सक्रियता के कारण पृथ्वी की निचली कक्षा में मौजूद मृत सैटेलाइट और मलबे अपनी निर्धारित कक्षा से समय से पहले नीचे गिर रहे हैं।

तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) की स्पेस फिजिक्स लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों ने पहली बार यह साबित किया है कि सौर गतिविधि के आधार पर यह अनुमान लगाया जा सकता है कि अंतरिक्ष मलबा कितनी तेजी से नीचे गिरेगा। फ्रंटियर्स इन एस्ट्रोनॉमी एंड स्पेस साइंसेज में प्रकाशित इस शोध के अनुसार, जब सूर्य 11 साल की सक्रियता के चक्र के 67% के स्तर को पार कर लेता है, तब मलबे के नीचे गिरने की गति बढ़ जाती है।

ऐसे करता है काम

अध्ययन की मुख्य लेखिका आयशा एम. अशरफ के अनुसार, तीव्र सौर गतिविधि के दौरान सूर्य अत्यधिक पराबैंगनी विकिरण और आवेशित कण उत्सर्जित करता है। इससे पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल (थर्मोस्फीयर) की गैसें गर्म होकर फैलती हैं, इसके चलते वायुमंडल का घनत्व बढ़ जाता है। यह बढ़ा हुआ घनत्व अंतरिक्ष में ड्रैग (अवरोध) पैदा करता है, जो सैटेलाइट्स की गति धीमी कर उन्हें नीचे की ओर खींचने लगता है।

36 वर्षों के डाटा विश्लेषण के आधार पर निकला निष्कर्ष

वैज्ञानिकों ने 1960 के दशक में लॉन्च किए गए मलबे के 17 टुकड़ों की गतिविधियों का 36 वर्षों (सौर चक्र 22 से 24 तक) तक बारीकी से अध्ययन किया। ये टुकड़ा 600 से 800 किमी की ऊंचाई पर स्थित थे। चूंकि इस मलबे में खुद को नियंत्रित करने के लिए ईंधन नहीं होता, इसलिए ये वायुमंडलीय परिवर्तनों को समझने के लिए सटीक माध्यम साबित हुए। वैज्ञानिकों ने कहा, ये खोज भविष्य में अंतरिक्ष मिशनों की योजना बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सक्रिय सैटेलाइट को कक्षा में रोकने के लिए अधिक ईंधन की आवश्यकता : अध्ययन में यह भी कहा गया है कि सक्रिय सैटेलाइट्स को अपनी कक्षा बनाए रखने के लिए अधिक ईंधन की आवश्यकता होगी। मलबे के तेजी से रास्ता बदलने के कारण स्पेसएक्स जैसे मेगा-कॉन्स्टेलेशन और अन्य उपग्रहों के बीच टक्कर (स्टारलिंक) का जोखिम बढ़ सकता है। अब सैटेलाइट ऑपरेटरों को मिशन डिजाइन करते समय सौर संक्रमण सीमा का ध्यान रखना होगा।

चांदी 2318 बढ़कर 2.51 लाख किलो पर पहुंची

इस साल 21 हजार महंगी हो चुकी, सोना आज 377 बढ़कर 1.51 लाख के पार निकला

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 7 मई को बढ़त है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 377 रुपए बढ़कर 1.51 लाख रुपए के पार निकल गया है। वहीं चांदी 2318 रुपए बढ़कर 2.51 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। 2026 में सोना अब तक 18 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इस साल चांदी 19 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब बढ़कर 2.51 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। विदेशी निवेशकों की बिकवाली के दबाव के बीच घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। पूरे कारोबारी सत्र में उतार-चढ़ाव के बाद प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 114.00 (0.14%) अंकों की गिरावट के साथ 77,844.52 के स्तर पर बंद हुआ। 50 शेयरों वाला निफ्टी 4.30 (0.02%) अंक टूटकर 24,326.65 पर लगभग सपाट बंद हुआ।लगातार हो रही विदेशी फंड्स की निकासी और बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों ने बेहद सतर्क रुख अपनाया, जिसका असर प्रमुख बेंचमार्क सूचकांकों पर पड़ा। दिनभर के अस्थिर कारोबार के बाद, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 114 अंक या 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,844.52 के स्तर पर बंद हुआ।ट्रेडिंग सत्र के दौरान सेंसेक्स ने 78,384.70 का उच्च और 77,713.21 का निचला स्तर छुआ, जो करीब 671 अंकों के भारी उतार-चढ़ाव को दर्शाता है। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 4.30 अंक या 0.02 प्रतिशत के मामूली नुकसान के साथ 24,326.65 पर बंद हुआ। सेक्टर और प्रमुख स्टॉक्स का हाल बाजार की इस उठापटक में कई दिग्गज कंपनियों के शेयरों पर असर दिखाः नुकसान वाले शेयरः हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, टाइटन, सन फार्मा और आईटीसी जैसे बड़े शेयर प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। मुनाफे वाले शेयरः दूसरी ओर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और टाटा स्टील के शेयरों में खरीदारी दिखी और ये बढ़त के साथ बंद हुए।

बाजार में इस सुस्ती और दबाव की सबसे बड़ी वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों की आक्रामक बिकवाली रही है। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने सिर्फ बुधवार को ही 5,834.90 करोड़ रुपये मूल्य के इक्विटी शेयर बेचे। लेमन मार्केट्स डेस्क के रिसर्च एनालिस्ट गौरव गर्ग के अनुसार, एफआईआई की निकासी और कमजोर वैश्विक संकेतों ने बाजार पर नकारात्मक असर डाला है। इसके साथ ही भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने भी निवेशकों के जोखिम लेने की क्षमता और उनके आत्मविश्वास को सीमित कर दिया है।वैश्विक मोर्चे पर, कच्चे तेल के बेंचमार्क में 2.23 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 99 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। अगर एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225, शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए, जबकि यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

चीन ने चुपचाप मान लिया, अपने टॉप बैंकों को दी हिदायत, भारत के लिए संकेत

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)।ईरानी तेल पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रतिबंधों के बीच चीन ने एक अहम उठाया है। उसके फाइनेंशियल रेगुलेटर ने देश के सबसे बड़े बैंकों को निर्देश दिया है। हिदायत यह दी गई है कि वे उन पांच रिफाइनरियों को अस्थायी रूप से नया कर्ज देना बंद कर दें, जिन्हें ईरानी कच्चे तेल के आयात से जुड़े होने के कारण हाल ही में अमेरिका के प्रतिबंधों का निशाना बनाया गया है। ट्रंप के फरमान को चीन की ओर से चुपचाप मानना कई लिहाज से महत्वपूर्ण है। भारत के लिए इसमें संकेत छुपे हैं। आइए, यहां इस गुत्थी को समझते हैं।

इस कदम के पीछे का बैकग्राउंड

अमेरिका ने ईरानी तेल निर्यात को सीमित करने के अपने प्रयासों को तेज कर दिया है।

क्रूड ऑयल एक्सपोर्ट तेहरान के लिए कमाई का प्रमुख जरिया है। पिछले महीने के अंत में ट्रेजरी डिपार्टमेंट के 'ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स

कंट्रोल' ने हेंगली पर प्रतिबंध लगा दिए। यह क्रूड प्रोसेसिंग सेक्टर में चीन की सबसे प्रमुख और अच्छी तरह से जुड़ी कंपनियों में से एक है।वॉशिंगटन ने बैंकों को यह भी चेतावनी दी कि अगर वे ईरानी कच्चा तेल खरीदने में शामिल चीनी निजी रिफाइनरियों का समर्थन जारी रखते हैं तो उन्हें 'सेकेंडरी सैंक्शन' का सामना करना पड़ सकता है।

चीन ने अपने बैंकों को दी हिदायत

ब्लूमबर्ग को सूत्रों ने बताया कि 'नेशनल फाइनेंशियल रेगुलेटरी एडमिनिस्ट्रेशन' ने कर्ज देने वाली संस्थाओं को निर्देश दिया है कि वे प्रभावित कंपनियों के साथ अपने फाइनेंशियल रिस्क और कमर्शियल रिलेशंस का दोबारा मूल्यांकन करें। इनमें चीन की सबसे बड़ी निजी रिफाइनरियों में से एक 'हेंगली पेट्रोकेमिकल (डालियान) रिफाइनरी कंपनी' भी शामिल है।जहां बैंकों को फिलहाल इन फर्मों को युआन-मूल्यवर्ग वाले नए कर्ज न देने की सलाह दी गई है। वहीं उन्हें यह भी कहा गया है कि वे मौजूदा कर्जों की तत्काल वापसी की मांग न करें।

चीन का ताजा कदम पुराने रुख से अलग

चीन में 1 मई की लंबी छुट्टी की अवधि शुरू होने से ठीक पहले यह निर्देश जारी किया गया था। यह कदम 2 मई को चीन के वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी एक नोटिस से अलग लगता है। उसमें घरेलू कंपनियों से अमेरिकी प्रतिबंधों को नजरअंदाज करने की अपील की गई थी। उस घोषणा ने बीजिंग की ओर से 2021 में शुरू किए गए एक 'ब्लॉकिंग सिस्टम' के पहले इस्तेमाल की पहचान की। इसका मकसद चीनी व्यवसायों को उन विदेशी उपायों से बचाना है जिन्हें वह अनुचित मानता है। ये घटनाक्रम बीजिंग के सामने मौजूद उस नाजुक संतुलन को दिखाता है जिसके तहत वह एक ओर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ अपना कड़ा रुख बनाए रखना चाहता है। वहीं, दूसरी तरफ अपने प्रमुख सरकारी बैंकों को अमेरिका के 'सेकेंडरी सैंक्शंस' के जोखिम से भी बचाने का इच्छुक है। यह स्थिति दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच सामने आई है। 14-15 मई को बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच होने वाली संभावित बैठक से ठीक पहले यह सब हो रहा है।इस बीच, अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा कि अमेरिका ने दो चीनी बैंकों को वॉर्निंग लेटर भेजे हैं।

1 लाख को 14 करोड़ बना चुका है अनिल अग्रवाल का शेयर

24 साल में दिया है 14,00 गुना रिटर्न

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। कभी सरकारी कंपनी रही हिंदुस्तान जिंक ने पिछले 24 साल में अपने निवेशकों को मालामाल किया है। यह चांदी का उत्पादन करने वाली दुनिया की अग्रणी कंपनियों में शामिल है। सरकार ने 2002 में इस कंपनी में 26 फीसदी हिस्सेदारी बेची थी जिसे अनिल अग्रवाल की कंपनी स्टरलाइट इंटस्ट्रीज ने खरीदा था। बाद में अनिल अग्रवाल की कंपनी ने इसे पूरी तरह खरीद लिया था। 2002 से इस कंपनी के शेयरों ने अपने निवेशकों को 1400 गुना रिटर्न दिया है। अगर आपने 24 साल पहले कंपनी में 1 लाख रुपये का निवेश किया होता तो आज उसकी वैल्यू 14 करोड़ रुपये होती। कंपनी की चेयरमैन प्रिया अग्रवाल हेब्बार ने शेयरहोल्डर्स को भेजी एक चिट्ठी में कहा कि हिंदुस्तान जिंक ने सालाना करीब 33% के ग्रोथ रेट के साथ अपने निवेशकों को 1400 गुना से अधिक रिटर्न दिया है।

सरकार ने 2002 में कंपनी में 26 फीसदी हिस्सेदारी 445 करोड़ रुपये में स्टरलाइट इंडस्ट्रीज को बेची थी। इसके बाद नवंबर, 2003 में 19 फीसदी अतिरिक्त हिस्सेदारी 324 करोड़ रुपये में बेची गई। हेब्बार ने कहा कि वैल्यू क्रिएशन का यह लेवल अनुशासित ऑपरेटिंग मॉडल का प्रतीक है जिसने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

हिंदुस्तान जिंक का कमाल

हिंदुस्तान जिंक ने पिछले 24 साल में अपने निवेशकों को मालामाल किया हैइस दौरान कंपनी के शेयरों ने अपने निवेशकों को 1400 गुना रिटर्न दिया है 1 लाख रुपये निवेश किए होते तो आज उसकी वैल्यू 14 करोड़ रुपये होती यह चांदी का उत्पादन करने वाली दुनिया की अग्रणी कंपनियों में शामिल है

सरकार ने साल 2002 में इस कंपनी में अपनी 26 फीसदी हिस्सेदारी बेची थी

कहां तक जाएगी कीमत

मार्च तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट 68 फीसदी बढ़कर 5,033 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले 3,003 करोड़ रुपये था। इस दौरान कंपनी का रेवेन्यू 49 फीसदी बढ़कर 13,544 करोड़ रुपये पहुंच गया। कंपनी का शेयर आज 1.19% तेजी के साथ 642.05 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इस बीच जेएम फाइनेंशियल ने हिंदुस्तान जिंक के शेयर की बाय रेटिंग बरकरार रखते हुए 765 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 732.60 रुपये है।

विदेशी शराब के बाद अब बीयर बनाने वाली कंपनियों ने भी राज्यों से मांगी दाम बढ़ाने की इजाजत

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव आपके लाइफस्टाइल को महंगा कर रहा है। पहले तो इससे दैनिक उपयोग की चीजों के दाम बढ़े। कल ही खबर आई थी कि इससे इंडिया मेड फॉरेन लिकर या भारत में विदेशी शराब बनाने वाली कंपनियां परेशान हैं। अब बीयर बनाने वालों ने भी यही बात कही है। उनका कहना है कि शीशे की बढ़ती कीमत और उसकी कमी ने परेशान कर दिया है। हालत ऐसी हो गई है कि उन्हें मांग के मुताबिक बढ़ी कीमत देने के बावजूद समय पर बोतलों की सप्लाई नहीं मिल रही है। इसलिए इन्होंने राज्य सरकारों से बीयर की प्राइस में थोड़ी सी बढ़ोतरी की इजाजत मांगी है। भारत में बीयर बनाने वाली कंपनियों का एक संगठन है ब्रूवर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया । इसके महानिदेशक विनोद गिरि ने एनबीटी को बताया कि बीयर बनाने के बाद उसे ग्राहक तक पहुंचाना बड़ा काम है। इसे या तो शीशे की बोतल में पैक करते हैं या फिर एल्यूमिनियम के केन में। भारत में करीब 80 फीसदी बीयर शीशे की बोतल में बिकती है। युद्ध की वजह से देश में शीशा बनाना महंगा हो गया है साथ ही उसकी सप्लाई भी घट गई है।

20 फीसदी बढ़ गई कीमत

विनोद गिरि बताते हैं कि बीयर की कीमत में बोतल का कॉस्ट 40 से 45 फीसदी पड़ता है। फैक्ट्री में बीयर की खाली बोतल 12 से 15 रुपये में मिलती है जबकि एल्यूमिनियम का केन आठ से नौ रुपये में मिलता है। चूंकि बीयर की अधिकतर बिक्री (80%) बोतल में होती है इसलिए पैकिंग भी बोतल में ही करनी होती है। इस समय गैस की कमी से शीशे की बोतल बनाने वाली फैक्ट्रियों में कम उत्पादन हो पा रहा है। साथ ही उनकी लागत बढ़ गई है। इसलिए उन्होंने कीमत में करीब 20 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है।

दैनिक पंचांग

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948**, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष शुक्रवार **08 May 2026**
तिथि - षष्ठी **12-22** तक उपरान्त सप्तमी
नक्षत्र - उत्तराषाढ़ा **21-20** तक रात्रि उपरान्त श्रवण
योग. - शुभ **02-30** रात्रि तक उप शुक्ल
करण - वणिज **12-22** तक उप विष्टी(भद्रा)

विशेष: शुभ पंचमी

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	04-32 बजे
चंद्र	मकर में	वृष	06-16 बजे
मंगल	मीन में	मिथुन	08-16 बजे
बुध	मेष में	कर्क	10-28 बजे
गुरु	मिथुन में	सिंह	12-40 बजे
शुक्र	वृष में	कन्या	14-50 बजे
शनि	मीन में	तुला	16-52 बजे
राहु	कुंभ	वृश्चिक	19-01 बजे
केतु	सिंह में	धनु	21-15 बजे
		मकर	23-22 बजे
		कुंभ	01-21 बजे
		मीन	02-52 बजे

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 10-37 से 12-13 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	05 -52 - 07-24	शुभ	रोग	18-33 - 20-01	अशुभ
लाभ	07-24 - 09-00	शुभ	काल	20-01 - 21-25	अशुभ
अमृत	09-00 - 10-37	शुभ	लाभ	21-25 - 22-49	शुभ
काल	19-37 - 12-13	अशुभ	उत्पात	22-49 - 00-13	अशुभ
शुभ	12-13 - 13-49	शुभ	शुभ	00-13 - 01-36	शुभ
रोग	13-49 - 15-25	अशुभ	अमृत	01-36 - 03-00	शुभ
उत्पात	15-25 - 17-01	अशुभ	चंचल	03-00 - 04-24	शुभ
चंचल	17-01 - 18-33	शुभ	रोग	05-20 - 05-52	अशुभ

हाई कोर्ट पहुंचा टाटा का विवाद

टल सकती है 8 मई को होने वाली टाटा ट्रस्ट्स की मीटिंग?

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। टाटा ट्रस्ट्स का विवाद हाई कोर्ट पहुंच गया है। बंबई हाई कोर्ट में बुधवार को दायर एक याचिका में टाटा ट्रस्ट्स की शुक्रवार को होने वाली अहम बैठक को कैंसिल करने की मांग की गई है। इसमें कहा गया है कि सर रतन टाटा ट्रस्ट ने महाराष्ट्र में ट्रस्टों से जुड़े नियमों में सितंबर 2025 में किए गए संशोधन का उल्लंघन किया है। इसलिए 1 सितंबर, 2025 के बाद लिए गए सभी फैसलों को अवैध करार दिया जाना चाहिए। टाटा ट्रस्ट्स का टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में मैज्योरिटी स्टेक है। इसमें एसआरटीटी का स्टेक 23.56% है। ईटी के मुताबिक यह याचिका सुरेश तुलसीराम पाटिलखेड़े ने दायर की है। उनका तर्क है कि एसआरटीटी का मौजूदा बोर्ड महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट (संशोधन) एक्ट, 2025 के अनुरूप नहीं है। अगर कोर्ट इस याचिका पर तत्काल सुनवाई करता है और याचिकाकर्ता को राहत देता है तो टाटा ट्रस्ट्स को अपनी मीटिंग रोकनी पड़ सकती है। इस मीटिंग को काफी अहम माना जा रहा है क्योंकि इसमें टाटा ट्रस्ट्स ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के बोर्ड में अपने रिप्रजेंटेशन की समीक्षा करने की तैयारी में है। अभी टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन टाटा संस के बोर्ड में ट्रस्ट के नॉमिनी हैं। महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट (संशोधन) ऑर्डिनेंस, 2025 में एक नई धारा जोड़ी गई थी। इसमे तहत स्थायी ट्रस्टियों की संख्या को ट्रस्ट की कुल क्षमता के एक-चौथाई तक सीमित कर दिया गया था। नया नियम पिछले साल 1 सितंबर से लागू हुआ था। याचिका के मुताबिक एसआरटीटी में भी छह ट्रस्टी हैं जिनमें से तीन जिम्मी नवल टाटा, जहांगीर एचसी जहांगीर और नोएल नवल टाटा स्थायी ट्रस्टी हैं।

एपल का भारत में बड़ा 'ग्रीन निवेश'

रिन्यूएबल एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए लगाएगी 100 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी टेक दिग्गज और आईफोन निर्माता कंपनी एपल ने भारत के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक अहम रणनीतिक कदम उठाया है। अपने व्यापक स्थिरता और कार्बन तटस्थता लक्ष्यों को तेजी से पूरा करने के लिए, कंपनी ने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये का निवेश करने की आधिकारिक घोषणा की है।

यह निवेश भारत में पर्यावरण संरक्षण और ग्रीन सप्लाई चेन को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है। एपल ने यह महत्वपूर्ण निवेश भारत की प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा डेवलपर कंपनियों में से एक 'क्लीनमैक्स' के साथ मिलकर करने का फैसला किया है। इस साझेदारी के तहत देशभर में 150 मेगावाट से अधिक की नई नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का निर्माण किया जाएगा। इस नई ऊर्जा क्षमता के प्रभाव का आकलन करते हुए एपल ने बताया कि यह उत्पादित ऊर्जा सालाना लगभग 1.5 लाख भारतीय घरों को बिजली देने के लिए पर्याप्त होगी। कंपनी का विजन यहीं तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले वर्षों में इस क्षमता को और अधिक बढ़ाने की भी योजना है। 2030 कार्बन न्यूट्रल लक्ष्यः इस पहल का प्राथमिक उद्देश्य भारत में एपल के आपूर्ति श्रृंखला संचालन में नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना है। इसके जरिए कंपनी साल 2030 तक अपने पूरे वैश्विक पदचिह्न को 100 फीसदी कार्बन न्यूट्रल बनाने के लक्ष्य की ओर मजबूती से आगे बढ़ रही है। पहले भी हुई थी साझेदारीः यह पहली बार नहीं है जब एपल ने ग्रीन एनर्जी के लिए कदम उठाया है।

इससे पहले भी, अमेरिका स्थित इस कंपनी ने भारत में अपने कार्यालयों और रिटेल स्टोर्स को 100 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा से संचालित करने के लिए 'रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट्स' पर क्लीनमैक्स के साथ साझेदारी की थी।

पर्यावरण के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता

इस निवेश पर प्रतिक्रिया देते हुए, एपल की पर्यावरण और आपूर्ति श्रृंखला

नवाचार उपाध्यक्ष, सारा चांडलर ने कहा, एपल में पर्यावरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता न केवल हमारी जिम्मेदारी है, बल्कि यह पूरी कंपनी और दुनिया भर में नवाचार के लिए एक प्रेरक शक्ति भी है। उन्होंने जोर देकर कहा, हम भारत की स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था में निवेश करने और देश के बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के अपने प्रयासों का विस्तार करने पर गर्व महसूस कर रहे हैं।

प्लास्टिक प्रदूषण और हरित उद्यमिता पर जोर

ऊर्जा बुनियादी ढांचे में सीधे निवेश के अलावा, एपल ने भारत में प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने और हरित उद्यमिता को बढ़ावा देने पर केंद्रित नई साझेदारियों का भी ऐलान किया है।

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) — आप खुद को स्वाभाविक रूप से सुर्खियों की ओर आकर्षित पाएंगे। काम पर अलग-अलग परिस्थितियों को अपनाएं क्योंकि इससे आपको अनोखे अवसर मिलेंगे। आपको सफलता और पहचान मिलना तय है। हालाँकि, अपने कामों में फिजूलखर्ची से बचें।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो) — आत्मविश्वास आपकी उत्पादकता को बढ़ाता है, और नवीन सोच नए विचारों को जन्म देती है। आज का दिन विचार-मंथन और सहयोग के लिए आदर्श है। दूसरों के साथ बातचीत आपके धैर्य की परीक्षा ले सकती है, लेकिन इससे आपको मूल्यवान अंतर्दृष्टि भी मिलती है। शांत रहें, प्रतिक्रिया को स्वीकार करें, और हर बातचीत को व्यक्तिगत नकरे।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह) — आपका आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे आपको अपने करियर में साहसिक कदम उठाने में मदद मिलती है। जिज्ञासा और महत्वाकांक्षा आपको नए विचारों की खोज करने के लिए प्रेरित करती है। स्पष्ट, तार्किक सोच आपके लक्ष्यों का समर्थन करती है, जबकि आपके मजबूत संचार कौशल आपको प्रभाव डालने में मदद करते हैं।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) — आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता काम में आपकी प्रगति में सहायक है। कार्यों को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए अपने समय पर भरोसा रखें, लेकिन कम ऊर्जा या आत्म-संदेह पर नज़र रखें। अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और चुनौतियों का सामना करने के तरीके के बारे में सावधान रहें। ध्यान और आंतरिक शक्ति के साथ, आप समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल कर सकते हैं और दिन को उत्पादक बनाए रख सकते हैं।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) — आप पेशेवर और शैक्षणिक परिस्थितियों में आत्मविश्वास से भरपूर हैं। अब पहल करने और उदाहरण पेश करने का समय है। आपकी विस्तार-उन्मुख मानसिकता जटिल कार्यों को संभालना आसान बनाती है। यदि आप खुले दिमाग से काम करते हैं तो विकास के अवसर सामने आते हैं। उन्हें स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ अपनाएँ, क्योंकि सफलता आपकी पहुँच में है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आपका करियर और पढ़ाई लगातार आगे बढ़ने के लिए तैयार है। आत्मविश्वास और उत्साह आपको प्रेरित रहने में मदद करते हैं, जबकि सामान्य ज्ञान आपको स्थिर रखता है। संतुलित रहने के लिए किसी भी नर्वस ऊर्जा को शारीरिक गतिविधि में लगाएं। मानसिक स्पष्टता बुद्धिमानी से निर्णय लेने में सहायता करती है, और आपका ध्यान गहरा होता है।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) — आपकी रचनात्मकता और अंतर्ज्ञान मिलकर आपको अपने करियर में आगे बढ़ने में मदद करते हैं। तार्किक सोच आपके प्रयासों का समर्थन करती है, जिससे आपको निरंतर प्रगति और अच्छी पहचान मिलती है। लचीलापन आपको अप्रत्याशित बदलावों को अवसरों में बदलते हुए, तेज़ी से समायोजित करने में मदद करता है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू) — आपका करियर आपकी योजना के अनुसार नहीं जा रहा है और आप समझ नहीं पा रहे है की ऐसा क्यों हो रहा है । नए सिरे से इसे शुरू करना सबसे अच्छा उपाय है । सबसे पहले आप अपना बायो डेटा ढ़ंग से तैयार करे और इसे सबसे अधिक प्रासंगिक व्यक्ति को दे , जो की आपने अभी तक नहीं किया है ।

धनु (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) — आपको अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, हालांकि भावनात्मक ट्रिगर निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं। अधिक ध्यान और विस्तार पर ध्यान उत्पादकता का समर्थन करता है। नए अवसर उत्पन्न हो सकते हैं, जो विविध अनुभव प्रदान करते हैं। हालाँकि, लापरवाही और असहिष्णुता से बचें।।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आप अपने काम या पढ़ाई में रचनात्मकता और आत्मविश्वास से भरपूर हैं। रिश्ते सामंजस्यपूर्ण हैं, हालांकि मजबूत भावनाएं बड़े बदलावों को प्रेरित कर सकती हैं। निपुण महिलाओं से मार्गदर्शन महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है। विकास के अवसरों की खोज करते समय संतुलित रहें।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) — आपका करिश्मा आत्मविश्वास बढ़ाता है और आपको पेशेवर रूप से अलग दिखने में मदद करता है। एक अनुशासित मानसिकता स्थिर प्रगति का समर्थन करती है, जबकि आशावाद की भावना विकास के द्वार खोलती है। रिश्तों में तनाव पैदा हो सकता है, इसलिए स्पष्ट और दिल से संवाद करना महत्वपूर्ण है। सामंजस्य बनाए रखने और काम और पढ़ाई दोनों में सफलता प्राप्त करने के लिए संतुलित रहने पर ध्यान दें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) — आज आप अपनी पढ़ाई और नई परियोजनाओं के बारे में उत्साहित महसूस करते हैं। स्पष्ट और दयालु संचार आपको अपने विचारों और भावनाओं को आसानी से साझा करने में मदद करता है। सहायक कनेक्शन टीमवर्क को अधिक आनंददायक और उत्पादक बनाते हैं। खुले और ईमानदार रहें, और आप अपने लक्ष्यों में लगातार प्रगति करते हुए मजबूत, स्थायी संबंध बनाएंगे।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पश्चिम एशिया संकट से निपटने के लिए संजीवनी

एसबीआई बांटेगा 80000 करोड़ तक का लोन, ईसीएलजीएस 5.0 का रोडमैप तैयार

मुंबई, 7 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव से प्रभावित भारतीय कारोबारों को राहत देने के लिए सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय कैबिनेट ने 2.55 लाख करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम को आधिकारिक तौर पर मंजूरी दे दी है। इस दिशा में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने मोर्चा संभालते हुए अपने ग्राहकों को 80,000 करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त वर्किंग कैपिटल लोन देने की रूपरेखा तैयार कर ली है।

एसबीआई की तैयारी और 1.1 करोड़ लाभार्थियों का अनुमान

एसबीआई के चेयरमैन सी. एस. शेट्टी ने जानकारी दी है कि बैंक के पास पात्र ग्राहकों का डेटाबेस पहले से ही मौजूद है। गाइडलाइंस जारी होने के बाद, बैंक के ग्राहकों के लिए 70,000 से 80,000 करोड़ रुपये की ऋण सुविधा उपलब्ध है। शेट्टी ने इस योजना को एक सक्रिय उपाय बताते हुए कहा कि तकनीकी रूप से यह सुविधा सभी के लिए उपलब्ध है, भले ही हर कोई इसका लाभ न ले। एसबीआई के एक व्यापक आकलन के अनुसार, पूरे बैंकिंग सिस्टम में 1.1 करोड़ से अधिक लाभार्थी इस योजना का लाभ उठाने की क्षमता रखते हैं।

डिजिटल प्रक्रिया और कार्यान्वयन

योजना को तेजी से लागू करने के लिए जन समर्थ पोर्टल के माध्यम से डिजिटल प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा रहा है। एसबीआई चेयरमैन को उम्मीद है कि बोर्ड की मंजूरी और अन्य परिचालन संबंधी मुद्दों को अगले 8-10 दिनों में पूरी तरह से सुलझा लिया जाएगा। सचिव नागराजू ने यह भी स्पष्ट किया कि योजना का कुल आकार बैंकों के मौजूदा जोखिम और प्रभावित सेक्टर्स की संभावित मांग के आधार पर ही निर्धारित किया गया है। कोविड-19 महामारी के दौरान लॉन्च किए गए पिछले ईसीएलजीएस संस्करणों का ट्रैक रिकॉर्ड काफी सकारात्मक रहा था। एसबीआई चेयरमैन ने बताया कि उस दौरान इस योजना के तहत डिफ़ॉल्ट दर, औसत एमएसएमई डिफ़ॉल्ट दर की तुलना में कम दर्ज की गई थी।

15 जून से कर सकेंगे नोएडा एयरपोर्ट से यात्रा

शहरों के लिए शुरू हुई टिकटों की बुकिंग

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। नोएडा एयरपोर्ट से उड़ान का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से टिकट बुकिंग आज शाम से शुरू होगी जबकि पहली फ्लाइट सेवा 15 जून से शुरू की जाएगी इस एयरपोर्ट को एयरलाइन और ट्रैवल प्लेटफार्म पर डीएक्सएन कोर्ट से पहचाना जाएगा.

यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के अनुसार नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यौरों से एयरड्रोम सिक्योरिटी प्रोग्राम को मंजूरी मिलने के बाद अधिकारी रूप से उड़ान संचालन की तारीख 15 जून तय की गई है पहली फ्लाइट नोएडा से लखनऊ के बीच संचालित होगी. शुरुआती चरण में इंडिगो एयरलाइंस अपनी सेवाएं शुरू करेगी इसके बाद अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस जैसी अन्य एयरलाइंस भी यहां से उड़ान सेवा शुरू कर सकती है बताया जा रहा है कि यमुना प्राधिकरण की हालिया बोर्ड बैठक में 17 शहरों के लिए उड़ान संचालन का प्रस्ताव रखा गया था. एयरपोर्ट से उड़ान शुरू होने से 30 दिन पहले टिकट बुकिंग शुरू करने का नियम है ऐसे में आज शाम से टिकटों के बिक्री शुरू होने की संभावना है यात्री एयरलाइन की आधिकारिक वेबसाइट मोबाइल एप और अधिकृत ट्रैवल पोर्टल के जरिए टिकट बुक कर सकेंगे.नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की पहचान डीएक्सएन कोड से होगी ऑनलाइन ट्रेवल प्लेटफार्म और फ्लाइट सर्च इंजन पर यह कोड पिछले कुछ महीनो से दिखाई दे रहा है अब टिकट बुकिंग शुरू होने के साथ यह कोड यात्रियों के लिए और अहम हो जाएगा. वही पहले चरण में एयरपोर्ट का निर्माण करीब 1334 हेक्टेयर क्षेत्र में किया गया है इसमें 3900 मीटर लंबा रनवे आधुनिक टर्मिनल भवन एटीसी टावर और कार्गो हब शामिल है.

जेजेएम घोटाले में पूर्व मंत्री महेश जोशी गिरफ्तार

सुबह 4 बजे एसीबी पहुंची घर

जयपुर, 7 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में गुरुवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने जल जीवन मिशन घोटाले में पूर्व पीएचईडी मंत्री महेश जोशी को उनके जयपुर स्थित आवास से गिरफ्तार कर लिया। 900 करोड़ से अधिक के इस घोटाले में एसीबी की यह अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

एसीबी के डीआईजी डॉ. रामेश्वर सिंह के नेतृत्व में SIT की टीम गुरुवार सुबह करीब 4 बजे जयपुर के सैन कॉलोनी स्थित जोशी के आवास पर पहुंची। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के चलते टीम ने उन्हें हिरासत में लिया। जेजेएम घोटाले में यह पहली बार है, जब एसीबी ने सीधे पूर्व मंत्री पर शिकंजा कसा है।

क्या है 960 करोड़ का फर्जी सर्टिफिकेट घोटाला?

यह पूरा मामला केंद्र सरकार की 'जल जीवन मिशन' योजना से जुड़ा है, जिसका उद्देश्य हर घर तक नल से जल पहुंचाना था।

आरोप है कि श्री गणपति ट्यूबवेल और श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनियों ने इरकॉन इंटरनेशनल के फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र लगाकर करोड़ों के टेंडर हासिल किए।

गणपति ट्यूबवेल ने 859.2 करोड़ और श्री श्याम ट्यूबवेल ने 120.25 करोड़ के टेंडर धोखाधड़ी से हथियाए। आरोप है कि महेश जोशी ने मंत्री पद का दुरुपयोग करते हुए इन फर्मों को टेंडर दिलाने के बदले रिश्वत ली।

ईडी के बाद अब एसीबी का शिकंजा

अप्रैल 2025: मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया था।

7 महीने जेल: जोशी करीब 7 महीने जेल में रहे और 3 दिसंबर 2025 को उन्हें सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी।

मई 2026: अब एसीबी ने भ्रष्टाचार के नए मामले (एफआईआर 2024) में उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

22 अधिकारियों पर भी गिरी गाज

इस घोटाले की आंच केवल मंत्री तक ही सीमित नहीं है। एसीबी ने इस मामले में पूर्व एसीएस सुबोध अग्रवाल को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा 22 अन्य अधिकारियों के खिलाफ के दर्ज है, जिनमें वित्तीय सलाहकार, चीफ इंजीनियर और सुपरिटेंडेंट इंजीनियर स्तर के अधिकारी शामिल हैं।

कैसे खुला राज?

एसीबी को जांच के दौरान एक ईमेल आईडी से बड़ी लीड मिली थी। डिजिटल फुटप्रिंट्स का पीछा करते हुए अधिकारियों और ठेकेदारों के बीच के इस सिंडिकेट का पर्दाफाश हुआ।

किरोड़ीलाल मीणा के धरने से शुरू हुआ था मामला

20 जून 2023 डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने जयपुर के अशोक नगर थाने के बाहर FIR दर्ज कराने के लिए दो दिनों तक धरना दिया था। चुनाव के दौरान यह मुद्दा राजस्थान की सियासत में सबसे बड़ा हथियार बना था।

अब क्या होगा?

महेश जोशी की गिरफ्तारी के बाद अब विभाग के कई अन्य बड़े अफसरों और फरार आरोपियों पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। एसीबी सुबोध अग्रवाल और महेश जोशी को आमने-सामने बिठाकर भी पूछताछ कर सकती है।

'घटिया पोषाहार' पर घिरी भजनलाल सरकार

गहलोत-डोटासरा-जूली ने बोला तीखा हमला

जयपुर, 7 मई (एजेंसियां)। आंगनबाड़ी केंद्रों में घटिया पोषहार के मुद्दे पर राजस्थान में सियायत गरमा गई। बीजेपी विधायक की ओर से अपनी ही सरकार के दावों की पोल खोलने के बाद अब कांग्रेस नेताओं ने भजनलाल सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने निशाना साधते हुए पूछा कि आखिर राजस्थान सरकार गरीब बच्चों की सुध कब लेगी? बता दें कि उदयपुर में संभाग स्तरीय बैठक के दौरान भाजपा विधायक प्रताप गमेती ने डिप्टी सीएम दिया कुमारी से कहा था कि आंगनबाड़ी केंद्रों में मिलने वाले पोषाहार को जानवर तक नहीं खाते। हम बच्चों को दे देते हैं और लोग घर ले जाकर फेंक देते हैं। प्रकाशित होने के बाद कांग्रेस ने नेताओं ने भजनलाल सरकार को आड़े हाथ लिया।

पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने शेयर करते हुए लिखा कि राजस्थान में आंगनबाड़ी में बच्चों और गर्भवती महिलाओं को दिया जाने वाला पोषाहार जानवर भी नहीं खाते, इससे बड़ा शर्मनाक सच और क्या होगा? भाजपाई भ्रष्टाचार और मिलावटी चेहरे की ये सच्चाई स्वयं भाजपा के विधायक डिप्टी सीएम की मौजूदगी में उजागर कर रहे हैं। भाजपा ने महिलाओं और मासूम बच्चों के हक के निवाले में भ्रष्टाचार, घटिया गुणवत्ता और कमीशनखोरी का ज़हर घोल दिया गया है।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने एक्स पर लिखा कि राजस्थान की भाजपा सरकार में क्या चल रहा है? खुद सत्ताधारी दल के विधायक ही आज सरकार के दावों की पोल खोल रहे हैं। उदयपुर की समीक्षा बैठक में गोगुंदा से भाजपा विधायक श्री प्रताप गमेती का यह कहना कि आंगनबाड़ी के पोषाहार को जानवर भी नहीं खाते, बेहद विचलित करने वाला है। विशेषकर आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य के साथ ऐसा खिलवाड़ कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे लिखा कि एक तरफ योजनाओं के क्रियान्वयन में भारी देरी और दूसरी तरफ मासूमों के निवाले में भ्रष्टाचार? डिप्टी सीएम दिया कुमारी के सामने अपनों ने ही

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने एक्स पर लिखा कि सच अपने आप सामने आ ही जाता है, जबकि झूठ को सोच-समझकर गढ़ना पड़ता है। भाजपा विधायक श्री प्रताप गमेती ने सही कहा कि आंगनबाड़ी का पोषण आहार घर जाकर फेंका जा रहा है और उसे जानवर तक नहीं खाते, क्योंकि इसमें भाजपा राज के भ्रष्टाचार की बू आ रही है। जब भाजपा के विधायक स्वयं संभाग स्तरीय बैठक में उपमुख्यमंत्री के सामने यह कहने को मजबूर हो जाएं कि आंगनबाड़ी का पोषण आहार फेंका जा रहा है और उसे जानवर भी नहीं खाते, तो यह साफ है कि प्रदेश में सरकार नहीं, बल्कि अव्यवस्था का तमाशा चल रहा है। फेल डबल इंजन सरकार में इससे ज्यादा शर्मनाक और विफलता का उदाहरण क्या हो सकता है? सरकार पोषण और विकास के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि पोषण आहार की गुणवत्ता इतनी बदहाल है कि अब अपने ही जनप्रतिनिधि इसकी पोल खोल रहे हैं।

विधायक पर एससी/एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज

दलित अफसर के साथ मारपीट और आंख फोड़ने की धमकी पड़ी भारी

श्रीगंगानगर, 7 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के श्रीगंगानगर में भाजपा विधायक जयदीप बिहाणी और उनके समर्थकों के खिलाफ गंभीर आरोपों के बाद पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। आरोप है कि विधायक सेवा केंद्र में एक दलित सरकारी अधिकारी और एलएंडटी कंपनी के कर्मचारियों के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। मामले में राजकार्य में बाधा, मारपीट, जातिसूचक टिप्पणी और एससी/एसटी एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है। जवाहर नगर थाना पुलिस ने यह कार्रवाई आरयूआईडीपी के एईएन जगनलाल बैरवा की शिकायत पर की है। एफआईआर में विधायक जयदीप बिहाणी, एईएन (पीएचडी) कृष्ण धारीवाल, विधायक के निजी सहायक मनीष गर्ग, पार्षद बंटी वाल्मीकि समेत करीब 30 लोगों को नामजद किया गया है। मामले की जांच एससी/एसटी प्रकरण अनुसंधान सैल के आरपीएस विष्णु खत्री को सौंपी गई है।

दिशा समिति की बैठक में दी थी धमकी

शिकायतकर्ता जगनलाल बैरवा ने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले आयोजित दिशा समिति की बैठक के दौरान विधायक जयदीप बिहाणी ने उन्हें कथित तौर पर धमकाया था। बैरवा का आरोप है कि विधायक ने कहा था कि उन्हें अपने कार्यालय बुलाकर ऐसा सबक सिखाया जाएगा जिसे वे

जिंदगीभर नहीं भूलेंगे। पीड़ित अधिकारी के मुताबिक 30 अप्रैल की सुबह से ही एईएन कृष्ण धारीवाल लगातार फोन कर रहे थे और उन्हें बाहर नहीं जाने की सलाह दे रहे थे। बाद में बताया गया कि विधायक ने मीटिंग के लिए विधायक सेवा केंद्र बुलाया है।

रिपोर्ट के अनुसार, जगनलाल बैरवा शहर में चल रहे प्रोजेक्ट से जुड़ी फाइलें लेकर एलएंडटी कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर शहनवाज हुसैन और इंजीनियर सोहम परमार के साथ विधायक सेवा केंद्र पहुंचे थे। आरोप है कि वहां पहुंचते ही विधायक जयदीप बिहाणी ने उनके साथ थप्पड़ और मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। एफआईआर में कहा गया है कि विधायक ने हाथ में पहने भारी कड़े से उनकी आंख पर हमला किया, जिससे आंख में गंभीर चोट आई और एक आंख से दिखाई देना लगभग बंद हो गया। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि मौके पर मौजूद एईएन कृष्ण धारीवाल ने जातिसूचक गालियां दीं।

बंधक बनाकर डंडों और पाइपों से पीटने का आरोप

शिकायत में दावा किया गया है कि विधायक समर्थकों ने अधिकारी और उनके साथ मौजूद कर्मचारियों को अंदर खींच लिया और बंधक बनाकर लात-घूंसों, डंडों और पाइपों से जमकर मारपीट की। एफआईआर में मनीष गर्ग, कृष्ण गोपाल, बंटी वाल्मीकि, जगदीश घोडेला, धर्मेंद्र सिहाग, सुनील नायक और संदीप शैरेवाला सहित कई लोगों के नाम शामिल किए गए हैं। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने सरकारी दस्तावेज भी छीन लिए और उन्हें नष्ट कर दिया। साथ ही 555 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट में हिस्सेदारी नहीं देने को लेकर नाराजगी जताई गई।

कृषि विभाग का संयुक्त निदेशक 8 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार, रिटायरमेंट में कुछ दिन ही थे शेष

बारां, 7 मई (एजेंसियां)। एसीबी ने कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक (कृषि विस्तार) आनंदी लाल मीणा को दो जनों से 8 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी ने खाद, बीज और कीटनाशक के स्टॉक रजिस्टर का सत्यापन करने की एवज में यह राशि ली थी। उल्लेखनीय है कि आरोपी के सेवानिवृत्त होने में करीब तीन माह का समय शेष था।

एसीबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कालूराम वर्मा ने बताया कि 4 मई को दो परिवादियों द्वारा संयुक्त शिकायत दी गई थी। इसमें बताया गया कि संयुक्त निदेशक आनन्दीलाल मीणा खाद, बीज और कीटनाशक विक्रेताओं से स्टॉक रजिस्टर वेरिफाई करने के लिए प्रति व्यक्ति 5-5 हजार रुपए

की रिश्वत मांग रहे हैं। परिवादियों को भी इसी तरह परेशान किया जा रहा है।

सत्यापन के बाद एसीबी ने की कार्रवाई

शिकायत के बाद मंगलवार को गोपनीय सत्यापन कराया गया, जिसमें आरोपी द्वारा 5-5 हजार रुपए की मांग करना तथा 2 हजार रुपए लेकर शेष 3 हजार रुपए की मांग करना प्रमाणित हुआ।

रंगे हाथ अधिकारी गिरफ्तार

एएसपी कालूराम वर्मा के नेतृत्व में उप अधीक्षक प्रेमचंद व टीम ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए आरोपी को एक परिवादी से 5 हजार और दूसरे से 3 हजार रुपए कुल 8 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पूछताछ जारी है।

किराए के मकान और पैतृक घर पर तलाशी

एएसपी कालूराम वर्मा ने बताया कि आरोपी के बारां में कोटा रोड स्थित नागेश्वर कॉलोनी में किराए के मकान की तलाशी ली जा रही है। वहीं बूंदी जिले के कापरेन क्षेत्र के पास स्थित उसके पैतृक गांव छाड़गांव में भी एसीबी टीम तलाशी कर रही है।

बॉर्डर पार कर भारत में घुस आया पाकिस्तानी

8 कि.मी. अंदर पहुंचने के बाद पकड़ा गया

बाड़मेर, 7 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के बाड़मेर जिले में भारत.पाकिस्तान सीमा पर एक पाकिस्तानी युवक के घुसपैठ करने का मामला सामने आया है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार युवक को कल रातसीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर गया था। वह सरूपे का तला इलाके में अशोका पोस्ट के पास से करीब आठ किलोमीटर अंदर तक पहुंच गया, जहां बीएसएफ के जवानों ने उसे पकड़ लिया। घटना ऐसे समय सामने आई है, जब देशभर में ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सीमा क्षेत्र में पहले से ही सुरक्षा बढ़ाई गई थी। घुसपैठ की सूचना मिलते ही बीएसएफ और स्थानीय पुलिस सक्रिय हो गई। उसे सोमवार रात पकड़ा गया था। चौहटन उप अधीक्षक जेठाराम ने बताया कि पकड़े गए युवक की पहचान पाकिस्तान के मीठी शहर निवासी आवेश पुत्र हजूर खान के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ के बाद बीएसएफ ने उसे धनाऊ थाना पुलिस को सौंप दिया। फिलहाल उससे विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं।

बीएसएफ को जैसे ही सीमा में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली, जवानों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए युवक को पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने आसपास करीब 10 किलोमीटर क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या हथियार बरामद नहीं हुआ। सुरक्षा एजेंसियां इस बात की जांच कर रही हैं कि युवक गलती से सीमा पार आया या इसके पीछे कोई अन्य उद्देश्य था। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर गहन पूछताछ शुरू कर दी है।

महिला कॉन्स्टेबल से दुष्कर्म के मामले में आरोपी पुलिसकर्मी सस्पेंड; पत्नी समेत 5 पर केस दर्ज

अजमेर, 7 मई (एजेंसियां)। अजमेर में एक महिला कॉन्स्टेबल से दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और धमकाने के मामले में पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मुख्य आरोपी कॉन्स्टेबल सहित उसकी पत्नी, भाई, बहन और जीजा के खिलाफ दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। सभी आरोपी पुलिस विभाग में कॉन्स्टेबल पद पर कार्यरत बताए जा रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए अजमेर एसपी हर्षवर्धन अग्रवाला ने मुख्य आरोपी कॉन्स्टेबल को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है।

पीड़िता ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि वह पहले से शादीशुदा थी और अजमेर में पोस्टिंग के दौरान उसकी मुलाकात आरोपी कॉन्स्टेबल से हुई थी। आरोपी ने अपनी कॉन्स्टेबल बहन से भी उसकी पहचान करवाई और धीरे-धीरे दोस्ती बढ़ाई। आरोप है कि आरोपी ने महिला का मानसिक रूप से ब्रेनवॉश करना शुरू कर दिया और उसे पति व ससुराल पक्ष के खिलाफ भड़काने लगा।

पीड़िता के अनुसार आरोपी ने उसे शादी का झांसा दिया, जबकि वह खुद पहले से शादीशुदा था। महिला ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसे जरूरी काम का बहाना बनाकर अपनी बहन के सरकारी आवास पर बुलाया। वहां आरोपी का जीजा भी मौजूद था। कुछ देर बाद बहन और जीजा वहां से चले गए।

इसी दौरान आरोपी ने महिला के साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की और विरोध करने पर कथित रूप से जूस में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने इस दौरान अश्लील वीडियो भी बना लिए और बाद में उन्हें वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा।

महिला का कहना है कि आरोपी ने कई बार उसे अलग-अलग सरकारी आवासों पर बुलाकर दुष्कर्म किया। आरोपी और उसके परिजनों ने मिलकर उससे करीब 28 लाख रुपए और गहने भी हड़प लिए। पीड़िता ने आरोप लगाया कि वह दो बार गर्भवती हुई लेकिन आरोपी ने जबरन अबॉर्शन की गोलियां खिलाईं। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी उसके बेटे के सामने भी अश्लील हरकतें करता था।

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी की पत्नी ने उसे रोहित गोदारा गैंग से मरवाने की धमकी दी थी। महिला से कहा गया कि यदि उसने पुलिस या किसी अन्य एजेंसी में शिकायत की तो उसे और उसके बेटे को जान से मरवा दिया जाएगा। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूरे घटनाक्रम से पुलिस विभाग में भी हड़कंप मचा हुआ है।

बांसवाड़ा में सबसे बड़ी चोरी!

उधर शादी में गया परिवार इधर चोरों ने उड़ाए करोड़ों के गहने, सोना और कैश भी गायब

बांसवाड़ा, 7 मई (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले के कुशलगढ़ कस्बे के रतलाम रोड स्थित एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने 81 किलो चांदी, सोने के जेवरात और लाखों रुपए की नकदी चोरी कर ली। घटना उस समय हुई, जब मकान मालिक अपने परिवार सहित रिश्तेदारी में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने बाहर गए हुए थे।

जानकारी के अनुसार, जितेंद्र कुमार डोसी अपने परिवार के साथ 4 मई को उज्जैन जिले के बड़नगर में एक विवाह समारोह में शामिल होने गए थे। इसी दौरान 5 और 6 मई की दरम्यानी रात अज्ञात चोर मकान के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर घुस गए।

अलमारियां और तिजोरियां तोड़कर ले गए जेवरात

चोरों ने घर के अंदर रखी अलमारियों और तिजोरियों के ताले तोड़ दिए और करीब 81 किलो 40 ग्राम चांदी के आभूषण, 232 ग्राम सोने के जेवरात तथा लगभग ढाई लाख रुपए नकद चोरी कर लिए। बताया जा रहा है कि पीड़ित परिवार अनाज और जेवरात के कारोबार से जुड़ा हुआ है।

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई वारदात

मकान के सामने स्थित एक मोबाइल दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में चोर चोरी का सामान कट्टों में भरकर ले जाते दिखाई दिए हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी हुई है।

पड़ोसियों ने दी मकान मालिक को सूचना

घटना की जानकारी पड़ोसियों ने फोन के जरिए मकान मालिक को दी। सूचना मिलने पर शाम को परिवार कुशलगढ़ पहुंचा।

घर के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था और ताले टूटे हुए मिले। कुशलगढ़ थाना प्रभारी प्रवीण सिंह सिसोदिया ने बताया कि पीड़ित की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अज्ञात चोरों की तलाश में जुटी हुई है।

14 साल की नाबालिग बच्ची को भगाकर ले जा रहा था बांग्लादेशी युवक, बनवा रखे थे फर्जी डॉक्यूमेंट

झालावाड़, 7 मई (एजेंसियां)। झालावाड़ पुलिस ने 14 साल की नाबालिग लड़की के अपहरण के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक बांग्लादेशी युवक को प्रयागराज रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक नाबालिग को ट्रेन से कोलकाता ले जा रहा था और वहां से बांग्लादेश भागने की योजना बना रहा था। पुलिस ने आरपीएफ की मदद से 5 मई 2026 को आरोपी और बालिका को ट्रेन से पकड़ लिया।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 2 मई 2026 को परिवादी ने थाना झालरापाटन में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उसकी 14 वर्षीय

बेटी को आदित्य विश्वास नामक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। इस पर पुलिस ने मुकदमा संख्या 138/2026 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भांगचंद मीणा और वृत्ताधिकारी हर्षराज सिंह खरेड़ा के निर्देशन में थानाधिकारी अल्का विश्नोई के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की। पुलिस ने सुनेल, रटलाई, भवानीमंडी, सोयत, उज्जैन और इंदौर सहित कई स्थानों पर तलाश की। साथ ही नाबालिग की जल्द बरामदगी के लिए 25 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया।

जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी नाबालिग को लेकर इंदौर से ट्रेन में बैठा है। इसके बाद पुलिस ने तुरंत आरपीएफ को अलर्ट किया और आरोपी के फोटो उपलब्ध कराए। ट्रेन की पहचान होने पर पुलिस टीम प्रयागराज पहुंची, जहां रेलवे स्टेशन पर दोनों को सुरक्षित दस्तयाब कर लिया गया।

शादी में जा रहे युवकों पर पुलिसकर्मी की फायरिंग, बाल-बाल बचे

कोटपूतली-बहरोड़, 7 मई (एजेंसियां)। पुलिस के अनुसार यह घटना मांडण थाना क्षेत्र के कुतीना गांव की है। पीड़ित अंकित निवासी डाबड़वास ने शिकायत में बताया कि 5 मई की रात वह अपने दोस्त आशीष के साथ बुलेरो वाहन में सवार होकर एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहा था। इसी दौरान गांव के हाई स्कूल के पास आरोपी दीपक सिंह ने उनकी गाड़ी रुकवाई, जिसको लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर दीपक सिंह अपने घर गया और वहां से पिस्तौल लेकर वापस आया। इसके बाद उसने युवकों पर दो राउंड फायरिंग कर दी। एक गोली बुलेरो के आगे के शीशे को चीरते हुए निकल गई, जबकि दोनों युवक बाल-बाल बच गए। इस घटना के दौरान अंकित के सिर में चोट लग गई। उसे तत्काल नीमराना के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसके सिर पर तीन टांके लगाए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महकमे में भी हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने बताया कि आरोपी दीपक सिंह अलवर पुलिस लाइन में कांस्टेबल के पद पर तैनात है और वर्तमान में एक निजी व्यक्ति का पीएसओ भी है। घटना के समय वह छुट्टी पर अपने गांव आया हुआ था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गाड़ी रोकने को लेकर हुए विवाद के दौरान आरोपी ने आवेश में आकर फायरिंग कर दी। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

रिश्तेदार के घर मिठाई की जगह ले जा रहा था अफीम

बॉर्डर पर खुल गया कार की स्टेपनी में छिपा राज

जालोर, 7 मई (एजेंसियां)। एएनटीएफ टीम व पुलिस थाना सांचौर की टीम ने कार्रवाई करते हुए शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया। महानिरीक्षक पुलिस एएनटीएफ विकास कुमार ने बताया राजस्थान में आमतौर पर व्यक्ति अपने रिश्तेदार के घर जाता है तो मिठाई लेकर जाता है व मेल-मिलाप करता है।

आरोपी कमलेश विश्नोई निवासी विश्नोइयों का वास बुल पुलिस थाना धोरीमना जिला बालोतरा ने मिठाई के बदले अफीम को साथ लेकर हैदराबाद में रह रहे अपने रिश्तेदार के यहां ले जाने की सोची। आरोपी कार की स्टेपनी में अफीम छुपाकर हैदराबाद में अपने रिश्तेदार के यहां ले जा रहा था, लेकिन पकड़ा गया।

आरोपी को पता था कि राजस्थान-गुजरात बॉर्डर पर वाहनों की चैकिंग होती है। इसलिए आरोपी ने अफीम को एक थैली में रखकर कार की स्टेपनी में छुपा रखा था। सूचना मिलने के बाद एएनटीएफ टीम कार की तलाश करते हुए राजस्थान-गुजरात बॉर्डर तक पहुंची। टीम बताए गए हुलिए के आधार पर कार की तलाश की। इस दौरान टीम जालोर जिले के समीप गुजरात राज्य की सीमा के पास पहुंची और आरोपी कमलेश को अफीम के साथ पकड़ लिया।

इस तरह से चला घटनाक्रम

एएनटीएफ टीमों को सूचना मिली कि सांचौर क्षेत्र से एक व्यक्ति अपनी गुजरात रजिस्ट्रेशन की कार लेकर हैदराबाद में अपने रिश्तेदार के यहां अफीम ले जा रहा है। एएनटीएफ टीमों ने सांचौर के पास टोल प्लाजा पर जाकर कार के बारे में जानकारी जुटाई। जिस पर जानकारी सामने आई कि गाड़ी कुछ समय पहले ही वहां से निकली है।

इस पर टीमें राजस्थान-गुजरात बार्डर पर छोटी बिरोल के पास पहुंची। इस दौरान एक कार गुजरात सीमा की ओर जाती नजर आई। टीमों ने अपने वाहन की गति बढाकर घेराबंदी कर कार को रुकवाया। टीमों ने स्थानीय पुलिस से सम्पर्क कर मौके पर बुलाया व कार की सघन तलाशी ली। जिस पर कार की स्टेपनी के अन्दर से 23 ग्राम अफीम बरामद हुआ।

अभ्यास से जमीनी स्तर पर कमियों की पहचान : डी. हरिचंदना

राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल की तैयारियों की समीक्षा की गई

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य राजस्व एवं आपदा प्रबंधन सचिव डी. हरिचंदना ने कहा कि मॉक ड्रिल बाढ़, औद्योगिक दुर्घटनाओं और वनाग्नि जैसी आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

उन्होंने गुरुवार को इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान यह बात कही। बैठक में विभिन्न विभागों और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ 15 मई को होने वाले टेबलटॉप एक्सरसाइज तथा 18 मई को विभिन्न जिलों में आयोजित राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल की तैयारियों की समीक्षा की गई। डी. हरिचंदना ने कहा कि वर्ष 2025 में आयोजित मॉक ड्रिल आपदा की स्थिति में विभिन्न विभागों द्वारा त्वरित प्रतिक्रिया और समन्वित सेवाएं सुनिश्चित करने में अत्यंत उपयोगी साबित हुई थीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अभ्यास से जमीनी स्तर पर कमियों की पहचान होती है और विभागों को योजनाओं तथा तैयारियों को व्यवस्थित तरीके से बेहतर बनाने का अवसर मिलता है।

तेलंगाना अग्निशमन सेवा के महानिदेशक विक्रम सिंह मान ने बताया कि 18 मई को आयोजित होने वाली बाढ़, औद्योगिक दुर्घटना और वनाग्नि संबंधी मॉक ड्रिल में लगभग 60 विभाग और केंद्रीय एजेंसियां भाग लेंगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से तेलंगाना में दिसंबर 2025 में पहली बार बाढ़ और औद्योगिक दुर्घटनाओं पर मॉक ड्रिल आयोजित की गई थी, जिससे विभागों के बीच समन्वय, तैयारियों और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2026 के लिए बाढ़ संबंधी मॉक ड्रिल 13 जिलों में, औद्योगिक दुर्घटना संबंधी अभ्यास पांच जिलों में तथा वनाग्नि संबंधी मॉक ड्रिल चार जिलों में आयोजित की जाएंगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को इन अभ्यासों के सफल आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से जुड़े राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के लीड कंसल्टेंट मेजर जनरल सुधीर बहल ने बाढ़, औद्योगिक दुर्घटनाओं और वनाग्नि की स्थिति में केंद्र एवं राज्य सरकार की एजेंसियों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने 15 मई को होने वाले टेबलटॉप एक्सरसाइज और 18 मई को आयोजित राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर कई सुझाव भी दिए।

पश्चिम बंगाल में राज्यपाल ने विधानसभा भंग की

कोलकाता में आज भाजपा विधायक दल की बैठक

कोलकाता, 7 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने राज्य विधानसभा को भंग करने का आदेश जारी कर दिया है। लोक भवन, पश्चिम बंगाल की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह आदेश भारत के संविधान के अनुच्छेद 174(2)(बी) के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुसार जारी किया गया है।

जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा को 7 मई 2026 से प्रभावी रूप से भंग कर दिया गया है। यह कदम संवैधानिक प्रावधानों के तहत लिया गया है। लोक भवन की अधिसूचना में कहा गया है कि यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 174(2)(बी) के तहत राज्यपाल को प्राप्त अधिकारों के आधार पर लिया गया है।

तेलंगाना में ड्रग्स के खिलाफ और सख्त रुख अपनाने का निर्देश

डीजीपी सी.वी. आनंद ईगल फोर्स की समीक्षा की

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद ने राज्य में नशीले पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान को और तेज करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गुरुवार को हैदराबाद स्थित मुख्यालय में नवगठित ईगल फोर्स की पहली विस्तृत समीक्षा की।

डीजीपी ने कहा कि पदभार संभालने के बाद उन्होंने सबसे पहले इसी विशेष इकाई की समीक्षा इसलिए की क्योंकि इसका गठन समाज को प्रभावित कर रहे नशे के खतरे से निपटने के लिए किया गया है। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों की आपूर्ति और सेवन की समस्या केवल तेलंगाना ही नहीं बल्कि देश और दुनिया के कई हिस्सों में गंभीर रूप ले चुकी है।

उन्होंने समाज से अपील की कि सभी लोग मिलकर नशे के खिलाफ लड़ाई में सहयोग करें ताकि युवाओं और छात्रों का भविष्य सुरक्षित रह सके। डीजीपी ने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पुलिस अधिकारियों को राज्य से नशे के नेटवर्क को पूरी तरह खत्म करने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह एक नशे की महामारी है, जो कई परिवारों को प्रभावित कर रही है और इसे जड़ से समाप्त करना आवश्यक है। सी.वी. आनंद ने कहा कि केवल एक ब्यूरो बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पूरे पुलिस तंत्र को सक्रिय रूप से काम करना होगा। उन्होंने बताया कि ईगल फोर्स को तकनीक के उपयोग, मनी ट्रेल की जांच और विदेशी ड्रग नेटवर्क को ध्वस्त करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

अधिकारियों ने जानकारी दी कि हैदराबाद, साइबराबाद, राचकोंडा और वारंगल कमिश्नरेट्स के चार नारकोटिक पुलिस स्टेशनों, सात क्षेत्रीय इकाइयों और 20 प्रवर्तन विंग्स के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया है।

राष्ट्रीय फिनस्विमिंग चैंपियनशिप चयन ट्रायल आयोजित

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी 9वीं राष्ट्रीय फिनस्विमिंग चैंपियनशिप, जो 29 मई 2026 से गोवा में आयोजित होने वाली है, के लिए चयन ट्रायल राहुल स्विम अकादमी (आरएसए) कुकटपल्ली, हैदराबाद द्वारा सफलतापूर्वक संचालित किए गया।

राज्य भर से 110 से अधिक प्रतिभाशाली तैराकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लगभग 95 छात्रों ने 50 मीटर बाई-फिन्स स्पर्धा 40 सेकंड से कम समय में पूरी की, जो तेलंगाना की फिनस्विमिंग इतिहास में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। यह शानदार भागीदारी राज्य में फिनस्विमिंग की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है। आरएसए ने पिछले दो महीनों से सप्ताह में दो बार निःशुल्क फिनस्विमिंग प्रशिक्षण सत्र प्रदान करके इस खेल को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पदक वितरण विशिष्ट अतिथियों द्वारा किया गया, जिनमें बी. गोपाल (निदेशक, एलएस फंक्शन हॉल), जी. स्वामी (तेलंगाना मुधिराज महासभा के राज्य सचिव) शामिल थे। मुंबई के नाला सोपारा से आए राजेंद्र ठाकुर और अनिता ठाकुर ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

यह कार्यक्रम एक भव्य सफलता रहा और इसने तेलंगाना राज्य में फिनस्विमिंग की बढ़ती प्रतिभा और उत्साह को प्रदर्शित किया। ट्रायल के सफल संचालन का श्रेय आरएसए के निदेशक श्री राहुल नारवारिया और उनकी टीम को जाता है, जिसमें सी.वी. श्रीधर राव, पी. कार्तीक, पी. विजय कुमार, सी.वी. मनिधर राव, महंत ठाकुर दास संदीप मिश्रा (पंडित सर- कार्यक्रम समन्वयक), गोपाल बालदेवा और भरत चंदा प्रमुख कार्यकर्ता थे।

'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के शौर्य का प्रतीक : एन. रामचंदर राव

शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के शौर्य और आतंकवाद के खिलाफ देश की दृढ़ नीति का प्रतीक है तथा आतंकवाद को संरक्षण देने वाली शक्तियों के लिए कड़ा संदेश है।

नामपल्ली स्थित भाजपा राज्य कार्यालय में भाजपा रिटायर्ड आर्मी सेल के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में रामचंदर राव ने आतंकवादियों के हमलों में जान गंवाने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और केक काटकर कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के जवाब में भारतीय सेना ने लश्कर और जैश जैसे आतंकी संगठनों के ठिकानों को ध्वस्त कर आतंकवादियों का सफाया किया, जो भारतीय सेना की वीरता का प्रमाण है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि पहलगाम में छुट्टियां मनाने गए निर्दोष भारतीय पर्यटकों की धर्म पूछकर हत्या करने की घटना को देश कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा कि 26 भारतीयों की हत्या करने वाले पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों को यह समझ लेना चाहिए कि यह नया भारत है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है।

रामचंदर राव ने दावा किया कि पहलगाम घटना के कुछ ही दिनों बाद भारतीय सेना ने महिला अधिकारियों की निगरानी में मात्र 22 मिनट में 'ऑपरेशन सिंदूर' को सफलतापूर्वक पूरा करते हुए आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया और भारतीय पक्ष को किसी प्रकार की क्षति नहीं होने दी।

उन्होंने कांग्रेस नेताओं की आलोचना करते हुए कहा कि राहुल गांधी सहित कई कांग्रेस नेता पाकिस्तान और चीन के प्रतिनिधियों की तरह व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक के समय सबूत मांगने वाले नेता अब भी सेना पर सवाल उठाकर देशभक्ति के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस कभी भी सेना के साथ मजबूती से खड़ी नहीं रही और संसद के भीतर तथा बाहर सैनिकों का अपमान करने की प्रवृत्ति रखती है।

उन्होंने कहा कि जिस प्रकार देश कारगिल विजय दिवस को गर्व के साथ मनाता है, उसी तरह 'ऑपरेशन सिंदूर' को भी देश लंबे समय तक याद रखेगा। तेलंगाना की राजनीति पर प्रतिक्रिया देते हुए रामचंदर राव ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार के खिलाफ बीआरएस विधायक पाडी कौशिक रेड्डी द्वारा की गई व्यक्तिगत टिप्पणियों की निंदा की। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं के खिलाफ झूठे आरोप या व्यक्तिगत टिप्पणियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। साथ ही उन्होंने कहा कि राजनीतिक आलोचना स्वाभाविक है, लेकिन सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों को मर्यादित भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए।

गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों को राहत

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी के मौसम में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने हैदराबाद और गोरखपुर के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन सेवाओं का विस्तार करने का फैसला किया है। इससे यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी और यात्रा के दौरान भीड़ कम करने में मदद मिलेगी। रेलवे के अनुसार, शुक्रवार को चलने वाली ट्रेन संख्या 07075 हैदराबाद-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन 8, 15, 22 और 29 मई को संचालित की जाएगी। वहीं रविवार को चलने वाली ट्रेन संख्या 07076 गोरखपुर-हैदराबाद स्पेशल ट्रेन 10, 17, 24 और 31 मई को चलाई जाएगी। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से यात्रा से पहले ट्रेन के समय और आरक्षण की जानकारी जांच लेने की अपील की है।

पूर्व तट रेलवे

(1) निविदा सूचना सं.: eT-HQ-WAT-19-2026, दिनांक 04.05.2026
कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ESTATE/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/वर्क्स/EAST सेक्टर में दिनांक 30.06.2027 को समाप्त अवधि के लिए सिविल कार्यों हेतु जोनल संविदा।
कार्य की अनुमानित लागत: रु.1,20,00,000.00, EMD: रु. 2,40,000.00.

(2) निविदा सूचना सं.: eT-HQ-WAT-20-2026, दिनांक 04.05.2026
कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ESTATE/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/वर्क्स/HQ सेक्टर में दिनांक 30.06.2027 को समाप्त अवधि के लिए सिविल कार्यों हेतु जोनल संविदा।
कार्य की अनुमानित लागत: रु.1,10,00,000.45, EMD: रु. 2,20,000.00.

(3) निविदा सूचना सं.: eT-HQ-WAT-21-2026, दिनांक 04.05.2026
कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ESTATE/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/वर्क्स/NORTH सेक्टर में दिनांक 30.06.2027 को समाप्त अवधि के लिए सिविल कार्यों हेतु जोनल संविदा।
कार्य की अनुमानित लागत: रु. 1,10,00,000.16, EMD: रु. 2,20,000.00.

(4) निविदा सूचना सं.: eT-HQ-WAT-22-2026, दिनांक 04.05.2026
कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ESTATE/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/वर्क्स/SOUTH सेक्टर में दिनांक 30.06.2027 को समाप्त अवधि के लिए सिविल कार्यों हेतु जोनल संविदा।
कार्य की अनुमानित लागत: रु.1,39,99,999.83, EMD: रु. 2,80,000.00.

(5) निविदा सूचना सं.: eT-HQ-WAT-23-2026, दिनांक 04.05.2026
कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ESTATE/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/वर्क्स/WEST सेक्टर में दिनांक 30.06.2027 को समाप्त अवधि के लिए सिविल कार्यों हेतु जोनल संविदा।
कार्य की अनुमानित लागत: रु.1,09,99,999.75, EMD: रु. 2,20,000.00.

(6) निविदा सूचना सं.: eT-HQ-WAT-24-2026, दिनांक 04.05.2026
कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ESTATE/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/वर्क्स/जल आपूर्ति/EAST एवं WEST सेक्टर में दिनांक 30.06.2027 को समाप्त अवधि के लिए सिविल कार्यों हेतु जोनल संविदा।
कार्य की अनुमानित लागत: रु.1,45,00,000.10, EMD: रु. 2,90,000.00.

(7) निविदा सूचना सं.: eT-HQ-WAT-25-2026, दिनांक 04.05.2026
कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ESTATE/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/वर्क्स/MPM सेक्टर में दिनांक 30.06.2027 को समाप्त अवधि के लिए सिविल कार्यों हेतु जोनल संविदा।
कार्य की अनुमानित लागत: रु. 1,40,00,000.11, EMD: रु. 2,80,000.00.

(8) निविदा सूचना सं.: eT-HQ-WAT-26-2026, दिनांक 04.05.2026
कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ESTATE/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/वर्क्स/VDPD सेक्टर में दिनांक 30.06.2027 को समाप्त अवधि के लिए सिविल कार्यों हेतु जोनल संविदा।
कार्य की अनुमानित लागत: रु. 95,00,000.25, EMD: रु. 1,90,000.00.

(9) निविदा सूचना सं.: eT-HQ-WAT-27-2026, दिनांक 04.05.2026
कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/ESTATE/वाल्टियर (WAT) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/वर्क्स/विद्युत लोको शेड (ELS) एवं डीजल लोको शेड (DLS) सेक्टर में दिनांक 30.06.2027 को समाप्त अवधि के लिए सिविल कार्यों हेतु जोनल संविदा।
कार्य की अनुमानित लागत: रु. 1,09,99,999.05, EMD: रु. 2,20,000.00.
कार्य समापन अवधि: 12 महीने (सभी क्रमांक के लिए)।
निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 28.05.2026 को 1500 बजे (सभी क्रमांक के लिए)।
ऐसी ई-निविदाओं के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्तावों को किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
ऊपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
द्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।
मंडल रेल प्रबंधक (Engg.), वाल्टियर
PR-125/R/26-27

आईसीएआर-क्रिडा में भारत मृदा स्वास्थ्य नीति पर मंथन

विशेषज्ञों और किसानों ने साझा किए सुझाव

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के केंद्रीय शुष्कभूमि कृषि अनुसंधान संस्थान (क्रिडा) में गुरुवार को प्रस्तावित भारत मृदा स्वास्थ्य नीति पर एक परामर्श कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें वैज्ञानिकों, नीति निर्माताओं, किसानों, गैर सरकारी संगठनों, उद्योग प्रतिनिधियों और शिक्षाविदों ने भाग लेकर टिकाऊ मृदा प्रबंधन रणनीतियों पर चर्चा की। इस पहल का उद्देश्य देश की मृदा स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाना है, ताकि मिट्टी को खाद्य सुरक्षा, जलवायु संरक्षण, किसानों की आजीविका और जनस्वास्थ्य से जुड़ी राष्ट्रीय संपत्ति के रूप में सुरक्षित और संरक्षित किया जा सके।

कार्यशाला में केंद्र और राज्य सरकारों, आईसीएआर संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों और अन्य संबंधित क्षेत्रों से लगभग 110 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर डॉ.वी.के. सिंह ने कहा कि यह परामर्श बैठक किसानों के हित में मृदा स्वास्थ्य नीति तैयार करने के लिए विभिन्न पक्षों के सुझाव प्राप्त करने का महत्वपूर्ण मंच है।

वहीं, डॉ.ए.के. नायक ने जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सरल और व्यवहारिक ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यशाला के दौरान मृदा स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों, पारंपरिक ज्ञान प्रणाली, प्रोत्साहन योजनाओं, नीति संबंधी अपेक्षाओं और वर्तमान योजनाओं के समन्वय जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। यह कार्यक्रम ट्रस्ट फॉर एडवांसमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज और डॉ. रेड्डीज फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आईसीएआर-भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान भोपाल के निदेशक डॉ. एम. मोहंती, पूर्व कुलपति डॉ.बी. वेंकटेश्वरलु, डॉ.ए.के. सिंह, डॉ.बी.एस. द्विवेदी तथा श्री कोंडा लक्ष्मण तेलंगाना हॉर्टिकल्चर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.डी. राजी रेड्डी सहित कई विशेषज्ञ उपस्थित रहे। आरोप है कि सड़क निर्माण के दौरान वन क्षेत्र में पेड़ों को नुकसान पहुंचाने से संबंधित मामला दर्ज न करने और भविष्य के कार्यों में हस्तक्षेप न करने के बदले अधिकारियों ने रिश्वत मांगी। शुरुआत में 10 लाख रुपये की मांग की गई थी, लेकिन बाद में बातचीत के बाद रकम घटाकर 3.5 लाख रुपये कर दी गई। एसीबी ने जाल बिछाकर भद्राचलम वन प्रभाग कार्यालय में कार्रवाई की और आरोपी भुक्या कृष्णा से रिश्वत की रकम बरामद की। दोनों अधिकारियों को गिरफ्तार कर वारंगल स्थित विशेष एसीबी अदालत में पेश किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी गई है।

आवास सुरक्षा केवल आश्रय नहीं, सम्मान का प्रतीक : लक्ष्मण कुमार

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के एससी, एसटी कल्याण मंत्री एवं नलगोंडा जिले के प्रभारी मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने कहा कि आवास सुरक्षा केवल छत उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि गरीब परिवारों के लिए सम्मान, सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार वंचित वर्गों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक नए युग की शुरूआत कर रही है। मंत्री ने कहा कि इंदिरम्मा आवास योजना को संयुक्त नलगोंडा जिले में एक आदर्श मॉडल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने यह बातें गुरुवार को हैदराबाद स्थित हाउसिंग कॉरपोरेशन मुख्यालय में आयोजित आवास एवं राजस्व विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में कहीं। बैठक की अध्यक्षता राजस्व, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोन्नम पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने की।

इस बैठक में सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, भुवनगिरी सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी, विधान परिषद सभापति जी. सुखेंदर रेड्डी सहित कई विधायक और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इंदिरम्मा आवास योजना का लाभ वास्तविक रूप से पात्र प्रत्येक गरीब परिवार तक बिना किसी भेदभाव और देरी के पहुंचे। उन्होंने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, दिव्यांगजन और एकल महिलाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

तेलंगाना राज्य भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव और कोयला एवं खान मामलों के माननीय केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी के आह्वान पर, जंबाग डिवीजन और विभिन्न अन्य स्थानों पर पार्टी के चुनाव चिन्ह का प्रचार करने वाला 'दीवार लेखन' कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आगमन की पूर्व संध्या पर आयोजित किया गया था।

OFFICE OF THE REVENUE DIVISIONAL OFFICER & LAND ACQUISITION OFFICER
MEDAK DIVISION OF MEDAK DISTRICT
THE RAILWAYS (AMANDMENT) 2008 POWER TO DECLARATIN OF ACQUISITION OF LAND UNDER SECTION 20(F)
No. C/3297/2024
Office of the Revenue Divisional Officer & Land Acquisition Officer, Medak, Dated: 06.05.2026.
Public Notice for inviting claims by interested persons (Under Section 20 (F))

Land Acquisition for Special Railway Project of doubling track between Dhone & Mudkhed Sections is being carried out in Medak District. For this Project, land acquisition is taken up in Kamaram & Mirzapally villages of Shankarampt-R Mandal and J.Lingapur & Akkanapet village s of Ramayampet Mandal, for which the Revenue Divisional Officer, Medak is the Competent authority.

The Declaration has been published under Section 20(E) on 09.03.2026. The Competent Authority shall make an Award under Section 20(F) within a period of one year from the date of publication of Declaration. Now a Public Notice in this regard is published as per section 20 (F) of Railway (Amendment) Act 2008 for inviting claims by interested persons.

The description of lands and affected persons are shown below. The affected persons, along with all persons interested are invited to submit their claims in the office of the Revenue Divisional Officer, Medak on 22.05.2026 between 11.00AM and 1.00PM.

The details regarding the same are scheduled below.

SCHEDULE

Description of lands in acquisition: - Doubling track between Mudkhed - Dhone Section within the limits of Medak District Jurisdiction for passenger and freight facility.

Sl. No.	Name of the Village and Mandal	Name of the District	Name of the Land Holder	Land classification Patta /Govt	Sy. No.	Acquisition Area (Ac-Gts)	Assets Bore /well	Constructions	Trees
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	Kamaram Village of Shankarampet	Medak	Mudavath Gopal S/o Pandu	Patta	120 EE2 1/1	0.00 3/4	No	No	No
2	Mandal	Medak	Mettu Rajyalaxmi W/o Anthi Reddy	Patta	120A	0.00 1/2	No	No	No
3	Mirzapally Village of	Medak	Boyini Prabhakar S/o Chittari	Patta	18	0.02	No	No	No
4	Shankarampet Mandal	Medak	1. Sriram Ramaswami S/o Shivaiah 2. Sriram Sidiramulu S/o Shivaiah 3. Sriram Raju S/o Shivaiah	Patta	19	0.00 1/4	No	No	No
5		Medak	Potharaju Anantha Laxmi W/o. Narayana	Patta	20	0.02 3/4	No	No	No
6		Medak	Potharaju Anantha Laxmi W/o. Narayana	Patta	21	0.06	No	No	No
7		Medak	Madduri Bhoolaxmi W/o. Ramakistaiah	Assugned Land	34	0.07	No	No	No
8		Medak	Madduri Ramulu S/o. Narsaiah	Assugned Land	34	0.07	No	No	No
9		Medak	Govt Land	Sarkari	34	0.07 1/2	No	No	No
10		Medak	1. Jangarla Balamani W/o. Yadaiah 2. Jangarla Krishnaveni W/o. Yadaiah 3. Jangarla Siddavva W/o. Maisaiah 4. Jangarla Narsavva W/o. Narsaiah 5. Jangarla Srishailam S/o. Narsaiah 6. Jangarla Sathyanarayana S/o. Narsaiah	Patta	35	0.03 1/4	No	No	No
16		Medak	Pothuraju Sreeramulu S/o. Hanmanth	Patta	182	0.01 1/4	No	No	No
17		Medak	K. Shyam Kumar S/o Ramaswami	Patta	182	0.02	No	No	No
18	Akkannapet Village of Ramayampet Mandal	Medak	Gajula Shekar S/o Mallaiah	Patta	418	0.07	No	No	No
19		Medak	Gajula Shekar S/o Mallaiah	Patta	419	0.06	No	No	No
20		Medak	Gajula Laxmi W/o Srinivas	Patta	421	0.09 1/2	No	No	No
21		Medak	Gajula Sathaiah S/o Rajaiah	Patta	421	0.00 1/2	No	No	No
22		Medak	1 Puligari Praveen Kumar S/o Venkata Swamy 2. Puligari Vinod S/o Venkata Swamy 3. Puligari Madhusudhan S/o Venkata Swamy	Patta	426	0.07	No	25-Stone Pillers of 3 feets length	1 Teak Trees -51 2 Mango Trees-20
23	Jhansi Lingapur Village of Ramayampet Mandal	Medak	Pedda Chervu	Shikam	544	0.07 1/2	No	No	No

Sd/- REVENUE DIVISIONAL OFFICER, LAND ACQUISITION OFFICER, MEDAK

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल का गणित : हैदराबाद नंबर-1

पंजाब दूसरे स्थान पर खिसकी

खेल डेस्क, 7 मई (एजेंसियां)। सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल 2026 की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है। उसने अपने घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स को 33 रन से हराया। वहीं, पंजाब की टीम हार के बाद दूसरे स्थान पर खिसक गई है। राजीव गांधी उप्पल स्टेडियम में 236 रन चेज कर रही पंजाब की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 202 रन तक ही पहुंच सकी।

पंजाब लगातार तीसरा मैच हारी, सनराइजर्स की 7वीं जीत

आईपीएल के मौजूदा सीजन में शानदार शुरुआत करने वाली पंजाब किंग्स ने लगातार तीसरा मैच गंवाया है। जबकि हैदराबाद ने सीजन में 7वीं जीत हासिल की है।

श्रेयस अय्यर की टीम के पास 10 मैचों में 13 अंक हैं। टीम ने 6 जीत हासिल की है, जबकि एक मैच नो रिजल्ट रहा है। अभी पंजाब को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अगले 4 में कम से कम 2 मैच जीतने होंगे।

पैट कमिंस की टीम ने 11 में से 7 मैच जीत लिए हैं। टीम के पास 14 अंक हैं। एक और जीत प्लेऑफ में उसकी जगह लगभग पक्की कर देगी। टीम को गुजरात, चेन्नई और बेंगलुरु के साथ अपने बचे हुए मैच खेलने हैं।

क्लासन को ऑरेंज कैप, अभिषेक-राहुल को पीछे छोड़ा

हैदराबाद के हेनरिक क्लासन सीजन के टॉप स्कोरर बन गए हैं। वे 11 मैचों में 5 फिफ्टी के सहारे 494 रन बना चुके हैं। उन्होंने अपनी टीम के अभिषेक शर्मा (475 रन) को और दिल्ली के केएल राहुल (445 रन) को पीछे छोड़ दिया है। आज कोहली टॉप-3 में जगह बना सकते हैं।

पर्पल कैप लीडरबोर्ड में बदलाव नहीं

मैच के बाद टॉप विकेट टेकर्स की लिस्ट में बदलाव नहीं हुआ है। बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार और चेन्नई के अंशुल कम्बोज एक समान 17-17 विकेट के साथ पहले और दूसरे स्थान पर हैं। गुजरात के कगिसो रबाडा 16 विकेट लेकर नंबर-3 पर हैं।

IPL 2026

पॉइंट्स टेबल

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	NR	अंक	NRR
1	SRH	11	7	4	0	14	0.737
2	PBKS	10	6	3	1	13	0.571
3	RCB	9	6	3	0	12	1.42
4	RR	10	6	4	0	12	0.51
5	GT	10	6	4	0	12	-0.147
6	CSK	10	5	5	0	10	0.151
7	DC	10	4	6	0	8	-0.949
8	KKR	9	3	5	1	7	-0.539
9	MI	10	3	7	0	6	-0.649
10	LSG	9	2	7	0	4	-1.076

पाकिस्तान के साथ बाइलेटरल सीरीज पर बैन जारी रहेगा

भारत सरकार ने कहा- न हमारी टीम वहां जाएगी

न उन्हें यहां बुलाएंगे; मल्टीलेटरल टूर्नामेंट्स में खेलेंगे

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। खेल मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच बाइलेटरल खेल संबंध सस्पेंड ही रहेंगे।

सरकार ने एक आधिकारिक मेमोरेंडम जारी कर कहा है कि भारत की खेल नीति उसकी कूटनीतिक नीति के अनुसार ही चलेगी। इसके तहत भारतीय टीमें बाइलेटरल सीरीज खेलने पाकिस्तान नहीं जाएंगी और न ही पाकिस्तानी टीमों को भारत में खेलने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, वर्ल्ड कप या ओलिंपिक जैसे मल्टीलेटरल इवेंट्स में दोनों देश एक-दूसरे के खिलाफ खेल सकेंगे।

युवा मामले और खेल मंत्रालय ने यह निर्देश भारतीय ओलिंपिक संघ, भारतीय खेल प्राधिकरण और सभी नेशनल स्पोर्ट्स फेडरेशनों को भेज दिया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के मामले में भारत का रुख बिल्कुल साफ है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब 7 मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' की बरसी है, जो पिछले साल पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया था। उस हमले में 26 नागरिकों की जान गई थी।

सरकार के इस रुख का सबसे ज्यादा असर क्रिकेट पर पड़ा है। भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी बाइलेटरल सीरीज 2012-13 में हुई थी, जब पाकिस्तान की टीम भारत आई थी।

इसके बाद से दोनों टीमें केवल एशिया कप और आईसीसी टूर्नामेंट्स में ही एक-दूसरे के सामने आई हैं। हाल के समय में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर भी काफी चर्चा थी, लेकिन भारत के इस कड़े रुख से साफ है कि टीम इंडिया सीमा पार जाकर खेलने के पक्ष में नहीं है। भारत खुद को इंटरनेशनल स्पोर्ट्स इवेंट्स के लिए एक बड़े डेस्टिनेशन के रूप में देख रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार ने खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों और टेक्निकल स्टाफ के लिए वीजा प्रक्रिया को सरल बनाने का फैसला किया है।

इंटरनेशनल स्पोर्ट्स बॉडीज के पदाधिकारियों को उनके कार्यकाल के दौरान 5 साल तक का प्रायोरिटी मल्टी-एंट्री वीजा दिया जाएगा। साथ ही, इन संस्थाओं के प्रमुखों को भारत दौरे पर उचित प्रोटोकॉल और सम्मान दिया जाएगा।

पहली बार भारत आएगी जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट टीम

अक्टूबर में 3 वनडे और 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी

मुंबई, 7 मई (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और जिम्बाब्वे के बीच अक्टूबर में तीन वनडे और तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। पहली बार जिम्बाब्वे की महिला टीम भारत दौरे पर आएगी। दोनों देशों के बीच अब तक कोई बाइलेटरल इंटरनेशनल सीरीज नहीं हुई है।

इतिहास में पहली बार आमने-सामने होंगी दोनों टीमें

क्रिकेट इतिहास में पहली बार भारत और जिम्बाब्वे की महिला टीमें किसी इंटरनेशनल फिक्स्चर में आमने-सामने होंगी। अब तक दोनों टीमों के मुकाबले केवल आईसीसी टूर्नामेंट्स या क्वालीफायर्स तक सीमित थे। बाइलेटरल सीरीज के रूप में यह नई शुरुआत होगी। बीसीसीआई और जिम्बाब्वे क्रिकेट ने इस सीरीज के जरिए महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

दौरे की शुरुआत टी-20 सीरीज से

शेड्यूल के मुताबिक दौरे की शुरुआत टी-20 सीरीज से हो सकती है, जिसके बाद वनडे सीरीज खेली जाएगी। इंडिया विमेंस टीम के लिए यह सीरीज बेंच स्ट्रेंथ आजमाने और युवा खिलाड़ियों को मौका देने का अच्छा मौका होगी।

भारत ने भी अब तक जिम्बाब्वे का दौरा नहीं किया

रिकॉर्ड्स के अनुसार, इंडिया विमेंस टीम ने भी अब तक बाइलेटरल सीरीज के लिए जिम्बाब्वे का दौरा नहीं किया है। पुरुष क्रिकेट में दोनों देशों के बीच नियमित मैच होते हैं, लेकिन महिला क्रिकेट में यह पहली बाइलेटरल सीरीज होगी। जिम्बाब्वे विमेंस टीम के लिए भारत में खेलना बड़ा अनुभव होगा।

टी-20 चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए अहम

अक्टूबर में होने वाली यह सीरीज इंडिया विमेंस टीम के लिए अहम मानी जा रही है। आने वाले आईसीसी टूर्नामेंट्स को देखते हुए बीसीसीआई

ज्यादा बाइलेटरल सीरीज आयोजित कर रहा है। 2027 में श्रीलंका में वुमेन टी-20 चैंपियंस ट्रॉफी होनी है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ यह सीरीज भारतीय खिलाड़ियों को लय बनाए रखने और रैंकिंग सुधारने का मौका देगी। मैच के वेन्यू और तारीखों का ऐलान जल्द हो सकता है।

एशियाड से पहले हुआ भारत के साथ धोखा!

तीरंदाजी कोच पागिनी टीम इंडिया की जगह कोरिया से जुड़े

नई दिल्ली, 7 मई (एजेंसियां)। एशियाई खेल सिर पर हैं और भारतीय तीरंदाजों के लिए विदेशी कोच का अनुबंध मुसीबत बनता जा रहा है। कुछ माह पूर्व तक यह तय था कि इटली के जाने-माने कोच सर्गियो पागिनी भारतीय कंपाउंड तीरंदाजों को कोचिंग देंगे। उनका अनुबंध सिरे चढ़ने जा रहा था, लेकिन भारतीय टीम के पूर्व कोच रहे पागिनी को तीरंदाजी के मजबूत देश कोरिया से भारत के मुकाबले अधिक वेतन में प्रस्ताव मिल गया। पागिनी ने भारतीय तीरंदाजों को दरकिनार कर कोरियाई टीम का दामन थाम लिया। अब 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में शामिल की गई कंपाउंड तीरंदाजी के लिए पूर्व विश्व चैंपियन अमेरिकी तीरंदाज डेव कजिंस पर दांव लगाया गया है। कजिंस को

अच्छे वेतन पर रखने की तैयारी कर ली गई है, लेकिन उनके अनुबंध पर तीरंदाजी के कुछ लोगों में रोष है।

कजिंस के कोचिंग अनुभव पर है संशय

सूत्र बताते हैं कि 1999 के विश्व चैंपियन और 2003 के उपविजेता कजिंस भारतीय कंपाउंड टीम के कोच के लिए इंटरव्यू भी दे चुके हैं। उनके अनुबंध पर अंतिम फैसला होना बाकी है। सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो कजिंस जल्द कंपाउंड तीरंदाजी टीम के कोच होंगे। हालांकि सूत्र बताते हैं कि कजिंस एक अच्छे कंपाउंड तीरंदाज तो रहे हैं, लेकिन उनके पास कोचिंग का बड़ा अनुभव नहीं है, जबकि भारतीय कंपाउंड तीरंदाज इस वक्त दुनिया के शीर्ष तीरंदाजों में शामिल हैं। कजिंस फीटा राउंड का विश्व रिकॉर्ड भी बना चुके हैं।

एक साल बीता पर रिकर्व कोच भी नहीं आया

दिक्कत कंपाउंड विदेशी कोच की नहीं बल्कि रिकर्व कोच की भी है। बीते वर्ष अप्रैल में कोरियाई मूल के अमेरिकी कोच की सिकली को 20 हजार अमेरिकी डॉलर के भारी-भरकम वेतन पर अनुबंधित करने की तैयारी की गई थी। उन्हें इस वर्ष जनवरी में अनुबंध भी दिया गया, लेकिन वह शर्तों से खुश नजर नहीं आए। उनका अनुबंध अब तक सिरे नहीं चढ़ा है। यही नहीं भारतीय तीरंदाज इस वक्त विश्वकप में खेल रहे हैं, लेकिन रिकर्व और कंपाउंड दोनों टीमों का अब तक चीफ कोच भी नियुक्त नहीं किया गया है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले भारत दौरे पर आएगी ऑस्ट्रेलिया-ए टीम

सितंबर-अक्टूबर में पुडुचेरी में होंगे 5 मैच; महिला और अंडर-19 टीमें भी खेलेंगी

पुडुचेरी, 7 मई (एजेंसियां)। अगले साल जनवरी में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तैयारियों के लिए ऑस्ट्रेलिया की 'A' टीम भारत का दौरा करेगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शेड्यूल जारी किया, जिसके मुताबिक ऑस्ट्रेलिया-ए की टीम सितंबर और अक्टूबर में भारत के खिलाफ दो 4-दिवसीय मैच और तीन 50-ओवर के मैच खेलेगी।

ये सभी मुकाबले पुडुचेरी में आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया की महिला 'ए' टीम और पुरुषों की अंडर-19 टीम भी अलग-अलग सीरीज के लिए भारत आएगी।

टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के पास खुद को साबित करने का मौका

अगले साल 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होने वाली 5 टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले यह दौरा ऑस्ट्रेलिया के लिए काफी अहम है। पिछले साल भी ऑस्ट्रेलिया-ए ने भारत का दौरा किया था, जहां सैम कोंस्टास, नाथन मैकस्वीनी और टॉड मर्फी जैसे खिलाड़ियों को भारतीय परिस्थितियों में खेलने का मौका मिला था।

कोंस्टास ने पिछले दौरे के पहले मैच में शतक लगाया था, वहीं मैकस्वीनी ने 74 और नाबाद 85 रनों की पारियां खेली थीं। इस बार भी कई युवा खिलाड़ी मुख्य टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए यहां अपना दावा पेश करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ए पुरुष टीम का भारत दौरा 2026

फॉर्मैट	डेट	वेन्यू
पहला चार दिवसीय मैच	22-25 सितंबर 2026	पुडुचेरी
दूसरा चार दिवसीय मैच	29 सितंबर - 2 अक्टूबर 2026	पुडुचेरी
पहला वनडे मैच	6 अक्टूबर 2026	पुडुचेरी
दूसरा वनडे मैच	9 अक्टूबर 2026	पुडुचेरी
तीसरा वनडे मैच	11 अक्टूबर 2026	पुडुचेरी

पुडुचेरी में होंगे मेंस टीम के सभी मुकाबले

ऑस्ट्रेलिया-ए की मेंस टीम अपने अभियान की शुरुआत 22 सितंबर से पुडुचेरी में करेगी। पहला 4-दिवसीय मैच 22 से 25 सितंबर तक चलेगा, जबकि दूसरा मुकाबला 29 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच होगा।

इसके बाद 6, 9 और 11 अक्टूबर को तीन वनडे मैच (50-ओवर) खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के सेलेक्टर्स की नजरें विशेष रूप से स्पिनरों और उन बल्लेबाजों पर होंगी जो भारतीय पिचों पर अच्छा खेल दिखा सकें।

महिला और अंडर-19 टीमें भी खेलेंगी सीरीज

बीसीसीआई ने सिर्फ मेंस टीम ही नहीं, बल्कि महिला 'A' और अंडर-19 टीमों के दौरे की भी पुष्टि की है।

ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम 2018 के बाद भारत आएगी

महिला टीमः ऑस्ट्रेलिया-A की महिला टीम 2018 के बाद पहली बार भारत में मल्टी-फॉर्मेट सीरीज खेलेगी। वे मोहाली में 2 टी20 और धर्मशाला में तीन वनडे और एक 4-दिवसीय मैच खेलेंगी।

अंडर-19 टीम राजकोट और अहमदाबाद में खेलेंगे

मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन भारत की अंडर-19 टीम राजकोट और अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। इसमें भारत के 15 साल के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी पर सबकी नजरें होंगी, जिन्होंने 13 साल की उम्र में चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 62 गेंदों में शतक जड़ा था।

एक ही समय पर साउथ अफ्रीका में होगी मुख्य टीम

दिलचस्प बात यह है कि जब ऑस्ट्रेलिया-ए की टीम भारत में होगी, उसी समय ऑस्ट्रेलिया की मुख्य टेस्ट टीम साउथ अफ्रीका के दौरे पर रहेगी। साउथ अफ्रीका में पहला टेस्ट 9 अक्टूबर को शुरू होना है।

ऐसे में कुछ टेस्ट स्पेशलिस्ट खिलाड़ी भारत में पहला 4-दिवसीय मैच खेलकर साउथ अफ्रीका रवाना हो सकते हैं, लेकिन दूसरे मैच में उनका खेलना मुश्किल लग रहा है।

पीएसजी लगातार दूसरी बार चैंपियंस लीग फाइनल में

बायर्न म्यूनिख के खिलाफ 1-1 ड्रॉ से बनाई जगह

30 मई को बुडापेस्ट में आर्सेनल से मुकाबला

हंगरी, 7 मई (एजेंसियां)। पेरिस सेंट-जर्मेन ने यूईएफए चैंपियंस लीग के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। एलायंस एरिना में खेले गए सेमीफाइनल के दूसरे चरण में पीएसजी ने बायर्न म्यूनिख के साथ 1-1 का ड्रॉ खेला।

एग्रीगेट स्कोर 6-5 रहने की वजह से डिफेंडिंग चैंपियन पीएसजी टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में पहुंच गई है। अब 30 मई को बुडापेस्ट में होने वाले फाइनल में पीएसजी का सामना प्रीमियर लीग की टॉप टीम आर्सेनल से होगा। पिछले हफ्ते पेरिस में हुए पहले चरण के मुकाबले में पीएसजी 5-4 से आगे थी। दूसरे चरण के मैच की शुरुआत में ही तीसरे मिनट में ओस्मान डेम्बेले ने गोल कर टीम की एग्रीगेट बढ़त मजबूत कर दी। ख्विचा क्वाराटशेलिया के पास पर डेम्बेले ने गेंद गोल पोस्ट के ऊपरी हिस्से में पहुंचाकर बायर्न की मुश्किल बढ़ा दी।

पूरे मैच में बायर्न म्यूनिख ने वापसी की कोशिश की, लेकिन पीएसजी के डिफेंस ने ज्यादा मौके नहीं दिए। इंजरी टाइम (90+4 मिनट) में हैरी केन ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर किया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। केन का इस सीजन में यह 14वां चैंपियंस लीग गोल था। बायर्न को एक्स्ट्रा टाइम में जाने के लिए एक और गोल चाहिए था, जो वह नहीं कर सकी। पीएसजी के पास इतिहास रचने का मौका है। फाइनल जीतने पर वह 1990 के बाद चैंपियंस लीग खिताब डिफेंड (रिटेन) करने वाली दूसरी टीम बन जाएगी। इससे पहले केवल रियल मैड्रिड लगातार खिताब जीत सकी है। पिछले साल पीएसजी ने इसी मैदान (एलायंस एरिना) पर इंटर मिलान को हराकर अपना पहला चैंपियंस लीग खिताब जीता था। बायर्न म्यूनिख के लिए यह हार निराशाजनक रही। टीम के खिलाड़ी और मैनेजमेंट पहले हाफ में रेफरी के कुछ फैसलों से नाखुश नजर आए। 6 बार की यूरोपियन चैंपियन बायर्न 2020 के बाद फाइनल में नहीं पहुंच पाई है।

2020 के फाइनल में बायर्न ने पीएसजी को हराकर खिताब जीता था, लेकिन इस बार बाजी पेरिस के हाथ लगी। बायर्न के गोलकीपर मैनुअल नोयर ने दूसरे हाफ में बेहतरीन खेल दिखाया। उन्होंने क्वाराटशेलिया और डेसिरे डौए के शॉट रोककर टीम को मैच में बनाए रखा।

आईपीएल 2026 के बीच पैट कमिंस को मिला नया ऑफर!

डील साइन करते ही होगी करोड़ों की बारिश

खेल डेस्क, 7 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी कर रहे पैट कमिंस को एक नया ऑफर मिला है. ये ऑफर किसी और की तरफ से नहीं बल्कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की तरफ से उन्हें मिला है. सामने आ रही रिपोर्ट के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया अपने अनुभवी खिलाड़ियों के साथ कॉन्ट्रैक्ट को बढ़ाना चाहती है और इसके लिए उनकी सैलरी में बड़ा इजाफा किया जाएगा. हाल ही में काफी लंबे समय के बाद वो चोट से उभरकर क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं. अगर वो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की तरफ से इस डील को साइन कर लेते हैं तो उनके ऊपर करोड़ों की बारिश होगी.

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के लिए पैट कमिंस एक शानदार खिलाड़ी रहे हैं. उनकी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी साख दोबारा वापस पाई तो वहीं कई ट्रॉफी भी अपने नाम की हैं. ऐसे में अब ऑस्ट्रेलिया बोर्ड उनके साथ साल 2029 तक करार करना चाहता है. सामने आई रिपोर्ट के अनुसार अगर पैट कमिंस इस डील को साइन करते हैं तो उनको हर साल 27.43 करोड़ रुपये सैलरी के तौर पर मिलेंगे लेकिन इसके लिए उन्हें लंबे समय के करार करना होगा. ऑस्ट्रेलिया के कप्तान के रूप में पैट कमिंस 2 आईसीसी ट्रॉफी जीत चुके हैं. उन्होंने साल 2021-23 डब्ल्यूटीसी का खिताब अपने नाम किया था तो वहीं साल 2023 में भारत को हराकर वनडे विश्व कप का खिताब भी अपने नाम किया था. इसी के साथ उनकी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया की टीम लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है.

32 साल के हो चुके पैट कमिंस ने ऑस्ट्रेलिया के लिए साल 2011 में डेब्यू किया था. इसके बाद से वो लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं.

उन्होंने 72 टेस्ट मैचों में टीम के लिए 315 विकेट चटकाए हैं. वनडे इंटरनेशनल में उन्होंने 90 मैच खेले हैं जिसमें वो 143 विकेट चटका चुके हैं. टी20 इंटरनेशनल में वो ऑस्ट्रेलिया के लिए 57 मैच हासिल कर चुके हैं जिसमें उनको 66 विकेट मिले हैं. सामने आ रही जानकारी के अनुसार इस साल ऑस्ट्रेलिया को 21 टेस्ट मुकाबले खेलने हैं.

पीएसएल खत्म होते ही पीसीबी पर आई करोड़ों की आफत

धड़ाधड़ कानूनी नोटिस भेजने का सिलसिला हुआ शुरू

इस्लामाबाद, 7 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान सुपर लीग का समापन हाल ही में हुआ है. बाबर आजम की आगुवाई वाली पेशावर जाल्मी ने हैदराबाद किंग्समेन को हराकर खिताब पर कब्जा जमाया. हालांकि अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर बड़ी आफत आ गई है, जिसके लिए कानूनी नोटिस का भी सिलसिला जारी हो गया है. क्या है मामला आइए जानते हैं.

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बकाया राशि का भुगतान न करने वाले प्रसारण और व्यावसायिक भागीदारों के खिलाफ औपचारिक

वसूली अभियान शुरू कर दिया है और अरबों पाकिस्तानी रुपये के बकाया वाले पक्षों को कानूनी नोटिस भेजे हैं.

पीसीबी के एक सूत्र ने बताया कि शुरुआत में पाकिस्तान सुपर लीग की कुछ डिफॉल्टर फ्रेंचाइजी को भी नोटिस भेजा गया था कि वे अपनी बकाया वार्षिक फीस का भुगतान करें या कार्रवाई का सामना करें. इन फ्रेंचाइजी ने अब अपना बकाया चुका दिया है, लेकिन उन्होंने बोर्ड से यह भी अनुरोध किया है कि केंद्रीय कोष से फ्रेंचाइजी के लिए 2010 से लंबित उनके हिस्से का भुगतान किया जाए,"

इंटरनेशनल क्रिकेट और पाकिस्तान सुपर लीग के प्रसारण से जुड़ी कुछ कंपनियों का बकाया करोड़ों का है. इन कंपनियों ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को भुगतान नहीं किया है.

96 करोड़ का भुगतान होना बाकी

पाकिस्तान क्रिकेट लीग की एक फ्रेंचाइजी ने शिकायत की है कि पीसीबी ने पीएसएल 10 के केंद्रीय पूल से लगभग 96 करोड़ पाकिस्तानी रुपये का भुगतान नहीं किया है. इसके अलावा ये भी आरोप लग रहे हैं कि पीएसएल 2025 के केंद्रीय पूल से कुछ फ्रेंचाइजी का लगभग 40-45 करोड़ पाकिस्तानी रुपये बाकी है.

पीसीबी के देने हैं करोड़ों रुपये

कुल मिलाकर पाकिस्तान क्रिकेट टीम की टेंशन बढ़ते हुए नजर आ रही है. पीसीबी को करोड़ों रुपये फ्रेंचाइजियों को देने हैं.

बंडी संजय पर हिंसा भड़काने का आरोप

बीआरएस का भाजपा पर हमला

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने करीमनगर में विधायक गंगुला कमलाकर के कैंप कार्यालय और विधायक पड़ी कौशिक रेड्डी के वाहन पर भाजपा समर्थकों द्वारा किए गए हमले की कड़ी निंदा की है। यह घटना गुरुवार को हुई थी।

बीआरएस ने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार पर आरोप लगाया है कि उन्होंने इस हिंसा को भड़काया और करीमनगर में लोकतांत्रिक माहौल को खराब किया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने इस घटना को निंदनीय बताते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने उपद्रवियों की तरह व्यवहार किया, विधायक कार्यालय में घुसकर तोड़फोड़ की और दिनदहाड़े वाहनों को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस की मौजूदगी में कोई कार्रवाई न होना बेहद शर्मनाक है।

पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक टी. हरीश राव ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री बंडी संजय, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के सहयोगी की तरह काम कर रहे हैं और विपक्ष को डराने-धमकाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब बीआरएस नेता अपनी बात रख रहे थे, तब भाजपा कार्यकर्ताओं को हमले के लिए उकसाया गया। हरीश राव ने कहा कि कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं क्योंकि अब जनप्रतिनिधियों के कार्यालय भी सुरक्षित नहीं रह गए हैं। उन्होंने दोषियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग की और चेतावनी दी कि यदि हमले जारी रहे तो जनता सड़कों पर उतरने को मजबूर होगी। वहीं, बीआरएस विधान परिषद के उपनेता एल. रमणा ने भी बंडी संजय पर करीमनगर के शांतिपूर्ण राजनीतिक माहौल को बिगाड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने दोषियों पर पीडी एक्ट लगाने की मांग की। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाते हुए हाल ही में करीमनगर में हुई दिनदहाड़े ज्वेलरी दुकान डकैती और हैदराबाद में पुलिस आयुक्त पर कथित उत्पीड़न का भी उल्लेख किया।

धान परिवहन को लेकर प्रशासन सतर्क

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में धान खरीद प्रक्रिया में तेजी आने के साथ ही परिवहन विभाग ने धान को खरीद केंद्रों से गोदामों और राइस मिलों तक सुचारू रूप से पहुंचाने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। परिवहन आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पर्याप्त संख्या में ट्रक और ट्रैक्टर उपलब्ध कराए जाएं तथा जिला प्रशासन और नागरिक आपूर्ति विभाग के साथ समन्वय बनाकर परिवहन कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आने दी जाए। अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि धान परिवहन में लगे सभी वाहनों के पास आवश्यक दस्तावेज मौजूद हों। इनमें वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी), फिटनेस प्रमाणपत्र, परमिट, बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र (पीयूसी) और चालक का वैध ड्राइविंग लाइसेंस शामिल हैं।

विभाग ने परिवहन व्यवस्था की लगातार निगरानी करने और परिवहन से जुड़ी समस्याओं का तुरंत समाधान करने के निर्देश भी जारी किए हैं, ताकि राज्यभर में धान की आवाजाही बिना किसी रुकावट के जारी रह सके।

तेलंगाना में महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए बड़ी राहत

बिना ब्याज ऋण सीमा 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये की गई

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए बिना ब्याज वाले ऋण (वीएलआर) की सीमा 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी है। इस फैसले की घोषणा पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री दानसारी अनसूया सीतक्का ने 'एसएचजी बैंक लिंकेज कार्यक्रम वार्षिक कार्य योजना 2026-27' के शुभारंभ अवसर पर प्रजा भवन में की। इस निर्णय से राज्य की लगभग 63 लाख महिलाएं लाभान्वित होंगी। सरकार का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों की ऋण लेने की क्षमता को और मजबूत करना है, ताकि महिलाएं आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बन सकें।

सरकारी अनुमान के अनुसार, इस योजना के तहत ब्याज भुगतान पर लगभग 2,500 करोड़ रुपये का व्यय होगा, जबकि पहले यह खर्च करीब 1,300 करोड़ रुपये था। वर्ष 2026-27 के लिए सरकार ने एसएचजी समूहों को 26,621.47 करोड़ रुपये के बैंक ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि और महिला समूहों के सदस्य शामिल हुए। मंत्री ने ऋण वितरण और पुनर्भुगतान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिलों और महिला संगठनों को सम्मानित भी किया। सीतक्का ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि 10 लाख रुपये तक के ऋण का ब्याज राज्य सरकार वहन करेगी। उन्होंने बताया कि महिलाओं की ईमानदार ऋण वापसी के कारण बैंकों का भरोसा बढ़ा है और एनपीए दर मात्र 1.4 प्रतिशत रह गई है।

उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य एक करोड़ महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। महिलाओं को पहले छोटे ऋण लेने में भी कठिनाई होती थी, लेकिन अब वे बड़े स्तर पर बैंक ऋण प्राप्त कर रही हैं। मंत्री ने कहा कि महिलाएं आज केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि रोजगार सृजक बन रही हैं और वे कैंटीन, डेयरी, पेट्रोल पंप, सौर ऊर्जा इकाइयों और अन्य व्यवसायों का सफल संचालन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत महिलाएं ही मजबूत अर्थव्यवस्था की नींव हैं और सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लगातार काम कर रही है।

हिंसक घटनाओं की हो जांच : चाडा

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के वरिष्ठ नेता चाडा वेंकट रेड्डी ने तेलंगाना में बीआरएस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच बढ़ते विवाद, अभद्र टिप्पणियों और हिंसक घटनाओं की व्यापक जांच कराने की मांग की है। हैदराबाद में जारी एक बयान में चाडा वेंकट रेड्डी ने कहा कि राज्य का राजनीतिक माहौल लगातार टकराव और आरोप-प्रत्यारोप के कारण प्रदूषित होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि विवाद की शुरुआत वारंगल में आयोजित किसानों की बैठक के दौरान के.टी. रामाराव द्वारा कांग्रेस की आलोचना करने से हुई, जिसके बाद कांग्रेस नेताओं ने पलटवार किया। बाद में केंद्रीय मंत्री बदी संजय कुमार ने केटीआर और बीआरएस विधायक पड़ी कौशिक रेड्डी की आलोचना की, जिसके जवाब में कौशिक रेड्डी द्वारा कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं। चाडा वेंकट रेड्डी ने करीमनगर विधायक गंगुला कमलाकर के कार्यालय के पास पड़ी कौशिक रेड्डी की कार में की गई तोड़फोड़ की घटना की निंदा करते हुए इसे अनुचित बताया। उन्होंने राजनीतिक नेताओं द्वारा अभद्र भाषा के इस्तेमाल पर भी चिंता जताई और कहा कि इस तरह का आचरण राजनीतिक मूल्यों के पूरी तरह पतन को दर्शाता है। सीपीआई नेता ने कहा कि राज्य में राजनीतिक तनाव इस स्तर तक बढ़ गया है कि ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो चुनाव निकट हों।

एमएलए गंगुला कमलाकर के कैंप कार्यालय पर हमले की केटीआर और हरीश राव ने की निंदा

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेताओं एवं विधायकों के.टी. रामाराव और टी. हरीश राव ने गुरुवार को करीमनगर में बीआरएस विधायक गंगुला कमलाकर के कैंप कार्यालय तथा विधायक पड़ी कौशिक रेड्डी के वाहन पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कथित हमले की कड़ी निंदा की। केटीआर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार के समर्थकों ने दिनदहाड़े विधायक के कैंप कार्यालय में घुसकर वाहनों और कार्यालय की संपत्ति में तोड़फोड़ की।

उन्होंने आरोप लगाया कि घटना के दौरान पुलिस मूकदर्शक बनी रही। केटीआर ने बंडी संजय को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की बी-टीम बताते हुए कहा कि बीआरएस नेताओं द्वारा उठाए जा रहे सवालों का जवाब न होने के कारण इस तरह के हमले करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के पद पर रहते हुए कानून-व्यवस्था को कमजोर करने वाला व्यवहार करना लोकतंत्र का मजाक है। वहीं, हरीश राव ने भी इस घटना की निंदा करते हुए राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री करते हैं, वहां इस तरह की घटनाएं होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

सामान्य ट्रैफिक के बीच सड़क मार्ग से पहुंचे मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी गुरुवार को दिल्ली दौरा समाप्त कर हैदराबाद लौटे और सामान्य यातायात व्यवस्था के बीच शमशाबाद हवाई अड्डे से अपने आवास तक सड़क मार्ग से पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हाल ही में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि उनके काफिले के आवागमन के दौरान शहर में ट्रैफिक को पूरी तरह रोकने से बचा जाए और आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद ट्रैफिक पुलिस ने इस बार पूरी सड़क बंद करने के बजाय वाहनों को एक लेन में चलने की अनुमति दी, जबकि मुख्यमंत्री का काफिला गुजर रहा था। सरकार के इस कदम को आम नागरिकों को ट्रैफिक जाम और असुविधा से राहत देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

एक साल बाद भी शुरू नहीं हो सका हाइड्रा पुलिस स्टेशन

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हुसैन सागर के किनारे स्थित बुद्धा भवन परिसर में बनाए गए बहुचर्चित हैदरा पुलिस स्टेशन की स्थापना के एक साल बाद भी यह पूरी तरह सक्रिय नहीं हो सका है। मुख्यमंत्री और हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) के अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी ने पिछले वर्ष 8 मई को इस पुलिस स्टेशन का उद्घाटन किया था। हाइड्रा का अधिकार क्षेत्र तेलंगाना कोर अर्बन रीजन (टीसीयूआर) तक बढ़ाए जाने के बाद इस विशेष पुलिस स्टेशन की स्थापना की गई थी। इसके तहत संपूर्ण जीएचएमसी क्षेत्र के साथ हैदराबाद, रंगा रेड्डी, मेडचल-मलकाजगिरि और संगारेड्डी जिले आउटर रिंग रोड तक शामिल हैं।

इस पुलिस स्टेशन का मुख्य उद्देश्य झीलों की सुरक्षा, भूमि अतिक्रमण, सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने और जमीन से जुड़े मामलों में कार्रवाई करना था। स्टेशन शुरू होने के बाद यहां एक सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) को स्टेशन हाउस ऑफिसर के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके अलावा छह इंस्पेक्टर, 12 सब-इंस्पेक्टर और 30 कांस्टेबल भी तैनात किए गए थे। सूत्रों के अनुसार, पुलिस स्टेशन को कानूनी मान्यता मिलने में देरी हो रही है। इसी कारण यह अभी तक आधिकारिक रूप से पूरी तरह कार्य शुरू नहीं कर पाया है। फिलहाल यहां तैनात पुलिसकर्मी हाइड्रा से जुड़े अभियानों में सहयोग कर रहे हैं। हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ ने कहा कि कानूनी मंजूरी की प्रक्रिया जारी है और अगले एक-दो महीने में इसे स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि हाइड्रा लागू होने के बाद भूमि अतिक्रमण और अन्य मामलों में 29 एफआईआर दर्ज की गई हैं। वहीं 'प्रजावाणी' अभियान के तहत नागरिकों से 30 हजार से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

आग लगने से सुरक्षा गार्ड की मौत

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के दक्षिणी क्षेत्र मैलारदेवपल्ली में गुरुवार तड़के एक आवासीय भवन में आग लगने से एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मृतक की पहचान बिहार निवासी 21 वर्षीय विकास के रूप में हुई है, जो हैदराबाद में सुरक्षा गार्ड का काम करता था। पुलिस के अनुसार, विकास वृंदावन कॉलोनी स्थित अपने घर में सो रहा था, तभी अचानक आग लग गई। आग लगने के बाद घर में तेजी से धुआं फैल गया, जिससे विकास बाहर नहीं निकल सका और अंदर ही फंस गया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। बाद में विकास का शव घर से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल भेज दिया है।

हैदराबाद को वैश्विक शहर के रूप में किया जाएगा विकसित

आईटी मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा- योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही सरकार

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री दुद्दिला श्र8ीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना सरकार अगले दस वर्षों में हैदराबाद को एक वैश्विक शहर के रूप में विकसित करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। इसके तहत बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय निवेश आकर्षित करने और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप आधारभूत ढांचे का निर्माण किया जा रहा है। मुंबई में आयोजित 'नासकॉम जीसीसी समिट 2026' को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार ने तेलंगाना राइजिंग विजन-2047 के तहत राज्य की देश की जीडीपी में हिस्सेदारी को वर्ष 2047 तक 10 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

श्रीधर बाबू ने कहा कि दुनिया के कई शहर अनियोजित शहरीकरण के कारण गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं, लेकिन हैदराबाद को दीर्घकालिक योजना और आधुनिक आधारभूत सुविधाओं के माध्यम से एक संतुलित एवं विकसित शहर बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार भारत फ्यूचर सिटी, एआई सिटी, मेट्रो रेल विस्तार, नए हवाई अड्डों का विकास, रीजनल रिंग रोड (आरआरआर), मूसी नदी पुनर्जीवन, यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी और एआईकेएएम इनोवेशन हब जैसी कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर कार्य कर रही है।

मंत्री ने कहा कि हैदराबाद तकनीक, बैंकिंग, लाइफ साइंसेज, सेमीकंडक्टर, रक्षा, एफएमसीजी, अंतरिक्ष तकनीक और आतिथ्य जैसे क्षेत्रों में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) स्थापित करने के लिए पसंदीदा शहर बनकर उभर रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष हैदराबाद में 70 से अधिक जीसीसी स्थापित हुए, जो देश में सबसे अधिक हैं। सरकार इस वर्ष 100 नए जीसीसी स्थापित करने का लक्ष्य लेकर चल रही है, जिससे करीब एक लाख लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार जीसीसी को केवल बैक ऑफिस तक सीमित न रखकर उन्हें वैश्विक मूल्य केंद्रों के रूप में विकसित करने की व्यापक योजना तैयार कर रही है। उन्होंने उद्योगपतियों से तेलंगाना में निवेश करने का आह्वान करते हुए कहा कि हैदराबाद में कुशल और प्रतिभाशाली मानव संसाधन की कोई कमी नहीं है। साथ ही उन्होंने कंपनियों से मेड इन तेलंगाना ब्रांड को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने में सहयोग करने की अपील की।

जनसभा की तैयारियों का सांसद ने लिया जायजा

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि सांसद ईटेला राजेंद्र ने गुरुवार को शहर के परेड ग्राउंड में 10 मई को आयोजित होने वाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर चल रही व्यवस्थाओं, आम जनता के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं और सुरक्षा इंतजामों को लेकर पार्टी नेताओं के साथ समीक्षा बैठक भी की। बैठक में केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी, भाजपा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य लक्ष्मण, भाजपा विधायक दल के नेता एलेटि महेश्वर रेड्डी, विधान परिषद दल के नेता एवीएन रेड्डी, एमएलसी मल्का कोमुरैया और अंजी रेड्डी सहित कई पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीएम मोदी की सभा को लेकर 18 बीसी संगठनों का समर्थन

10 मई को भारी संख्या में पहुंचने की अपील

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के 18 पिछड़ा वर्ग (बीसी) संगठनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 10 मई को सिकंदराबाद परेड ग्राउंड में होने वाली जनसभा में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है। राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय बीसी कल्याण संघ के अध्यक्ष आर. कृष्णैया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में संगठनों के नेताओं ने कहा कि प्रत्येक बीसी परिवार से कम से कम एक व्यक्ति को इस सभा में भाग लेना चाहिए। नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पिछड़ा वर्ग समुदाय से आने वाला वैश्विक नेता बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने और जातिगत जनगणना जैसे कदम उठाकर बीसी समुदाय को सशक्त बनाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश भ्रष्टाचार मुक्त शासन की ओर बढ़ रहा है तथा बीसी समाज की समस्याओं का चरणबद्ध तरीके से समाधान किया जा रहा है।

नेताओं ने विश्वास जताया कि यदि बड़ी संख्या में लोग सभा में पहुंचकर समर्थन देंगे तो बीसी समाज की मांगों को और मजबूती मिलेगी। संगठनों ने भाजपा को बीसी विरोधी बताने के आरोपों को राजनीतिक प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने बीसी, एससी और एसटी वर्गों के नेताओं को महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों पर नियुक्त किया है। बैठक में नेताओं ने उम्मीद जताई कि जातिगत जनगणना के माध्यम से बीसी वर्ग को अधिक आरक्षण, विधानमंडलों में प्रतिनिधित्व तथा शिक्षा, रोजगार और शासन व्यवस्था में बेहतर भागीदारी का मार्ग प्रशस्त होगा। बैठक में राष्ट्रीय बीसी कल्याण संघ, राज्य बीसी कल्याण संघ, बीसी युवा संघ, बीसी फ्रंट, बीसी छात्र संगठन, बीसी कर्मचारी संगठन और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

क्षेत्र में गंभीर हो चुका है प्रदूषण का स्तर : कविता

टीआरएस अध्यक्ष ने भूमि अधिग्रहण को लेकर सरकार पर साधा निशाना

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना रक्षा सेना (टीआरएस) की अध्यक्ष कल्वकुंतला कविता ने गुरुवार को फार्मा सिटी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर भूमि अधिग्रहण को लेकर पूर्व बीआरएस सरकार और वर्तमान कांग्रेस सरकार दोनों पर तीखा हमला बोला। बशीरबाग प्रेस क्लब में एंटी फार्मा सिटी संघर्ष समिति एवं तेलंगाना पीपुल्स जेएसी के बैनर तले आयोजित सर्वदलीय बैठक को संबोधित करते हुए कविता ने आरोप लगाया कि पूर्व बीआरएस सरकार ने फार्मा सिटी परियोजना के लिए किसानों से 13,500 एकड़ भूमि अधिग्रहित की थी, जबकि वर्तमान कांग्रेस सरकार प्रस्तावित फ्यूचर सिटी परियोजना के लिए 30 हजार एकड़ भूमि अधिग्रहित करने की योजना बना रही है। उन्होंने सरकार से फार्मा सिटी और डाटा सेंटर परियोजनाओं से होने वाले रोजगार और पर्यावरणीय प्रभाव पर सवाल उठाए। कविता ने दावा किया कि क्षेत्र में प्रदूषण का स्तर गंभीर हो चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासी समुदायों की जमीन जबरन अधिग्रहित की जा रही है, जबकि प्रभावशाली भू-स्वामियों को बचाया जा रहा है। प्रभावित किसानों और आदिवासियों को समर्थन देते हुए कविता ने कहा कि वह उनकी जमीन की रक्षा के लिए किसी भी आंदोलन में भाग लेने को तैयार हैं।

बैठक में सेवानिवृत्त हाईकोर्ट न्यायाधीश जस्टिस चंद्र कुमार ने कहा कि रियल एस्टेट विस्तार और औद्योगिक परियोजनाओं के कारण कृषि भूमि तेजी से खत्म हो रही है। उन्होंने भविष्य में खाद्य संकट से बचने के लिए कृषि भूमि की सुरक्षा को जरूरी बताया और किसानों से किए गए वादे पूरे न करने पर राजनीतिक नेताओं की आलोचना की। प्रोफेसर हरगोपाल ने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर सरकारें किसानों और प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति पैदा कर रही हैं। उन्होंने पटनचेरु औद्योगिक क्षेत्र में प्रदूषण का उल्लेख करते हुए उपजाऊ कृषि भूमि के बीच प्रदूषण फैलाने वाले उद्योग स्थापित करने पर सवाल उठाए। बैठक में सीपीआई, आम आदमी पार्टी, धर्म समाज पार्टी तथा विभिन्न तेलंगाना संगठनों के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया और फार्मा सिटी परियोजना के खिलाफ चल रहे आंदोलन को समर्थन दिया।

हरिद्रा नदी से मिले प्रागैतिहासिक पत्थर के औजार

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक जिला मुख्यालय के पास बहने वाली हरिद्रा नदी से महत्वपूर्ण पुरातात्विक खोज सामने आई है। शोधकर्ताओं को नदी तल से पुरापाषाण और नवपाषाण काल के पत्थर के औजार मिले हैं, जिन्हें मानव सभ्यता के प्राचीन इतिहास से जुड़ा अहम साक्ष्य माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, कोत्ता तेलंगाना चरित्र ब्रुंदम के शोध सदस्य माचा प्रणय कुमार और बुर्रा संतोष ने हरिद्रा नदी के तल की खोज के दौरान विभिन्न प्रकार के पत्थर के औजार एकत्र किए। हरिद्रा नदी, मंजीरा नदी की सहायक नदी है और आगे चलकर कंडाकुर्थी में गोदावरी नदी से मिलती है।

एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि उस्मानिया विश्वविद्यालय के पुरातत्व विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में पुरातत्व विशेषज्ञ डॉ. रवि कोरिसत्तार ने इन औजारों का निरीक्षण किया। उन्होंने मध्य पुरापाषाण काल के चर्ट पत्थर के औजारों की खोज के लिए शोधकर्ताओं की सराहना की। डॉ. कोरिसत्तार ने कहा कि इस प्रकार के पत्थर के औजार भारत के अन्य हिस्सों में भी पाए गए हैं और यह इस बात का प्रमाण हैं कि इस क्षेत्र में मानव की उपस्थिति और विकास सैकड़ों हजारों वर्ष पुराना है। कोत्ता तेलंगाना चरित्र ब्रुंदम के संयोजक श्रीरामोजू हरगोपाल ने कहा कि शोधकर्ताओं के प्रयासों से तेलंगाना के इतिहास के नए पहलू सामने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी टीम ने प्रागैतिहासिक शैल कला स्थलों और प्राचीन मूर्तियों की पहचान की थी। विशेषज्ञों के अनुसार, मध्य पुरापाषाण काल लगभग तीन लाख वर्ष पूर्व से 30 हजार वर्ष पूर्व तक माना जाता है। इस काल में मानव क्वार्ट्जाइट, चर्ट और फ्लिंट जैसे पत्थरों से बने औजारों का उपयोग करता था।

टीआईई हैदराबाद ने शुरू किया महिला स्टार्टअप अभियान

हैदराबाद, 7 मई (स्वतंत्र वार्ता)। द इंडस एंटरप्रेन्योर्स (टीआईई) हैदराबाद ने गुरुवार को रायदुर्गम स्थित टी-वर्क्स में 'टीआईई वूमेन रोड शो' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में तेलंगाना के विभिन्न क्षेत्रों से आईं 100 से अधिक महिला उद्यमियों और स्टार्टअप शुरू करने की इच्छुक महिलाओं ने भाग लिया। यह कार्यक्रम 'टीआईई वूमेन 2026' पहल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। यह एक वैश्विक कार्यक्रम है, जिसके माध्यम से महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को मार्गदर्शन, नेटवर्किंग, निवेशकों तक पहुंच और इनक्यूबेशन सहायता प्रदान की जाती है। कार्यक्रम के सातवें संस्करण के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई निर्धारित की गई है।

टीआईई हैदराबाद के अध्यक्ष मुरली काकरला ने कहा कि संगठन इस वर्ष 200 आवेदन प्राप्त करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। उन्होंने बताया कि अधिक से अधिक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष तेलुगु पिचिंग और मेंटरिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि इस तरह के रोड शो को निजामाबाद, वारंगल और करीमनगर जैसे दूसरे स्तर के शहरों तक भी विस्तार दिया जाएगा। टीआईई ग्लोबल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मुरली बुक्कापटनम ने उद्यमिता में महिलाओं की भागीदारी को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। वहीं, टीआईई वूमेन के समिति अध्यक्ष अंकित संजय शाह ने कहा कि हैदराबाद चैप्टर अब तक 600 से अधिक महिला उद्यमियों को मार्गदर्शन दे चुका है और 3.52 लाख डॉलर से अधिक की इक्विटी-फ्री सहायता उपलब्ध करा चुका है। कार्यक्रम के दौरान फ्यूचर इज फीमेल विषय पर एक विशेष परिचर्चा भी आयोजित की गई।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.